महानगर नई दिल्ली शुक्रवार 3 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

कोरोना संकट के बीच डॉक्टरों, पुलिस कर्मियों पर हमले

इंदौर/हैदराबाद/कोलकाता/गुवाहाटी, 2 अप्रैल (भाषा)।

भारत में कोरोना महामारी के बीच चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों पर हमले की घटनाओं से उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी है।

पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर लॉकडाउन के आदेश लागू करने के दौरान हुए हमलों में नौ पुलिसक्रमी घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया **बाकी पेज 8 पर**

विश्व बैंक देगा एक अरब डॉलर

कोरोना संकट से निपटने के लिए विश्व बैंक ने भारत को फौरी तौर पर एक अरब डॉलर देने की मंजूरी दी।

9 दिन

नोएडा : संक्रमित पाए गए लोगों की सोसाइटी सील

नोएडा, 2 अप्रैल (भाषा)।

गौतमबुद्ध नगर में बुधवार को कोरोना वायरस से संक्रमित 10 मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन ने उन जगहों को सील **बाकी पेज 8 पर**

24 घंटे में संक्रमण के 328 मामले, 12 लोगों की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

भारत में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामलों में अन्य देशों की तरह ही तेजी दर्ज की जा रही है। देश में पहला मामला 30 जनवरी को दर्ज किया गया था। 29 मार्च को यानी अगले 60 दिनों में संक्रमितों की संख्या एक हजार पहुंची। अब सिर्फ तीन दिनों में इस संख्या में 900 के के आसपास की बढ़ोतरी हुई है। यानी पहले एक हजार मामले जहां 60 दिनों में सामने आए, वहीं अंतिम 900 मामलों की केवल तीन दिन में पुष्टि हुई है।

देश में गुरुवार सुबह नौ बजे तक कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले बढ़कर 2069 **बाकी पेज 8 पर**

मरकज से आए दो मरीजों की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज से निकाले गए कोरोना संक्रमित मरीजों में से दो मरीजों की मौत हो गई। गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया इन मरीजों की जांच की जा रही है और संभावना है कि आने वाले दिनों में इन मरीजों की संख्या में इजाफा **बाकी पेज 8 पर**

नौ हजार तबलीगी पृथक : गृह मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

गृह मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक 9000 तबलीगी जमात से जुड़े सदस्यों और उनके संपर्कों की पहचान की गई है और उन्हें पृथक किया गया है। जिन नौ हजार लोगों की पहचान की **बाकी पेज 8 पर**

दिल्ली में सातवां डॉक्टर संक्रमण की चपेट में

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल

कोरोना के बढ़ रहे प्रकोप के बीच अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक चिकित्सक भी संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलाजी) विभाग के सीनियर रेजीडेंट के तौर पर काम कर रहे इन डाक्टर का न तो मरीजों के इलाज से कोई सीधा संपर्क है और न ही हाल में इनका कोई विदेश यात्रा का इतिहास। इनको अभी एम्स के न्यू प्राइवेट वार्ड में क्वारंटाइन किया **बाकी पेज 8 पर**

बताया जा रहा है कि एम्स का यह संक्रमित डाक्टर भी निजामुद्दीन मरकज के कार्यक्रम में गया था। हालांकि डाक्टर ने साफ इनकार कर दिया है।

स्पेन में दस हजार से ज्यादा हुई मृतकों की संख्या

मैड्रिड/पेरिस/ब्रुसेल्स/न्यूयार्क/सोल, 2 अप्रैल (एएफपी)।

स्पेन में कोरोना विषाणु के संक्रमण से मरने वालों की संख्या गुरुवार को 10,000 के पार पहुंच गई। सरकार ने बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में 950 और लोगों की मौत हो गई जिसके बाद मृतकों की संख्या 10,003 पहुंच गई है। इटली के बाद स्पेन में इस विषाणु से सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है। यूरोप में कोरोना संक्रमण के पांच लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है।

आधिकारिक सूत्रों के आधार पर समाचार एजंसी एएफपी की गणना के मुताबिक यूरोप में कोरोना संक्रमण के 508,271 मामले दर्ज किए गए हैं और 34,571 लोगों की मौत हुई है। दुनियाभर में संक्रमण के 9,40,815 मामले सामने आए हैं और 47,836 लोगों की मौत हुई है। इटली सबसे प्रभावित देशों में है जहां 13,155 लोगों की मौत हुई है।

9 लाख से ज्यादा दुनियाभर में संक्रमण के मामले सामने आए हैं और 47,836 लोगों की मौत हुई है

इस बीच, कोरोना के संक्रमण से अपेक्षाकृत अछूते बेल्जियम में भी मृतकों की संख्या गुरुवार को एक हजार के पार पहुंच गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देश में कोरोना वायरस से 1,011 लोगों की मौत हुई है और आधिकारिक तौर पर 15,348 मामले दर्ज किए गए हैं। सरकारी स्वास्थ्य प्रवक्ता डा. इमैनुएल आंद्रे ने बताया कि 93 फीसद मामलों में मृतकों की उम्र 65 से अधिक थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि यूरोप में मरने वाले 95 प्रतिशत से अधिक लोगों की उम्र 60 वर्ष से अधिक थी। बेल्जियम ने यूरोप के अपने पड़ोसियों की तरह ही राष्ट्रीय लॉकडाउन लागू किया हुआ है और रेस्तरां, बार और गैर जरूरी फर्म और स्कूल बंद हैं।

उधर, न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने अमेरिका के अन्य गवर्नरों से अपील की है कि वे कोरोना महामारी से निपटने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू **बाकी पेज 8 पर**

मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक

राज्यों ने केंद्र से मांगा आर्थिक पैकेज व बकाये का भुगतान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में गुरुवार को विपक्षी दल शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने केंद्र सरकार से बकाया भुगतान करने और आर्थिक मदद के रूप में विशेष राहत पैकेज की मांग उठाई। साथ ही, मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री से पूछा कि पूर्ण बंदी कब खत्म होगी? पूर्ण बंदी के एलान के पहले राज्यों से सलाह नहीं किए जाने को लेकर भी कुछ मुख्यमंत्रियों ने आपत्ति जताई। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने आर्थिक मांगों को लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन राज्यों को सुझाव दिया कि वे पूर्ण बंदी के बाद लोगों के घरों बाहर निकलने को आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन समूहों का गठन करें और अग्रिम योजना तैयार करें।

बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आर्थिक मदद के रूप में 2500 करोड़ रुपए की केंद्रीय मदद की मांग की। साथ ही, उन्होंने केंद्र पर बकाया 50 हजार करोड़ रुपए जारी करने की भी मांग की। दूसरी ओर, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार से 60 हजार करोड़ रुपए के बकाए के भुगतान की मांग करते हुए केंद्र से दो लाख मीट्रिक टन गेहूं रखने की व्यवस्था करने की मांग की। महाराष्ट्र सरकार ने भी 25000 करोड़ रुपए तुरंत जारी करने की मांग की। इसमें 18 हजार करोड़ रुपए जीएसटी **बाकी पेज 8 पर**

बंगाल ने 2500 करोड़ की केंद्रीय मदद और बकाया 50 हजार करोड़ मांगे
पंजाब ने 60 हजार करोड़ और महाराष्ट्र ने 25000 करोड़ की मांग की
पूर्ण बंदी के बाद की तैयारियों में आपदा प्रबंधन समूह बनाएं राज्य : मोदी

मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मोदी आज वीडियो संदेश साझा करेंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण के मद्देनजर देशव्यापी पूर्ण बंदी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह देश के लोगों के साथ वीडियो संदेश साझा करेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, 'शुक्रवार सुबह नौ बजे देशवासियों के साथ मैं एक वीडियो संदेश साझा करूंगा।' प्रधानमंत्री ने हालांकि अपने ट्वीट में यह नहीं बताया कि उनके वीडियो संदेश का विषय क्या होगा।

चंडीगढ़ में बच्ची और दादी कोरोना से संक्रमित

चंडीगढ़, 2 अप्रैल (जनसत्ता)।

देश-दुनिया में फैले कोरोना संक्रमण के बीच यहां चंडीगढ़ में 10 महीने की मासूम बच्ची और उसकी दादी के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि के बाद यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या 18 हो गई है। यह परिवार स्थानीय सेक्टर-33 में रहता है और दोनों संक्रमितों को इलाज के लिए स्थानीय जीएमसीएच-32 में दाखिल कराया गया है जबकि पड़ोसियों को भी पृथक किया गया है।

गौरतलब है कि विदेश से यह दंपति हाल ही में यहां लौटा था और अब उनके दो सदस्यों में कोरोना संक्रमण **बाकी पेज 8 पर**

18 तक पहुंचा शहर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा

गुरुद्वारे में रुके 225 प्रवासियों के खिलाफ एफआइआर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

मजनू का टीला गुरुद्वारा में रुके 225 प्रवासियों के खिलाफ उत्तरी जिला पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। बुधवार को इस गुरुद्वारे से दो सौ से ज्यादा लोग निकाले गए थे। स्थानीय प्रशासन को सूचना दिए बगैर रुकने के कारण इन प्रवासियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है।

केंद्र सरकार ने देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के मद्देनजर पूरे देश में 21 दिनों के लिए पूर्ण बंदी का एलान किया है। लेकिन इसके बावजूद 28 मार्च के आसपास मजनू का टीला इलाके के एक गुरुद्वारे में कई प्रवासी मौजूद थे। जानकारी मिलते ही प्रशासन में खलबली मच गई। इसके बाद इन सारे प्रवासियों को वहां से निकालकर बगल के एक क्वारंटाइन सेंटर में भेजा गया। अब **बाकी पेज 8 पर**

मरकज मामले में नामजद आरोपियों को नोटिस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

निजामुद्दीन मरकज मामले में पुलिस की अपराध शाखा ने उन सभी सात लोगों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है, जिन्हें इस एफआइआर में नामजद किया गया है। पुलिस ने इन्हें **बाकी पेज 8 पर**

उमर शेख की फांसी सात साल की कैद में तब्दील

कराची, 2 अप्रैल (भाषा)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने 2002 में अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या मामले के मुख्य आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश अलकायदा नेता अहमद उमर सईद शेख की मौत की सजा गुरुवार को सात साल कैद में बदल दी और साथ ही तीन अन्य को मामले में रिहा कर दिया।

'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख 38 वर्षीय पर्ल को 2002 में कराची से अगवा कर लिया गया था और उसके बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। वे पाकिस्तान की जासूसी एजंसी आइएसआइ और आतंकवादी संगठन अल-कायदा **बाकी पेज 8 पर**

2002 में अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या के जुर्म में मिली थी सजा

जूम ऐप का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजंसी ने गुरुवार को लोकप्रिय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप 'जूम' के साइबर जोखिम के बारे में गुरुवार को चेतावनी दी। कोरोना वायरस महामारी के कारण देश में बड़ी संख्या में पेशेवर घर से काम कर रहे हैं और वे इस ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं। एजंसी ने ऑपरेटर और उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए सुरक्षा उपायों को रेखांकित करते हुए एक परामर्श जारी किया।

साइबर हमलों से निपटने वाली राष्ट्रीय एजंसी 'कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ऑफ इंडिया' (सीईआरटी-आइएन) ने कहा कि इस डिजिटल एप्लिकेशन का सुरक्षा उपायों के बिना उपयोग साइबर हमलों की दृष्टि से जोखिम भरा हो सकता है। इससे साइबर अपराधियों द्वारा कार्यालय की संवेदनशील **बाकी पेज 8 पर**

दारूल उलूम देवबंद का फतवा, घरों में नमाज पढ़ना जायज

सुरेंद्र सिंघल
देवबंद (सहारनपुर) 2 अप्रैल।

कोरोना वायरस के देश और दुनिया में फैले संक्रमण को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा देशवासियों से सुरक्षित दूरी बनाए जाने के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए देवबंदी विचारधारा के केंद्र दारूल उलूम देवबंद ने गुरुवार को असाधारण कदम उठाते हुए फतवा जारी किया है।

दारूल उलूम के फतवा विभाग के सभी पांचों मुफ्तियों- हबीबुर्रहमान खैराबादी, महमूद हसन बुलंदशहरी, जैनुल **बाकी पेज 8 पर**

मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने कहा, जुमे की नमाज समेत घर पर नमाज अदा करना जायज, देश के मुसलमान फतवे का पालन करें

दरअसल

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ही बनी एकमात्र सहारा

नाउम्मीदी

जुटने वालों की संख्या 20 या इससे कम निर्धारित

अंत्येष्टि में अपनों तक का नहीं मिल रहा साथ

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के रूप में देश दुनिया में ऐसी महामारी फैली है कि लोग अंतिम समय में अपने परिजनों को अलविदा तक कहने को तरस गए हैं। ऐसे लोग अंत्येष्टि तक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं और कई जगह अंतिम संस्कार के लिए जरूरी सामान की भी किल्लत शुरू हो गई है। दरअसल, इस महामारी को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक मेलजोल से दूर रहने के बारे में कई दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और लोग इनका पालन करने की भी पूरी कोशिश कर रहे हैं।

सामाजिक मेलजोल से दूरी का असर अंत्येष्टि पर भी दिख रहा है जहां दोस्त, रिश्तेदार या यहां तक कि पड़ोसी भी दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाने के लिए चाह कर भी पास नहीं आ रहे हैं। लोग अंत्येष्टि कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हो रहे हैं। वहीं, गांव-देहात में प्रौद्योगिकी से वंचित लोग खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं।

मुंबई के सबसे बड़े कब्रिस्तान की देखरेख करने वाले जुमा मस्जिद ट्रस्ट के न्यासी शोएब खातिब ने कहा कि हर माह बड़ा कब्रिस्तान में करीब 120 शव लाए जाते हैं। खातिब ने कहा, 'हमने ऐसे तीन स्थानों की पहचान की है जहां सिर्फ कोरोना विषाणु से संक्रमित शवों को ही दफनाया जा रहा है। 15 साल तक उस कब्र को कोई नहीं छुएगा।'

अभिनेता संजय सूरी को भी हुई परेशानी

अभिनेता संजय सूरी को भी इन्हीं परेशानियों का सामना करना पड़ा जब उनकी पत्नी की दादी मां का निधन हो गया। सूरी ने ट्विटर पर लिखा, 'जूम के जरिए अंत्येष्टि में शामिल होना बहुत ही अजीब सा था। अजीब वक्त!' सरकार ने अंत्येष्टि में शामिल होने वाले लोगों की संख्या सीमित कर 20 या इससे कम निर्धारित कर दी है। वहीं, एक शहर से दूसरे शहर जाने की भी इजाजत नहीं है। इससे, चीजें और जटिल हो गई हैं। इस परिस्थिति में अपनों को खोने के बाद अपनी भावनाओं पर काबू रख पाने में लोगों को बहुत ही मुश्किल हो रही है।

दिल्ली की पत्रकार रीतिका जैन के 85 वर्षीय दादा का 24 मार्च से शुरू हुए 21 दिनों के पूर्ण बंदी के दौरान गुजरात के पलीताना में निधन हो गया। लेकिन वह उनके अंतिम दर्शन नहीं कर पाई। रीतिका के पिता पूर्ण बंदी लागू होने से पहले मुंबई से भावनगर के लिए आनन-फानन में अंतिम उड़ान से पहुंचे। लेकिन दूर रह रहे परिवार का कोई सदस्य नहीं पहुंच सका और वे लोग जूम मोबाइल ऐप के जरिए अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल हुए। रीतिका ने बताया, 'शाम के वक्त पूरा परिवार जूम पर मिला, मेरे दादा को अंतिम विदाई दी और एक दूसरे का ढांढ़स बंधाया।'

चेन्नई के उपनगर में रहने वाले केसवन (77) को अपनी 94 वर्षीय मां के निधन की सूचना शहर के एक दूर-दराज के कोने में स्थित अपने सहोदर भाई के घर पर मिली। उन्होंने सबसे पहली चिंता यही हुई कि जाएंगे कैसे। उन्होंने बताया कि वह पास का इंतजार किए बगैर घर के लिए रवाना हो गए। चेन्नई निवासी के. वीरराघवन ने कहा, 'कोरोना विषाणु का प्रकोप इस कदर है कि जो लोग इससे पीड़ित नहीं हैं उन्हें भी **बाकी पेज 8 पर**

www.readwhere.com

महाराष्ट्र : 48 घंटे में चार जगह शराब की चोरी

नागपुर, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जारी लॉकडाउन के बीच, शहर में शराब की दुकानों और बीयर बार में पिछले 48 घंटे में चोरी की चार घटनाएं सामने आई हैं। अधिकारी ने बताया कि चोरी की वजह से शराब की दुकानों के पास गश्त बढ़ानी पड़ रही है।

जनसत्ता
क्लासीफाइड
व्यक्तिगत

I Kavneet Singh S/o Sarbjeet Singh Hanspal R/o C-156, Lal Quarters, Minto Road Complex, New Delhi-110002 have changed my name to Kavneet Singh Hanspal for all purposes. 0040536662-1

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

पूर्ण बंदी तोड़ने पर दो साल तक कैद की सजा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

पूर्ण बंदी में सरकार के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वालों को दो साल तक कैद की सजा दी जा सकती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि पूर्ण बंदी का करने वालों और झूठे दावे करने वालों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के संबंधित प्रावधानों के तहत मामले दर्ज होने चाहिए।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि 24 मार्च को जारी पूर्ण बंदी संबंधी कदमों में स्पष्ट उल्लेख है कि 'इन पाबंदी वाले उपायों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर आपदा प्रबंधन कानून, 2005 की धारा 51 से 60 तक के तहत प्रावधानों के तहत और आइपीसी की धारा 188 के तहत कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।' उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्राधिकारों और नागरिकों के संज्ञान के लिए आपदा प्रबंधन कानून और आइपीसी के तहत दंडनीय प्रावधानों का व्यापक प्रसार होना चाहिए और पूर्ण बंदी के कदमों का उल्लंघन करने पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत दर्ज हों मामले, राज्यों को गृह सचिव ने कहा

देश के विभिन्न हिस्सों से बंद के उल्लंघन और कुछ लोगों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों एवं पुलिस से बदसलूकी की खबरों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है। भल्ला ने आपदा प्रबंधन कानून और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्ण बंदी में अवरोध पैदा करने वालों को दो साल तक की कैद हो सकती है और किसी भी मामले में झूठे दावे करने वाले को दो साल तक की कैद तथा जुर्माने की सजा मिल सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि आपदा जैसे हालात में धन या संसाधनों के दुरुपयोग पर भी दो साल तक की कैद की सजा हो सकती है और जुर्माना लग सकता है। गृह सचिव ने मुख्य सचिवों को 31 मार्च को लिखे अपने पत्र का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने गृह मंत्रालय द्वारा आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत जारी लॉकडाउन के उपायों का बिना किसी छूट के कड़ाई से पालन करने को कहा था।

श्रीनगर में गुरुवार को एक अस्पताल में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए रासायन युक्त छिड़काव के बीच गुजरता आगंतुक।

दिहाड़ी कामगारों की मदद के लिए फिल्म जगत एकजुट

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन प्रोड्यूसर्स काउंसिल (आइएफटीपीसी) और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लायॉइज (एफडब्ल्यूआइसीई) ने गुरुवार को एलान किया कि वे फिल्मउद्योग में उन दिहाड़ी कामगारों को वित्तीय मदद मुहैया कराएंगे जो देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) के कारण प्रभावित हुए हैं।

कोरोना से मृत मुसलिम को कब्रिस्तान ने दफनाने से मना किया, जलाया गया

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र में कोरोना के संक्रमण की वजह से मृत 65 वर्षीय एक मुसलिम व्यक्ति के परिजनों ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उपनगर मलाड में कब्रिस्तान के न्यासियों द्वारा शव दफनाने से मना करने के बाद उसे जलाना पड़ा। यह घटना बुधवार की है। संक्रमित व्यक्ति मालवाणी के कलेक्टर परिसर में रहता था और जोगेश्वरी स्थित बीएमसी के अस्पताल में बुधवार तड़के उसकी मौत हुई थी।

मृतक के परिवार के सदस्य ने आरोप लगाया कि शव को मलाड के मालवाणी कब्रिस्तान ले जाया गया लेकिन न्यासियों ने यह कह कर शव को दफनाने से इनकार कर दिया कि मृतक कोरोना वायरस से संक्रमित था। उन्होंने कहा, 'यह तब किया गया जब महानगर पालिका ने सुबह चार बजे शव को दफनाने की अनुमति दी थी।' परिवार के सदस्य ने बताया कि स्थानीय पुलिस और एक स्थानीय नेता ने हस्तक्षेप की कोशिश की और न्यासियों से शव दफनाने की अनुमति देने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने।

उन्होंने बताया कि इसके बाद कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप किया और नजदीक स्थित हिंदू शमशान भूमि में शव को जलाने का अनुरोध किया। परिवार की सहमति से अंततः सुबह दस बजे शव को जलाया गया।

महाराष्ट्र के मंत्री और मालवाणी से विधायक असलम शेख ने बताया कि सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार कोरोना संक्रमित मृतक के शव को उस स्थान के नजदीक स्थित कब्रिस्तान में दफनाया जाना चाहिए, जहां पीड़ित का निधन हुआ हो। उन्होंने कहा, 'लेकिन इस मामले में परिवार के लोग मृतक का शव कब्रिस्तान के न्यासियों सहित किसी को बताए बिना सीधे मलाड मालवाणी कब्रिस्तान ले गए और उसे दफनाने की मांग करने लगे।' शेख ने कहा, 'महानगर पालिका कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्होंने शव को दिशानिर्देश के बावजूद ले जाने दिया।' उन्होंने कहा कि इससे एक दिन पहले ही एक और कोरोना वायरस संक्रमित मृतक को उस कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

समाजवादी पार्टी की स्थानीय पार्षद रुखसाना सिद्दीकी ने कहा, 'जब महानगर पालिका के कर्मचारी जानते थे कि दिशानिर्देश के अनुसार कोरोना संक्रमण से मरने वाले व्यक्ति को नजदीकी कब्रिस्तान में

तीसरी कक्षा की छात्रा ने तोड़ी गुल्लक

आइजोल, 2 अप्रैल (भाषा)।

कहते हैं कि दुनिया में इंसानियत सबसे बड़ी चीज होती है और इस बात को नौ वर्षीय एक बच्ची और एक महिला ने सही साबित किया है। इन दोनों ने दिखाया कि कोरोना वायरस से बीमार और मरने वालों के लिए उनका दिल धड़कता है।

आइजोल में फेथ अकादमी की कक्षा तीन की छात्रा जोरितलुआंगी और एक निराश्रित विधवा मेलोकी में एक बात सामान्य है कि इन दोनों के दिल बहुत बड़े हैं। जोरितलुआंगी ने जानलेवा कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में मदद और 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की सहायता के लिए अपनी पूरी बचत 1,107 रुपए लुआंग्मुल स्थानीय स्तर के कार्यबल को दान कर दी है।

The Indian EXPRESS
Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)
Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST
PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, PREET VIHAR : AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, SHAKARPUR : PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST
JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, KAROL BAGH (REGHARPURA) : K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, KARAMPURA : GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, NEW MOTI NAGAR : MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, MOTI NAGAR : UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, RAMESH NAGAR : POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, TILAK NAGAR : SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, VIKAS PURI : AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL
CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, CONNAUGHT PLACE : HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH
TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 KINGWAY CAMP : SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) : MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) : PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH
CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, KALKAJI : ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, MALVIYA NAGAR : POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, YUSUF SARAI : TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR
FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) : PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, FARIDABAD : SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, GURGAON : SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, GURGAON : AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, NOIDA (SEC. 29) : RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, NOIDA (SEC. 65) : SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, NOIDA (SEC. 58) : JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) : TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)
FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :
ROHIT JOSHI 9818505947, ABHINAV GUPTA 9910035901
For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

केरल : शराब के लिए विशेष पास जारी करने के आदेश पर अदालती रोक

कोच्चि, 2 अप्रैल (भाषा)।

केरल हाई कोर्ट ने नशे के आदी लोगों को शराब खरीदने के लिए विशेष पास जारी करने के राज्य सरकार के आदेश पर तीन हफ्ते के लिए रोक लगा दी है।

अदालत ने कहा, 'यह निराशाजनक है... यह आपदा को न्योतने का तरीका है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वह साबित कर सकते हैं कि नशे की लत का इलाज शराब से ही सकता है।' केरल सरकार चिकित्सा अधिकारी संघ (केजीएमओए) समेत विभिन्न पक्षों की ओर से दायर याचिका पर स्थगन आदेश जारी करते हुए न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नंबियार और न्यायमूर्ति शाजी पी चाली के पीठ ने सरकार को इस मामले में एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा।

चिकित्सकों के संघ की आपत्ति के बावजूद सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में शराब के लती लोगों को लॉकडाउन (बंद) के दौरान शराब मुहैया कराने का आदेश दिया था। सरकार ने आदेश में कहा था कि बंद और शराब की दुकानें नहीं खुलने से नशे के लती लोगों के आत्महत्या करने और अवसाद का शिकार होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके मद्देनजर यह फैसला लिया गया है।

पीठ ने सरकार के इस आदेश पर चिंता जताते हुए कहा कि चिकित्सा से जुड़े किसी दस्तावेज में शराब की लत के शिकार व्यक्ति के इलाज के लिए अल्कोहल को उपचार के तौर पर सुझाया गया है।

युद्धपोत और लड़ाकू विमान सतर्क

नौसेना की गोदी ने विकसित किया किफायती और छोटा तापमापी सेंसर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

देश में कोरोना का खतरा बढ़ने के बाद भारतीय सेनाएं सतर्क हैं। कोरोना से जंग की नाजुक स्थिति करीब आने पर चिकित्सा से जुड़े साजो-सामान लाने-ले जाने के लिए वायुसेना की लड़ाकू विमानों का बेड़ा तैयार किया है। दूसरी ओर, नौ सेना ने दो युद्धपोत को सतर्क कर दिया है। सेना के 8,500 डॉक्टर भी किसी प्रकार की आपात स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोरोना से जुड़ी सेना के तीनों अंगों की तैयारियों का जायजा लिया।

दूसरी ओर, लोगों की नियमित जांच करने के उद्देश्य से मुंबई में नौसेना की गोदी ने कम कीमत का एक छोटा तापमापी सेंसर विकसित किया है। दक्षिण मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान और करीब 285 साल पुरानी नौसेना की गोदी (नेवल डॉकयार्ड) में हर दिन करीब 20 हजार लोग प्रवेश करते हैं। सभी कर्मचारियों की जांच के लिए इंफ्रारेड प्रौद्योगिकी पर आधारित सेंसर तैयार किए गए हैं। इन सेंसर को बनाने में केवल 1,000 रुपए का खर्च आया। इस उपकरण में एक इंफ्रारेड सेंसर, एक एलईडी डिस्प्ले और एक माइक्रो कंट्रोलर लगाया गया है, जो नौ वोल्ट की बैटरी से चलता है।

सेना ने 8,500 डॉक्टर और सपोर्ट स्टाफ को नागरिक प्रशासन को मदद के लिए तैयार रखा है। सेना ने सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मियों को भी मदद के लिए तैयार रहने को कहा है। इसके अलावा एनसीसी के 25,000 कैडेट्स को नागरिक प्रशासन की मदद के लिए तैयार किया जा रहा है।

सेना ने 8,500 डॉक्टर और सपोर्ट स्टाफ को नागरिक प्रशासन को मदद के लिए तैयार रखा है। सेना सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मियों को भी मदद के लिए तैयार रहने को कहा है। इसके अलावा एनसीसी के 25,000 कैडेट्स को नागरिक प्रशासन की मदद के लिए तैयार किया जा रहा है। वायुसेना को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर और नगालैंड में मेडिकल सप्लाइ पहुंचाने के लिए सतर्क रखा गया है। वायुसेना के विमानों ने पिछले तीन दिनों में 25 टन सामग्री को गंतव्य तक पहुंचाया है। वायुसेना ने सी-17 हेवी लिफ्टर, अंठ-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और सी-130 स्पेशल ऑपरेशन एअरक्रॉफ्ट को भी तैयार रखा गया है।

वायुसेना और नौसेना ने छोटे डॉनियर विमान को भी आपूर्ति के मोर्चे पर लगा रखा है। वायुसेना के प्रवक्ता ने कहा कि पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (पीपीई), हैंड सेनेटाइजर्स, सर्जिकल गलब्स, थर्मल स्कैनर और स्वास्थ्यकर्मियों को एक-जगह से दूसरे जगह पहुंचाया जा रहा है। नौसेना ने अपने दो युद्धपोत तैयार रखे हैं, ताकि तटीय इलाकों में जरूरी पड़ने पर बड़े पैमाने पर सामान की आपूर्ति की जा सके। दो युद्धपोतों को पड़ोसी देशों की मदद के लिए पहले से ही तैयार रखा गया है।

कोरोना से डर कर एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

सहारनपुर, 2 अप्रैल (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में बुधवार रात एक सरकारी कर्मचारी ने कोरोना वायरस की दहशत के चलते आत्महत्या कर ली। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उसने कोरोना के डर से जान देने की बात कही है।

एस पी देहात विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि जिले के थाना नकुड के अंतर्गत गन्ना विकास परिषद कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत 38 वर्षीय आदेश सैनी ने बुधवार देर रात गले में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। मिश्रा ने बताया कि रोजाना गन्ना विकास परिषद का कार्यालय सांय पांच बजे बंद हो जाता था लेकिन बुधवार रात नौ बजे तक जब कार्यालय खुला नजर आया, तो पास के लोग गन्ना कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कमरे में लिपिक आदेश सैनी को फंदे से झूलता पाया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा है कि वह कोरोना से डर रहा है इसलिए इस दुनिया से जा रहा है। उन्होंने बताया कि नोट में यह भी लिखा है कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है कोरोना के डर से उसने अपनी जान दी है। मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तमिलनाडु : निःशुल्क राशन के लिए दुकानों पर उमड़े लोग

चेन्नई, 2 अप्रैल (भाषा)।

तमिलनाडु में लोग एक हजार रुपए की नकद सहायता और निःशुल्क चावल और खाद्य तेल जैसा जरूरी सामान लेने के लिए गुरुवार को उचित मूल्य की राशन दुकानों पर उमड़ पड़े। दूसरी ओर इस दौरान प्रशासन ने लाभार्थियों को पहले से ही टोकन बांटकर सामाजिक दूरी का नियम अमल में लाने की पूरी कोशिश की।

मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने 24 मार्च को 3,280 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की थी। इसमें चावल राशन कार्डधारकों के लिए नकद तथा सभी श्रेणी के कार्डधारकों को अप्रैल में निःशुल्क चावल, दाल, गेहूं तथा चीनी जैसी जरूरी चीजें देना शामिल हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को इन चीजों का वितरण शुरू किया। प्रशासन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों के सामने गोल घेरा बना कर सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने की कोशिश की तथा महिलाओं एवं पुरुषों की कतारें अलग अलग लगवाईं।

बंदी से अर्थव्यवस्था को रोजाना 4.64 अरब डॉलर का नुकसान : एक्यूट रेटिंग्स

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

देश भर में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए जारी 'लॉकडाउन' (बंद) से उड़ान, परिवहन के अन्य साधन समेत आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह ठप हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को रोजाना करीब 4.64 अरब डॉलर का तथा पूरे 21 दिन में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) को 98 अरब डॉलर का नुकसान होगा। रेटिंग एजंसी एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने गुरुवार को यह कहा।

कोरोना से वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत में इसके कारण मार्च के शुरू से ही आंशिक बंद की स्थिति थी और 25 मार्च से इसमें पूर्ण बंद की घोषणा की गई। साख निर्धारण एजंसी ने एक बयान में कहा, 'देशव्यापी बंद 15 अप्रैल से समाप्त होगा। लेकिन महामारी के तेजी से फैलने पर आर्थिक गतिविधियों के लंबे समय तक प्रभावित रहने का खतरा है।' मौजूदा संकट के दुनिया के साथ ही भारत में गंभीर आर्थिक परिणाम होंगे।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए मंदी की आशंका जता चुका है।

एक्यूट रेटिंग्स के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में 5-6 फीसद की गिरावट की आशंका है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भी वृद्धि अगर होगी भी तो बहुत हल्की होगी। रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में आर्थिक वृद्धि दर दो से तीन फीसद ही रहेगी।

काम पूरा करने के लिए इटली में रुके तीन भारतीय

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

यूरोप में महामारी के केंद्र बने इटली से वापस आने के बजाय तीन भारतीयों ने अपना काम पूरा करने के लिए वहीं रहने का फैसला किया है। इनमें से एक छात्र डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी करने, दूसरा कोरोना वायरस संबंधी शोध करने और तीसरा यह देखने के लिए है कि दुनिया में स्वास्थ्य सेवा के मामले पर दूसरे स्थान पर यह देश महामारी से निपटने के लिए कैसे काम कर रहा है। ये तीनों छात्र असम के रहने वाले हैं और करीब चार साल से इटली में हैं। ये उन गिने चुने भारतीयों में हैं जिन्होंने वापस लाने की भारत सरकार की व्यवस्था के बावजूद इटली में ही रहने का फैसला किया।

भारत ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए, 24 मार्च को लॉकडाउन की घोषणा की और उसी दिन प्रवीण उपाध्याय को ऑनलाइन डॉक्टरेट की उपाधि मिली। जैव विज्ञानी उपाध्याय ने मध्य इटली के अब्रूजो क्षेत्र स्थित ग्रैब्रियल डी एन्नुनजियो विश्वविद्यालय से न्यूरोसाइंसेज एंड इमेजिंग में यह उपाधि प्राप्त की है।

चैती से उपाध्याय ने बताया, 'मैंने अतिरिक्त उपाधि 'पीएचडी यूरोपियस' के साथ डॉक्टरेट की है और मुझे शानदार का ग्रेड मिला है। इस समय में अतिरिक्त शोध के लिए डॉक्टरेट की बाद की पढ़ाई के बारे में सोच रहा हूं।' असम के तिनसुकिया जिले के रहने वाले और 20 दिनों से घर में पृथक रह रहे उपाध्याय ने कहा, 'जब भारत जाने के लिए उड़ान की व्यवस्था की गई तब पीएचडी की उपाधि के लिए मेरे पास कुछ काम था। इसलिए मैंने इसे पूरा करने के लिए यहीं रहने का फैसला किया।'

उपाध्याय के साथ यहीं रहने का फैसला करने वाले आकाश दीप बिस्वास को भी घर नहीं जाने का कोई मलाल नहीं है। तेजपुर के रहने वाले बिस्वास पीएचडी शोधार्थी हैं। बिस्वास मौजूदा समय में उस मॉल्यूकुल को खोजने का प्रयास कर रहे हैं जो कोरोना वायरस-2 के प्रभाव को बाधित कर सकता है।

सिलचर के रहने वाले प्रोमित चौधरी भी मिलान स्थित एक संस्था से परास्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। इटली आने से पहले उन्होंने दो साल तक महिंद्रा एंड महिंद्रा में काम किया था। उन्होंने कहा, 'मौजूदा समय में मैं मेक्सिको की एक कंपनी में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर काम कर रहा हूं और यूरोप में कंपनी के परिचालन का काम देख रहा हूं।'

www.readwhere.com

ऑटो-टैक्सी, ई-रिक्शा चालकों के लिए दिल्ली सरकार की पेशकश

चालकों को मिलेगी पांच हजार की सहायता

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

दिल्ली सरकार श्रमिकों के बाद अब ऑटो, टैक्सी व ई-रिक्शा समेत अन्य वाहन चालकों को भी आर्थिक मदद देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेसवार्ता में बताया कि इन चालकों को भी पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ दिनों से ऑटो-टैक्सी वालों के फोन आ रहे हैं कि हम भुखमरी के कगार पर हैं। बंद की वजह से उनकी रोजी रोटी बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में किसी को भी भुखमरी के लिए नहीं छोड़ूंगा। ऑटो, टैक्सी, ई रिक्शा वालों की मदद के लिए योजना बना रहे हैं। इनके नंबर नहीं हैं, इसके लिए सोच रहे हैं कि कैसे व्यवस्था करें। ये सब करके सबके खाते में 5-5 हजार रुपए डाले जाएंगे। इसमें करीब 10 दिन लग सकते हैं।

खाना लेने के लिए कतार में खड़े लोग।

ऑटो यूनियन ने फैसले का किया स्वागत

दिल्ली सरकार द्वारा चालकों को आर्थिक मदद देने का ऑटो यूनियन ने स्वागत किया है। यूनियन के नेता किशन वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, सात से 10 दिनों के भीतर ऑटो, टैक्सी, ई-रिक्शा, ग्रामीण सेवा चलाने वालों के खाते में 5-5 हजार रुपए भेजे जाएंगे। संगठन की पुरजोर मांग को देखते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री को संगठन की तरफ से दिल की गहराइयों से धन्यवाद है। आपदा स्थिति को मद्देनजर रखते हुए कम से कम आर्थिक तौर पर सहायता देने की घोषणा अच्छी कोशिश है।

संगठन इसमें एक सुझाव देना चाहता है कि लाइसेंसिंग अथॉरिटी में चालकों का लाइसेंस बैच फोन के साथ जुड़ा है। उसके जरिए या फिर ऑटो टैक्सी यूनिट बुराड़ी में सरकारी फाइलों में लाइसेंस बैच के साथ आधार कार्ड के जरिए मदद पहुंचाने का कार्य किया जा सकता है। तो वहीं, दिल्ली टैक्सी, टूरिस्ट ट्रांसपोर्टरस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के ऑटो टैक्सी चलाने वालों और टैक्सी बस चालकों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी से भी उम्मीद है कि की वे इस दुख की घड़ी मे दिल्ली के क्या समस्त भारत के आटो टैक्सी वालों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स की भी मदद करेंगे ताकि पर्यटन उद्योग को बचाया जा सके।

'हर दिन छह लाख लोग कर रहे हैं सुबह-शाम भोजन'

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि हर दिन दिल्ली भर में छह लाख से अधिक लोग सरकारी केंद्र पर खाना खा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को कल 6,00,208 लोगों ने दोपहर का खाना खाया है जबकि 595760 लोगों ने रात में खाना खाया है। सरकार ने खाने का बंदोबस्त बढ़ा दिया है अगर 10 लाख लोग भी सुबह शाम खाना खाना चाहें तो खा सकते हैं, किसी से सरकार कुछ नहीं पूछेगी। अब कोई भी खाली पेट नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति का बयान आया था कि हो सकता है कि बंद की वजह से एक लाख से ढाई लाख लोगों की जान चली जाए, इसीलिए विनती है कि बंद रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने विदुर-युधिष्ठिर की कहानी सुनाकर लोगों से अपील कि हर हालत में घर में ही रहें। उन्होंने कहा कि इस रामनवमी को प्रण लें कि जब तक बंद है। आपके पड़ोस में कोई भूखा नहीं रहेगा।

हर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री राहत कोष में करेगा सौ रुपए का अंशदान : जाजू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए भाजपा का हर कार्यकर्ता प्रधानमंत्री राहत कोष में 100 रुपए का अंशदान करेगा। दिल्ली प्रभारी श्याम जाजू ने कहा कि इससे कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में सभी जरूरतमंदों तक खाने की सामग्री एवं आवश्यक मदद पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह भी कोरोना के खतरे से निपटने में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों में मदद करे। इस कड़ी में कम से कम 10 अन्य लोगों को भी जोड़ें।

> जाजू, इससे सभी जरूरतमंदों तक खाने की सामग्री पहुंचाई जा सकेगी

संक्रमण के मद्देनजर गुरुवार को भाजपा, सांसदों, विधायकों, पार्टी पदाधिकारियों एवं पार्षदों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बैठक हुई। बैठक को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी व प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन ने संबोधित किया। भाजपा ने जरूरत मंदों तक खाना पहुंचाने की एक पहल भी शुरू की है। इसके लिए प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल व उपाध्यक्ष राजीव बब्बर को प्रभारी बनाया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से दिल्ली के कुल 4, 10, 563 लोगों तक खाद्य सामग्री एवं भोजन पहुंचाया जा चुका है।

जमातियों से जिम्मेदार नागरिक के तौर पर प्रशासन की मदद करने की अपील

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

तबलीगी जमात ने गुरुवार को निजामुद्दीन मरकज में शिरकत करने वाले जमातियों से अपील की कि वे जिम्मेदार नागरिक के तौर पर प्रशासन की मदद करें। तबलीगी जमात के प्रमुख मौलाना मोहम्मद साद के वकील मुशर्रफ अली खान ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में तबलीगी जमात में हिस्सा लेने वाले लोगों को आगे आकर सरकार और अधिकारियों को अपने बारे में बताना चाहिए।

जमात ने कोविड-19 के खिलाफ जंग में सरकार का पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है। डॉक्टरों और सरकार की सलाह मानने की भी अपील की गई है। मरकज ने अपने जामातियों से यह भी कहा-हमें भीड़ से बचना चाहिए। आप जहां हैं वहां खुद को पृथक कर लें। माना जा रहा है कि साद दिल्ली में ही किसी अज्ञात स्थान पर छिपे हुए हैं। दावा यहां तक है कि डॉक्टरों की सलाह पर दिल्ली में ही कहीं पृथक हैं।

नारायण मूर्ति ने भी की मदद

श्रमिकों और दिहाड़ी मजदूरों को भोजन और खाद्य सामग्री किट मुहैया कराने के लिए नारायण मूर्ति व उनके परिवार ने दस करोड़ रुपए दान दिए हैं। यह सहायता अक्षय पात्र के राहत अभियान के जरिए खर्च होगी। अक्षय पात्र की अध्यक्ष मधु पंडित दास के मुताबिक इससे खाद्य सामग्री किट मुहैया कराने के अभियान को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से अपनी आजीविका गंवा चुके लोग समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

'भ्रामक समाचारों पर रखें नजर'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कोरोना संक्रमण के बीच आम जनता को भ्रामक समाचारों से बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव विजय देव ने संबंधित विभागों को इस बाबत आदेश जारी किया। मुख्य सचिव ने आदेशों में सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिंट मीडिया की गतिविधि पर नजर रखने को कहा है।

अफवाहों को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों को आदेश जारी करने के लिए कहा था। इसके बाद दिल्ली सरकार आगे आई है। इन आदेशों की प्रति राजनिवास, पुलिस आयुक्त कार्यालय व संबंधित विभागों के सचिवों को भेजी गई है।

मरकज के आसपास दमकल और ड्रोन से किया गया छिड़काव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

निजामुद्दीन और उसके आसपास के क्षेत्रों को विषाणुरहित और सफाई के लिए बड़ी कार्रवाई की गई। गुरुवार को इस कोरोना प्रभावित क्षेत्र में ड्रोन और दमकल वाहनों द्वारा मरकज की भवन के ऊपर और आसपास की जगहों पर सोडियम हाइपोक्लोराइड सोल्यूशन का छिड़काव किया गया।

जनस्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम द्वारा मरकज भवन खाली होने के बाद इस भवन के आठों तल और बेसमेंट को साफ किया गया। सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी सुरक्षा के लिए सुरक्षा सूट, मास्क, दस्ताने आदि पहन कर पूरी सावधानी से कार्य किया। समूचे क्षेत्र को विषाणुरहित करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए 40 स्वास्थ्यकर्मचारियों की टीमों द्वारा क्षेत्र की संकुचित गलियों और सड़कों पर नैपसैक पंपों द्वारा सोडियम हापोक्लोराइड सोल्यूशन का छिड़काव किया जा रहा है।

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में फ्लू क्लीनिक की शुरुआत

शिकायत : नहीं है मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

राजधानी के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में फिलहाल तो कोरोना के मरीज नहीं रखे गए हैं, लेकिन अस्पताल में फ्लू क्लीनिक शुरू किया गया है। यहां सर्दी, जुकाम और बुखार के मरीजों को तो देखा जा रहा है लेकिन उनकी जांच या उन्हें भर्ती करने की यहां कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

यहां आने वाले ऐसे सभी मरीजों को जिनको कि कोरोना होने का अंदेशा लगता है उन्हें सीधे लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल या जीटीबी ही भेज दिया जाता है। यहां इलाज कराने आई मरीज जसवंती (बदला नाम) ने कहा कि उनको दो दिन से बुखार व गले में खराश है। दूसरे अस्पताल जाने के लिए साधन नहीं था तो नजदीक के इसी अस्पताल में आ गए। सोचा था कि जांच करा लें कहीं कोरोना तो नहीं लेकिन यहां तो जांच नही कर रहे हैं, हां शुरूआती लक्षण के आधार पर दवा दे रहे हैं।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सभी अस्पतालों में कोरोना नहीं पहुंच जाए इसलिए जांच यहां नहीं कर सकते। पता नहीं कि किसका बुखार कैसा है। इसलिए जिनको जांच करानी है उनको अधिकृत अस्पताल में ही भेजा जा रहा है। हालांकि एहतियातन अस्पताल के वार्ड ब्लाक में दूसरी मंजिल पर स्थित वार्ड को खाली करा लिया गया है। इसे कोरोना वार्ड के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। अगर दिल्ली में मामले ज्यादा बढ़े तब इस अस्पताल में भी मरीज भर्ती किए जाएंगे। यहां अभी मरीज भर्ती करने की जरूरत नहीं हैं। स्क्रीनिंग के लिए फ्लू क्लीनिक खोल दिए गए हैं। ताकि फ्लू के मरीज बाहर से आएं व बाहर से ही इस क्लीनिक में पहुंचे व दिखा कर चले जाएं ताकि दूसरे मरीजों के बीच संक्रमण न पहुंचे।

डीयू शिक्षकों के फेसबुक पोस्ट पर कुलपति को अल्पसंख्यक आयोग का नोटिस

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने एक समुदाय के खिलाफ दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों के कथित नफरत वाले संदेशों पर कुलपति योगेश त्यागी को नोटिस थमाया है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की ओर से नोटिस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। आयोग के चेयरमैन जफरूल इस्लाम खान ने कहा कि डीयू के कुछ शिक्षकों की ओर से उनके फेसबुक पेजों पर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत वाले संदेश डालने को लेकर उन्हें नोटिस जारी किया गया। आयोग ने अपने नोटिस में कहा-हमें यह बहुत निराशाजनक लगता है कि आपके जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में ऐसे तत्व पढ़ा रहे हैं। आयोग ने कुलपति से फेसबुक पोस्टों की जांच के लिए जांच समिति का गठन करने और शिक्षकों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है। कुलपति को एक महीने में जवाब देने और इस मामले में की गयी कार्रवाई पर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

पुलिस आयुक्त को स्वास्थ्य विभाग ने दी शिकायत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

दिल्ली सरकार ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर पृथक केंद्र पर जरूरी पुलिस बल तैनात करने की सिफारिश की है। मरकज से निकाले गए लोगों के खराब व्यवहार के कारण यह फैसला लिया गया है। यह पत्र स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने लिखा है। इसमें नरेला, राजीव गांधी अस्पताल की घटनाओं का जिक्र किया गया है और सुरक्षा बंदोबस्त कड़े करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त दिल्ली वालों को जागरूक करने के लिए सरकार में एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया। इस नंबर पर लोगों को संक्रमण से बचाव व अन्य जानकारियां की जाएगी। यह दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग का चैटिंग नंबर है। कोई भी व्यक्ति मोबाइल नंबर 91 8800007722 पर ये जानकारियां ले सकता है।

सवाल भूख का — कोरोना संक्रमण से बचने की लक्ष्मण रेखा टूटी

मुफ्त राशन योजना : साइबर कैफे पर पंजीकरण के लिए लगी भीड़

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

दिल्ली बंद के बाद अब तक केवल राशन की दुकानों पर ही लंबी-लंबी कतारें नजर आ रही थीं। अब साइबर कैफे पर भी राशन दुकानों जैसी भीड़ है। लोग मुफ्त राशन योजना का लाभ लेने के लिए घर की लक्ष्मण रेखा को तोड़ रहे हैं। और कोरोना संक्रमण के खतरे को बढ़ा रहे हैं। इन लोगों से साइबर कैफे के जरिए 100 से 200 रुपए की वसूली की जा रही है।

बंद की वजह से दिल्ली सरकार गरीब परिवारों को राशन की दुकानों पर मासिक राशन मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को ही बिना राशन कार्ड वाले धारकों के लिए भी मुफ्त राशन सुविधा की घोषणा की थी। इसके बाद भजनपुरा के एक साइबर कैफे में लोगों की लंबी-लंबी कतार लग गई। ये सभी वे लोग थे जो कैफे पर अपना पंजीयन कराने के लिए पहुंचे थे। एक ग्राहक विनोद कुमार ने बताया कि इस केंद्र पर वे पिछले तीन घंटे से लाइन में हैं। वे अपना राशन का फार्म भरवाने आए हैं ताकि उनको भी राशन मिल सके। अब तक उनके पास राशन कार्ड नहीं था और ऑनलाइन भरना उनको नहीं आता। इसलिए कैफे आया था। यहां भी सुबह से भारी भीड़ है। एक छोटी सी सिलाई की दुकान है। अब तक कुछ खर्च आ जाता था। लेकिन बंद की वजह से वह भी नहीं खुल रही है। यहां फार्म भरने के लिए 200 रुपए ले रहे हैं। पंजीयन होने के बाद कम से कम राशन मिलना शुरू होगा।

दिल्ली सरकार का भी अनुमान है कि बिना राशन वाले दिल्ली में करीब 10 लाख परिवार होंगे। लेकिन सरकार इन परिवारों को सूचीबद्ध होने पर ही राशन दे सकती है। अभी दिल्ली में 71 लाख राशन कार्ड धारक हैं, इन्हें ही सरकार राशन दे रही थी। पंजीयन के बाद ये लोग भी राशन के हकदार होंगे। जिनके राशन कार्ड हैं उनको प्रति व्यक्ति साढ़े सात किलो राशन बांटना शुरू हो गया है।

साइबर कैफे के बाहर अपनी बारी का इंतजार करते लोग।

लेनी पड़ रही है होमगार्ड व पुलिस की मदद

राशन की दुकानों पर लंबी कतारें सुबह सवेरे से ही लगनी शुरू हो जा रही हैं। सुबह 10 बजे खुलने वाली दुकानों के बाहर लोग सुबह सात बजे ही पहुंच रहे हैं। ये असर गांमड़ी गांव, गोकुलपुरी, भजनपुरा व नत्थू कॉलोनी की दुकानों में देखने को मिला। हालांकि इन दुकानों पर सिविल डिफेंस व पुलिस के कर्मचारी भी नजर आए। लेकिन भीड़ अधिक होने की वजह से दुकानों पर इंतजाम कम नजर आए। हालांकि मुख्यमंत्री पहले ही यह घोषणा कर चुके हैं कि राशन की कोई कमी नहीं है लेकिन जिस भीड़ से बचने की कोशिश सरकार कर रही है वह कम होती नजर नहीं आ रही है।

जानकारी नहीं होने से बढ़ रही भीड़

राशन के पंजीयन के लिए ऑनलाइन सेवा उपलब्ध है। जनता आसानी से जिला कार्यालय की वेबसाइट पर जाकर वहां राशन के लिए पंजीकरण कर सकती है। इसका प्रयोग ही साइबर कैफे कर रहे हैं। ऑनलाइन जाने के बाद सबसे पहले परिवार के मुखिया का नाम और भी परिवार के सदस्यों की जानकारी देनी होगी। इसके साथ मुखिया के दो फोटो, आवास के पते का प्रणाम, आयु का प्रणाम व आय प्रमाण देना होगा।

www.readwhere.com

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	31.0 डि.से.	31.0 डि.से.	31.0 डि.से.	31.5 डि.से.
न्यूनतम	18.4 डि.से.	18.4 डि.से.	18.0 डि.से.	18.4 डि.से.

छत पर पढ़ी नमाज, वीडियो वायरल होने के बाद मामला दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 2 अप्रैल।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया। जिसमें कुछ लोग छत पर नमाज पढ़ते हुए नजर आ रहे थे। पुलिस जांच में पता चला कि वीडियो सेक्टर-16 की झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनी का है। पुलिस ने धारा 144 और पूर्णबंदी का उल्लंघन करने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार शाम करीब छह बजे एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में करीब एक दर्जन लोग एकत्रित होकर छत पर नमाज पढ़ते हुए दिख रहे थे। वीडियो नोएडा का बताया गया। जांच में वीडियो थाना सेक्टर-20 इलाके के सेक्टर-16 स्थित जेजे कालोनी का पाया गया। जांच में पता चला कि यहां रहने वाले सादिक की अगुआई में बुधवार शाम करीब चार बजे एक दर्जन लोगों ने घर की छत पर नमाज पढ़ी थी। पुलिस ने सादिक, जहांगीर, सालिक, साकिब, गुड्डू, नूर हसन, रजी आलम, तबरुख, छोटू, शमशेर, अफरोज और फिरोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सादिक को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य नामजद आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

एक ही परिवार के हैं सभी लोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सभी एक ही परिवार के लोग हैं। वे सभी घर की छत पर नमाज पढ़ रहे थे। किसी ने नमाज पढ़ते हुए इनका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। आरोपियों में जहांगीर मुख्य आरोपी सादिक के पिता हैं, जबकि सालिक, साकिब और गुड्डू मुख्य आरोपी के भाई हैं। इसी तरह शमशेर, अफरोज और फिरोज भी सगे भाई हैं।

पुलिस ने किया पैदल मार्च, लोगों से घर पर रहने की अपील

पूर्णबंदी के बीच थाना फेस थ्री पुलिस ने गुरुवार को इलाके में पैदल मार्च किया। पुलिस ने लोगों को घर से बाहर न निकलने की अपील की। पुलिस ने लोगों से कहा कि उन्हें जब भी किसी चीज की जरूरत पड़े तो सूचना दें। पुलिस उनकी हर संभव मदद करेगी। एसएचओ अमित सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में लोग घर में हैं। पुलिस सभी से घर से बाहर नहीं निकलने की अपील कर रही है।

झुग्गियों में भोजन व मास्क वितरित किए गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

गर्ग ने आटा, चावल, चीनी, चाय-पत्ती, दाल आदि आवश्यक भोजन सामग्री वितरित की

भाजपा नेता सतीश गर्ग ने भी अशोक विहार वजीरपुर की झुग्गियों व सड़क मार्ग पर जा रहे राहगीरों को भोजन व मास्क वितरित किया।

गर्ग ने गरीब परिवारों को 25 किलो का एक पैकेट जिसमें आटा, चावल, चीनी, चाय-पत्ती, दाल आदि आवश्यक भोजन सामग्री से भरी किट वितरीत किए। गर्ग ने दिल्ली के संपन्न लोगों व व्यापारियों से अपील की कि वे भूखे लोगों को भोजन की व्यवस्था करे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली किसी को भी भूखा नहीं सोने देगी। संपन्न लोग नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ करेंगे। आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेज 2 के प्रचार प्रमुख प्रवीण कुमार सिंह भी जरूरतमंदों के लिए लंगर, खाद्य सामाग्री कीट आदि उपलब्ध कराए।

44 क्लस्टर बसों के चालकों और परिचालकों पर प्राथमिकी दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

पूर्णबंदी के दौरान लोगों दिल्ली ट्रांजिट की क्लस्टर बसों के 44 चालकों और परिचालकों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामला इस बाबत दर्ज किया गया है कि पूर्णबंदी के दौरान बसों ने लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया। इसके अलावा डीटीसी के गाजीपुर डिपो के प्रबंधक को अधिक किराया वसूलने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ड्राइवर और परिचालकों का कहना, उनको मिले थे आदेश

दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से आनंद विहार बस अड्डा तक सवारी ढोने के आरोप में इन 44 बसों के ड्राइवर और परिचालक के खिलाफ शकरपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है। बीते शनिवार को इन ड्राइवरों ने दिल्ली के बदरपुर, वसंत विहार, हरीनगर, आनंद पर्वत, उत्तमनगर, मंगोलपुरी, मुनिरका और पंजाबी बाग समेत अलग-अलग इलाकों से सवारी लाने का काम किया। इन बसों से भारी संख्या में लोग आनंद विहार बस अड्डा पहुंचे थे। इस बारे में बस ड्राइवर और परिचालक का कहना है कि उन्हें ऊपर से आदेश मिला था जिसके बाद उन्होंने इन लोगों को अलग-अलग ठिकाने पर पहुंचाने का काम किया था।

गाजीपुर डिपो के प्रबंधक निलंबित

पूर्णबंदी के दौरान यात्रियों से अधिक किराया वसूलने के मामले में डीटीसी ने कर्रवाई करते हुए गाजीपुर डिपो के प्रबंधक को निलंबित कर दिया है। कार्रवाई के पीछे लापरवाही और प्रशासनिक नियंत्रण की कमी का हवाला दिया गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई थी जिसमें एक डीटीसी बस परिचालक कथित तौर पर 100-100 रुपए किराये मांग रहा था। ये बस गाजीपुर डिपो की थी। डीटीसी ने इसकी जांच की बात कही थी। आदेश में डिपो प्रबंधक को निलंबित करने के साथ-साथ बुधवार को डीटीसी की प्रबंधन डायरेक्टर गरिमा गुप्ता को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। इस मामले में दिल्ली सरकार ने अलग से भी जांच शुरू कर दी है।

'सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने पर होगी सख्त कार्रवाई'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कोरोना को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच कड़ी कार्रवाई करेगी। हैरी पॉर्टर का मीम बनाकर चेतावनी दी जा रही है। अगर कोई शख्स कोरोना वायरस से संबंधित अफवाह फैलाता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर साइबर क्राइम ब्रांच के लोग कड़ी निगरानी रख रहे हैं। लोग अफवाह ना फैलाएं इसके लिए बकायदा लोगों को जागरूक किया जा रहा है और लोगों से सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट न करने की भी अपील की जा रही है। अगर कोई व्यक्ति अफवाह फैलाता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ विधिसम्मत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि पुलिस ने इसी को लेकर एक हैरी पॉर्टर का मीम के जरिए अफवाह फैलाने वाले लोगों को चेतावनी दी जा रही है। मीम में लिखा है, 'आप हमें नहीं देख सकते हैं, लेकिन हम आपको देख रहे हैं'।

सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उसे 6 महीने तक की सजा हो सकती है। इसलिए सभी लोगों से अपील की जाती है कि कोरोना से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाहें ना फैलाएं।

मुख्यमंत्री की नाराजगी के कारण सीएमओ पर भी गिरी गाज

डॉ. एपी चतुर्वेदी को मिली जिम्मेदारी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 2 अप्रैल।

जिले में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों के कारण डीएम के बाद गौतम बुद्ध नगर के सीएमओ डॉ. अनुराग भार्गव को हटा दिय गया है। उनकी जगह पर परिवार कल्याण महनिदेशालय में संयुक्त सचिव डॉ. एपी चतुर्वेदी को यह जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले सोमवार को मुख्यमंत्री योगी के दौरे के बाद डीएम बीएन सिंह का तबादला कर दिया गया था।

गौतम बुद्ध नगर में लगातार कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बुधवार को 10 नए मरीज सामने आए हैं। जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 48 पहुंच चुकी है। गौतम बुद्ध नगर में प्रदेश के सबसे ज्यादा कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। इसको लेकर ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा में एक बैठक का आयोजन किया था। इस बैठक के दौरान तत्कालीन जिलाधिकारी बीएन सिंह समेत सभी अधिकारियों को जमकर फटकार भी लगाई थी। इस फटकार के तुरंत बाद जिलाधिकारी बीएन सिंह ने तीन माह का अवकाश मांगते हुए तबादले की मांग की थी। जिसके तुरंत बाद सुहास एलवाई को गौतम बुद्ध नगर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया था।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, शासन ने डॉ. अनुराग भार्गव को कोरोना की रोकथाम के लिए गौतम बुद्ध नगर के प्रभारी बनाए गए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के साथ संबद्ध किया गया है।

ग्रामीण इलाकों में बाहर से आने वालों पर निगाह रखेंगी आशा कार्यकर्ता

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम को लेकर पूरे देश में लागू पूर्णबंदी के दौरान दूसरे राज्यों और जनपदों से गांव लौट रहे लोगों की आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से जल्द से जल्द जांच कराई जाएगी। प्रमुख सचिव-स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने इसके बाबत प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजकर इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। इस काम के लिए आशा कार्यकर्ताओं को अप्रैल और मई में एक-एक हजार रुपए अतिरिक्त राशि दी जाएगी। आशा संगिनी को भी इस दौरान क्षेत्र के प्रति अतिरिक्त भ्रमण पर 100 रुपए और अधिकतम 500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे।

आशा कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी घरों का भ्रमण करें और ऐसे घरों को चिह्नित करें, जहां 14 दिनों के भीतर अन्य राज्यों या शहरों से लोग आए। ऐसे लोगों की भी लाइन लिस्टिंग करें जो किसी कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए हों। ऐसे लोगों व परिवारों की सूची आशा कार्यकर्ता एवं आशा संगिनी के जरिए ब्लाक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) को दें। जिसे वह अपलोड करेंगे ताकि उसको ब्लॉक, जिला व मंडल से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारी देख सकें। इसके अलावा वह कोरोना के संदिग्ध मामलों की पहचान कर समय से रेफर करने का भी काम करेंगी। घर में पृथक किए गए लोगों पर भी निगरानी रखेंगी।

मरकज से निकले तीन कोरोना पॉजिटिव, पांच गांवों के सरपंच निलंबित

फरीदाबाद, 2 अप्रैल (जनसत्ता)।

पलवल के हथीन उपमंडल के गांव हुचपुरी में आए तीन बांग्लादेशी नागरिक कोरोना पॉजिटिव मिले। ये तीनों निजामुद्दीन मरकज से आए थे। यहां मरकज से 12 लोग आए थे। इनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। इनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोरोना संक्रमण का गांव में मिले यह पहले तीन मामले हैं। कोरोना के पॉजिटिव मामले सामने आने पर प्रशासन ने पांच गांव के सरपंचों को निलंबित कर दिया है।

44 और लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए

ये सभी जमाती दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में हुई जमात से 17 मार्च को लौटे थे। ये सभी यहां हथीन इलाके में रह रहे थे। गुरुवार को 44 और लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। कोरोना पॉजिटिव मामलों को जिले के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिन 201 घरों में यह कोरोना संक्रमित लोग दाखिल हुए थे, उन्हें भी पृथक कर दिया गया है। 127 लोगों को एक निजी कॉलेज में पृथक किया गया है। हथीन के पांच गांवों को कंटेनमेंट जोन और 6 गंवोंट को बफर जोन घोषित कर दिया गया है। पांच गांवों के सरपंचों को भी निलंबित किया गया है। इससे पहले पलवल में एक ही व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव मिला था, जिसे नेगेटिव किया जा चुका था।

कोरोना की महामारी के कारण पूर्णबंदी के बीच सब्जी खरीदारो का इंतजार करती महिला

कोरोना : हिंदू राव अस्पताल की व्यवस्था को लेकर स्थायी समिति की हुई बैठक

'प्रधानमंत्री कर रहे कोरोना से लड़ाई का नेतृत्व'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कॉरोना विषाणु के मद्देनजर हिंदू राव अस्पताल में हो रही व्यवस्था के मद्देनजर स्थायी समिति के अध्यक्ष ने एक आवश्यक बैठक बुलाई जबकि मेयर ने अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्था के निर्देश दिए। निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश नें हिंदूराव अस्पताल में कोरोना विषाणु की रोकथाम हेतु तैयारियों के संबंध में अधिकारियों व डॉक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान अस्पताल प्रशासन के अधिकारी, डॉक्टर व निगम अधिकारी उपस्थित थे। जय प्रकाश ने बताया कि हिंदूराव अस्पताल में स्थिति नियंत्रण में है और कोरोना विषाणु की रोकथाम के लिए अस्पताल प्रशासन के अधिकारी, डॉक्टर व नर्स त्तपरता से कार्य कर रहे है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर के लिए अस्पताल में पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विमेंट (पीपीई) किट की कोई कमी नहीं है और जो भी सुरक्षा इंतजाम होने चाहिए वे सभी अस्पताल में उपलब्ध है। डॉक्टरों को आश्वासन दिया की वे निडर हो कर मरीजो का उपचार करें, निगम प्रशासन उन्हें हर संभव सहयोग देगा।

उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह नें हिंदूराव अस्पताल में कोरोना विषाणु की रोकथाम हेतु तैयारियों व मरीजों के लिए बनाएं गए वार्डो का निरीक्षण किया। इसके साथ ही महापौर ने अस्पताल परिसर में संक्रमण रोधी दवा सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया। निरीक्षण के दौरान ने महापौर अस्पताल में डॉक्टर, नर्स व अन्य स्टाफ के लिए उपलब्ध सुरक्षा उपाय को भी देखा। महापौर ने कहा की हमारे देश के प्रधानमंत्री कोरोना विषाणु से इस लड़ाई में हम सब का नेतृत्व कर रहें है और हम सब को उनका साथ देना है और देश को इस वैश्विक स्वास्थ्य आपदा से निकालना है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम से सभी कर्मचारी, अधिकारी, डॉक्टर, नर्स व अन्य स्टाफ कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु सभी प्रयास कर रहे है तकि हम दिल्ली के नागरिकों को इस से बचा सकें।

चरक अस्पताल में भी पृथक केंद्र बनाया गया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने कोरोना वायरस पर अंकुश लगाने के लिए चरक पालिका अस्पताल में 6 बेड का एक पृथक वार्ड बनाया है। नगरपालिका परिषद के चिकित्सा सेवा विभाग ने नई दिल्ली के मोती बाग में चरक पालिका अस्पताल में कोरोना विषाणु के प्रकोप की किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए और भी इंतजाम किए है। इसके साथ, नई दिल्ली नगरपालिका चरक अस्पताल में कुल 156 बिस्तर की सेवाएं भी उपलब्ध है।

यहां चौबीसों घंटे बेसिक आपातकालीन सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। पालिका परिषद के मुताबिक चरक पालिका अस्पताल में 14 विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञों के अलावा 27 से अधिक जनरल ड्यूटी मेडिकल अफसर (जीडीएमओ) भी तैनात किए गए हैं। विभिन्न डिस्पेंसरीयों में तैनात जीडीएमओ को यहां बुलाया गया है। इनके अतिरिक्त पैरामेडिकल स्टाफ जैसे नर्स, तकनीशियन, वार्ड बॉय आदि भी यहां चौबीसों घंटे अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। एम्बुलेंस सेवाओं को भाड़े पर लिया गया है। आकस्मिक रोगियों के लिए दवाएं और अन्य आपातकालीन दवाएं भी यहां उपलब्ध कराई गई हैं।

पेट्रोलिंग मोटरसाइकिल से कोरोना के खिलाफ जागरूक करेगी पुलिस

जनसत्ता संवाददात
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

दिल्ली में कोविड-19 के प्रकोप से लोगों को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस बड़ी भूमिका निभा रही है। दिल्ली पुलिस की सभी इकाई जरूरतमंदों के बीच भोजन और सूखे अनाज के साथ उनके लिए अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं।

दक्षिणी दिल्ली पुलिस लोगों को जागरूक कर रही है। लोगों से अपील कर रही है कि वह अपने-अपने घरों में रहे और पूर्णबंदी का पालन करें। इसी कड़ी में एक अनोखी पहल की गई जिसमें 40 पेट्रोलिंग मोटरसाइकिल चालू की गई जिसका नाम कोविड19 पेट्रोलिंग रखा गया है। दक्षिणी रेंज के संयुक्त आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव की अगुवाई में शुरू इस पेट्रोलिंग दस्ते का नेतृत्व जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर कर रहे हैं।

देवेंश चंद्र श्रीवास्तव ने कुछ अहम पहलुओं पर भी खासा ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि जिले के हर क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जाए व जनता को जागरूक किया जाए। साथ ही लोगों से घरों में रहने की अपील के साथ ही पूर्ण बंदी का पूरी तरह पालन करने की बात कही। जिले के बॉर्डर के अंदर गाड़ियों की सख्ती से चेकिंग की जाए। नाका बंदी पर जा रही गाड़ियों पर खासा ध्यान दिया जाए। यह भी देखा जाए कि किसी तरह की कोई भीड़ ना जुटे। कोविड पेट्रोलिंग बाइक के द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए की सड़क पर बिना काम के लोगों का मूवमेंट ना हो और अगर ऐसे व्यक्ति पाए जाते हैं तो उन्हें शेल्टर होम भेजा जाए। क्षेत्र में ट्रक टेंपो टैंकर आदि पूर्ण रूप से चेक किए जाएं और यह भी देखा जाए कि किसी तरह का कोई कानून का उल्लंघन गाड़ियों द्वारा ना हो रहा हो। क्षेत्र में जो भी सब्जी की दुकानें, दूध की दुकानें, किराना की दुकान हैं उन्हें चिन्हित किया जाए और लोगों के बीच सामाजिक दूरी पर भी ध्यान दिया जाए। पेट्रोलिंग के दौरान पुलिसकर्मी विजिलेंस बढ़ाते हुए क्राइम और क्रिमिनल पर भी नजर रखें।

होटल ताज करेगा स्वास्थ्यकर्मियों की निःशुल्क खानपान सेवा

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे चिकित्सकों की सेवा के लिए होटल ताज आगे आया है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि होटल ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों व मरीजों के लिए खानपान की सेवा करने का प्रस्ताव किया है। यह खानपान सेवा निःशुल्क होगी। मीडिया से बातचीत में सत्येंद्र जैन ने बताया कि होटल ललित को पहले ही बुक कर दिया गया था। यह लोकनायक अस्पताल और जीबी पंत अस्पताल के डॉक्टर्स के लिए है। अब पूर्वी दिल्ली में होटल लीला हमने कर लिया है। जहां गुरु तेग बहादुर अस्पताल और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के मेडिकल स्टाफ रहेगा। अपने पूरे स्टाफ के लिए हम पांच सितारा होटल ताज से खानपान करवा रहे हैं। (**जसं**)

www.readwhere.com

स्वास्थ्यकर्मियों पर पथराव के सात आरोपी गिरफ्तार

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों को ढूंढ़ने गया था पांच सदस्यीय दल

इंदौर (मध्य प्रदेश), 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस संक्रमण के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्यकर्मियों के दल पर पथराव की बहुचर्चित घटना के सात आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पथराव की घटना में दो महिला चिकित्सकों के पैरों में चोटें आईं थीं।

पुलिस को सुराग मिले हैं कि शहर के टाटपट्टी बाखल इलाके की यह घटना सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के बाद असामाजिक तत्वों के उकसावे के चलते सामने आई थी। पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआइजी) हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा, 'वीडियो फुटेज के आधार पर पहचान के बाद घटना के लिए जिम्मेदार सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।' डीआइजी ने बताया कि शहर में कोरोना वायरस का जो भी मरीज मिल रहा है, उसके परिजनों और उसके संपर्क में आए व्यक्तियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन अभियान चलाकर ढूंढा जा रहा है और उन्हें सावधानी के तौर पर अलग किया जा रहा है ताकि इस संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

उन्होंने बताया, 'हमें पता चला है कि स्वास्थ्य कर्मियों पर पथराव की घटना से एक-दो दिन पहले सोशल मीडिया पर इस अभियान के खिलाफ कुछ अफवाहें फैलाई गईं थीं। हालांकि, पथराव सुनियोजित प्रतीत नहीं हो रहा है। टाटपट्टी बाखल इलाके के कुछ असामाजिक तत्वों के उकसावे पर क्षेत्रीय रहिवासियों ने अचानक पथराव किया।' मिश्रा ने कहा कि कोरोना वायरस को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

इस बीच, छत्रीपुरा पुलिस थाने के प्रभारी करणी सिंह शक्तावत ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों पर पथराव के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की उम्र 21 से 50 वर्ष के बीच है और इनमें से तीन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है।

उन्होंने बताया कि मामले में भारतीय दंड विधान की धारा 147 (बलवा), धारा 188 (किसी सरकारी अधिकारी का आदेश नहीं मानना), धारा 269 (ऐसा लापरवाही भरा काम करना जिससे किसी जानलेवा बीमारी का संक्रमण फैलने का खतरा हो), धारा 353 (लोक सेवकों को भयभीत कर उन्हें उनके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए उन पर हमला) और अन्य संबद्ध प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल मामले के करीब 15 आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि टाटपट्टी बाखल के पथराव में चोटिल हुईं दोनों महिला डॉक्टर कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्यीय दल में शामिल थीं। यह दल कोरोना वायरस संक्रमण के एक मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गया था।

श्रद्धा

जबलपुर में गुरुवार को राम नवमी के अवसर पर बंद मंदिर के बाहर गाय को खाना खिलाती महिला।

कोरोना संक्रमण का नया केंद्र बना रामगंज

दो दिन में 20 मामले सामने आए

जयपुर, 2 अप्रैल (भाषा)।

जयपुर शहर की घनी आबादी वाला रामगंज इलाका कोरोना संक्रमण का नया केंद्र बन गया है। दो दिन में संक्रमण के 20 नए मामले सामने आने से राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों की पेशानी पर चिंता की लकीरें हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी जयपुर के रामगंज इलाके में गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमित सात नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले बुधवार को यहां से 13 मामले सामने आए थे। इस इलाके में कुल मामलों की संख्या 33 हो गई है। वहीं 41 कोरोना संक्रमित मामलों के साथ जयपुर शहर राज्य में पहले नंबर पर है।

रामगंज का मामला अधिकारियों के लिए चिंता का विषय इसलिए भी बना हुआ क्योंकि यहां संक्रमित पाए गए 17 लोग उसी एक व्यक्ति के करीबी संपर्क वाले हैं जो सबसे पहले कोरोना संक्रमित पाया गया था। सिंह के अनुसार, 'एक ही व्यक्ति से 17 लोगों को संक्रमण होना हालात की गंभीरता को प्रकट करता है।' उल्लेखनीय है कि रामगंज इलाके में पश्चिम एशिया से एक 45 वर्षीय व्यक्ति 12 मार्च को दिल्ली हवाईअड्डे पर आया। उसी दिन वह बस से जयपुर आ गया। 26 मार्च को जांच में वह संक्रमित पाया गया। लेकिन इस दौरान वह अपने परिवार, पहचान के अनेक लोगों से मिला व संपर्क में आया। एक दिन के बाद उसके दोस्त और 10 परिजनों को कोरोना वायरस संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। अब तक कुल 17 लोग ऐसे सामने आए हैं जो उसके करीबी हैं। दस तो उसके परिवार वाले ही हैं। प्रशासन व स्वास्थ्य अधिकारियों ने 125 लोगों को पृथक रखा हुआ है।

रामगंज जयपुर के परकोटे में यानी पुराने जयपुर में पड़ता है। यहां घनी आबादी है। प्रशासन ने हालात की गंभीरता को देखते हुए यहां बेमियादी कर्फ्यू लगाया है। पूरे इलाके को सेनेटाइज किया गया है। हर घर और हर व्यक्ति की जांच की जा रही है। इलाके में वाहनों तक को विसंक्रमित किए बिना जाने की अनुमति नहीं है। लोगों के छतों पर इकट्ठा होने की शिकायतों के बाद बुधवार को इलाके में अनेक ड्रोन तैनात कर दिए गए हैं और लोगों से अपील की जा रही है कि वे सुरक्षित दूरी का पालन करें।

तीसरा पक्ष मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करने के लिए और समय दिया गया

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

वाहन मालिकों को तीसरा पक्ष मोटर बीमा प्रीमियम के भुगतान के लिए और समय दिया गया है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के एक सर्कुलर में यह जानकारी दी गई है।

> *केंद्र सरकार* ने निर्देश दिया है कि जिन तीसरा पक्ष पॉलिसीधारकों की पॉलिसी की नवीकरण की अवधि 25 मार्च, 2020 से 14 अप्रैल, 2020 के बीच है, नवीकरण प्रीमियम का भुगतान 21 अप्रैल तक कर सकते हैं

सर्कुलर के अनुसार देश में लागू राष्ट्रव्यापी बंदी के दौरान जिस प्रीमियम के भुगतान की तिथि पड़ रही है और भुगतान संभव नहीं हो सकता है उसके लिए अब 21 अप्रैल तक का समय दिया गया है।

इरडा ने गुरुवार को कहा कि इस दौरान नवीनीकरण किए जाने वाले मोटर वाहन बीमा का नवीनीकरण उसकी उसी तिथि से किया जाएगा जिसमें इसका नवीनीकरण होना था।

सर्कुलर के अनुसार केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि जिन तीसरा पक्ष पॉलिसीधारकों की पॉलिसी की नवीकरण की अवधि 25 मार्च, 2020 से 14 अप्रैल, 2020 के बीच है, और जो समय पर नवीकरण प्रीमियम का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, वे इसका भुगतान 21 अप्रैल तक कर सकते हैं।

कोरोना से लड़ने के उपायों पर चर्चा की मोदी व मरकेल ने

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी की चांसलर एंगिला मरकेल ने गुरुवार को कोरोना से लड़ने के लिए दवाओं तथा चिकित्सा उपकरणों की कम उपलब्धता पर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा इस क्षेत्र में सहयोग के रास्ते तलाशने पर सहमति जताई।

दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर बातचीत की तथा अपने-अपने देशों में कोविड-19 को लेकर बने हालात पर तथा इस स्वास्थ्य संकट से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने महामारी के दौर में जरूरी दवाओं तथा चिकित्सा उपकरणों की अपर्याप्त उपलब्धता पर विचार साझा किए तथा इस संबंध में सहयोग के रास्ते तलाशने पर सहमति जताई।

बयान के अनुसार जर्मन चांसलर ने प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में इस बात पर सहमति जताई कि कोविड-19 महामारी आधुनिक इतिहास में अहम मोड़ है और पूरी मानवता के साझा हित पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्वीकरण का नया संस्करण रचने का अवसर प्रदान करता है।

मोदी ने उन्हें दुनिया के लोगों के लिए सामान्य योगाभ्यास तथा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले आयुर्वेदिक उपचार तरीकों का प्रचार करने की हालिया भारतीय पहलों के बारे में बताया।

मरकेल ने इस बात पर सहमति जताई कि इस तरह के तरीके खासतौर पर मौजूदा लॉकडाउन की स्थिति में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिए बहुत लाभकारी हैं। भारत में 24 मार्च से 21 दिन की पूर्णबंदी है वहीं जर्मनी ने भी कोराना को फैलने से रोकने के लिए सार्वजनिक जीवन पर मौजूदा पाबंदियों को दो सप्ताह के लिए 19 अप्रैल तक बढ़ा दिया है।

पूर्णबंदी के बावजूद बंगाल में रामनवमी पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

कोलकाता, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के प्रकोप के मद्देनजर देशभर में जारी बंदी के बावजूद गुरुवार को राम नवमी के अवसर पर पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में 'जय श्री राम' के नारों के बीच हजारों भक्त मंदिरों में उमड़ पड़े।

राज्य भर के मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं, जबकि इस साल वार्षिक रामनवमी रैलियां नहीं निकलीं क्योंकि विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने कोरोना वायरस महामारी के कारण कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया है। बड़ी संख्या में लोगों को विभिन्न जिलों में मंदिरों के बाहर जुटते हुए देखा गया और 'भगवान राम' से कोरोना महामारी से अतिशीघ्र मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कई जिलों में पुलिस ने श्रद्धालुओं को पूजा करने के तुरंत बाद घर लौटने के लिए कहा और भीड़ से बचने और सामाजिक दूरी बनाने के मानदंडों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया।

संक्रमण की वजह से लोगों ने बदले यात्रा के तरीके

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) बॉम्बे और आइआइटी हैदराबाद ने कोरोना विषाणु संकट के दौरान लोगों के यात्रा के तरीकों पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक देश के बड़े शहरों में रहने वाले 12 फीसद लोगों ने संक्रमण की वजह से अपनी यात्रा रणनीति में बदलाव किया और वे सार्वजनिक परिवहन के स्थान पर अपने वाहनों का उपयोग करने लगे। जब लोगों से पूछा गया कि क्या आपने मार्च के तीसरे सप्ताह में अपनी यात्रा रद्द की है तो 18 फीसद लोगों ने कहा कि उन्होंने अपनी हवाई यात्रा रद्द की जबकि 20 फीसद ने ट्रेन यात्रा रद्द करने की बात कही।

> *बड़े शहरों* के 12 फीसद से अधिक लोगों ने सार्वजनिक परिवहन छोड़ अपना वाहन चलाया
>
> *अध्ययनकर्ताओं* का मानना है कि संक्रमण को रोकने के लिए पूर्ण बंदी सही निर्णय है
>
> *18 फीसद* हवाई यात्रा और 20 फीसद लोगों ने अपनी ट्रेन यात्रा रद्द की

अध्ययन कर्ताओं का मानना है कि संक्रमण को कम करने में पूर्ण बंदी सही फैसला है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन जैसे बस, मेट्रो, ट्रेन आदि में भीड़ की वजह से कोरोना विषाणु संक्रमण के फैलने का खतरा काफी अधिक होता है। यह अध्ययन पूर्ण बंदी से पहले किया गया था जिसमें देश भर के 1900 लोगों ने भाग लिया।

इस अध्ययन से महामारी के दौरान प्रतिदिन यात्रा करने वाले लोगों की सोच और तरीका पता चल पाएगा। इस अध्ययन को आइआइटी हैदराबाद के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर दिग्विजय एस पवार व डॉक्टर प्रिथा चैटर्जी और आइआइटी बॉम्बे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर नागेंद्र वेलगा और शोध विद्यार्थी अंकित कुमार यादव की टीम ने किया। भारत में कोरोना संक्रमण शुरू होने के तीसरे सप्ताह में किए गए इस अध्ययन के दौरान प्रतिदिन यात्रा करने वाले लोगों के यात्रा के तरीकों के बारे में पता किया गया।

टीम में शामिल डॉक्टर पवार ने बताया कि अध्ययन में शामिल बड़े शहरों के 12 फीसद लोगों ने संक्रमण के डर से सार्वजनिक परिवहन को छोड़ कर अपने वाहन से यात्रा शुरू की थी। वहीं, छोटे शहरों में यह आंकड़ा 9 फीसद और बहुत छोटे शहरों में 7 फीसद रहा। इससे पता चलता है कि कोरोना विषाणु संक्रमण के बारे में बड़े शहरों के लोग अधिक जागरूक हैं। अध्ययन में शामिल 93 फीसद लोगों ने कहा कि संक्रमण से बचने के लिहाज से निजी वाहन बेहतर हैं। हालांकि अध्ययन में शामिल 48 फीसद लोगों ने कहा कि उन्होंने मार्च के तीसरे सप्ताह में कार्य के लिए यात्रा नहीं की जबकि 28 फीसद लोगों ने कहा कि इस दौरान उनकी यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ा।

अरुणाचल : तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल

ईटानगर, 2 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली के निजामुद्दीन (पश्चिम) में तबलीगी जमात के एक कार्यक्रम में शिरकत करने वाला 31 वर्षीय शख्स कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। यह व्यक्ति प्रदेश के लोहित जिले में मिला है।

अरुणाचाल प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव पी प्रथिबन ने बताया कि जिले के मेडो इलाके के निवासी के नमूने जांच के लिए असस के डिब्रूगढ़ स्थित क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) भेजे गए थे, जिसकी रिपोर्ट में उसके वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि इस शख्स ने निजामुद्दीन में आयोजित हुए कार्यक्रम में 13 मार्च को शिरकत की थी। वह 16 मार्च को निजामुद्दीन से रवाना हुआ था और 24 मार्च से घर में ही अलग रखा गया था। इस व्यक्ति में 16 दिन बाद भी कोरोना वायरस के संक्रमण के लक्षण नजर नहीं आए थे।

इंदौर : कोरोना से आठवीं मौत, आधे घंटे के अंतराल में दो मरे

इंदौर, 2 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण से गुरुवार सुबह 65 वर्षीय महिला और 54 वर्षीय पुरुष के दम तोड़ने के साथ ही सूबे में संक्रमित मरीजों की मौत की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से शहर के मोती तबेला इलाके में रहने वाले 54 वर्षीय पुरुष ने महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में आखिरी सांस ली। उसे 29 मार्च को अस्पताल में भर्ती किया गया था।

उन्होंने बताया, 'मरीज को पिछले दो दिन से सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। उसे पिछले 15 दिन से बुखार आ रहा था। हालांकि, उसे सर्दी-खांसी की समस्या नहीं थी।' अधिकारी ने बताया कि मरीज ने पिछले दिनों कोई यात्रा नहीं की थी। अब तक इस बात का पता नहीं चल सका है कि क्या वह किसी कोरोना वायरस संक्रमित के संपर्क में आया था। इससे पहले, शहर के खजराना इलाके में रहने वाली 65 वर्षीय महिला ने मनोरमा राजे टीबी (एमआरटीबी) चिकित्सालय में गुरुवार सुबह आखिरी सांस ली।

अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से दम तोड़ने वाली महिला मधुमेह और थायराइड से पहले ही पीड़ित थी। उसने पिछले दिनों कोई यात्रा नहीं की थी। इस बात का पता नहीं चल सका है कि क्या वह किसी कोरोना वायरस संक्रमित के संपर्क में आई थी। अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित दोनों मरीजों ने गुरुवार सुबह आधे घंटे के अंतराल में दम तोड़ा। अब तक मिली रिपोर्टों के मुताबिक सूबे में कुल 98 लोग कोरोना वायरस संक्रमण की जद में आए हैं। इनमें इंदौर के सर्वाधिक 75 मरीज शामिल हैं।

देश में बीएस-6 मानक के ईंधन का इस्तेमाल शुरू

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कॉरपोरेशन (आइओसी) ने गुरुवार को कहा कि देश में अप्रैल 2020 से बीएस-6 ईंधन की आपूर्ति शुरू हो गई है लेकिन यह काम पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाये बिना हुआ है। तेल कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में एक अप्रैल से पेट्रोल, डीजल के दामों जो वृद्धि हुई है वह इन राज्यों में राज्य बिक्री कर या मूल्यवर्धित कर (वैट) की दर बढ़ने की वजह से हुई है।

भारत बीएस-4 मानक से सीधे बीएस-6 मानक के ईंधन की ओर बढ़ा है। यह यूरो-6 पेट्रोल और डीजल ईंधन के समकक्ष है। बीएस-6 मानक का स्वच्छ ईंधन तैयार करने पर तेल कंपनियों की लागत एक रुपये प्रति लीटर बढ़ी है लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों ने इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के बजाय इसे अंतररष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट में समायोजित किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम इस समय 17 साल के निचले स्तर पर आ गए हैं।

आइओसी ने कहा कि लागत में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। कंपनी ने कहा कि कुछ राज्यों मसलन महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में एक अप्रैल से ईंधन के दाम में बढ़ोतरी बिक्री कर या वैट में बढ़ोतरी की वजह से हुई है। आइओसी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने देशभर में अपनी रिफाइरियों, पाइपलाइन और विपणन वितरण नेटवर्क को अद्यतन करने पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसका कुछ प्रभाव पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम पर पड़ता लेकिन कोविड-19 की वजह से पैदा हुए संकट के मद्देनजर पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने कीमतों में बदलाव नहीं करने का फैसला किया।

बयान में कहा गया है कि दिल्ली में पेट्रोल का दाम 69.59 रुपए प्रति लीटर और डीजल का दाम 62.29 रुपये लीटर पर अपरिवर्तित रहे जबकि कोलकाता, मुंबई में वैट दर बढ़ने के कारण एक रुपए प्रति लीटर बढ़ गये। चेन्नई में इनके दाम नहीं बढ़े। मुंबई में पेट्रोल का दाम 76.31 रुपये लीटर और डीजल का दाम 66.21 रुपये लीटर हो गया है वहीं कोलकाता में पेट्रोल 73.30 रुपए और डीजल का दाम 65.62 रुपए लीटर पर पहुंच गया।

आबादी क्षेत्र में हाथियों के आने से दहशत

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 2 अप्रैल।

कोरोना के खौफ के चलते देश में बंदी की वजह से उत्तराखंड में भी सड़कें-गलियां सूनी पड़ी हुई हैं। वहीं राजाजी राष्ट्रीय पार्क और जिम कार्बेट पार्क भी पर्यटकों की आवाजाही ना होने के कारण बंद पड़े हैं। इन दोनों पार्कों से हाथी, तेंदुए, हिरण, बारहसिंघा अब शहर की ओर कूच कर रहे हैं। शहर की गलियां सुनसान पड़ी हैं जो इन जंगली जानवरों के घूमने के लिए माफिक आ रही हैं। जंगली जानवरों के शहर में घुसने से लोगों में भय है।

वहीं वन विभाग जंगली हाथियों और अन्य जानवरों के शहर की ओर कुछ करने से परेशान और चिंतित है क्योंकि बंदी खुलने के बाद यह जंगली जानवर शहरों में घुसपैठ करने का प्रयास करेंगे जिससे मानव और वन्यजीवों में संघर्ष और बढ़ने की घटनाएं बढ़ेगी।

बीते रात तड़के 3.30 बजे के करीब हरिद्वार हरकी पैड़ी पर एक हाथी गंगा में घुस गया। गंगा स्नान करने लगा वहां रात्रि गश्त लगा रहे पुलिस वालों के जंगली हाथी के घुसने से होश उड़ गए। उन्होंने आनन-फानन में वन विभाग के अधिकारियों को फोन किया वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा।

यह हाथी हरिद्वार के मनसा देवी और बीएचईएल के पास सटे राजाजी राष्ट्रीय टाइगर रिजर्व पार्क के जंगल से निकलकर टीबड़ी बिल्केश्वर कॉलोनी ललितारो पुल बाल्मीकि चौक कोतवाली मोती बाजार सुभाष घाट हर की पैड़ी जा पहुंचा और वहां पर गंगा के जल से अठखेलियां करने लगा।

वही बीती रात बीएचईएल के पास भगत सिंह चौक में हाथी रेल पटरी पर चहलकदमी करता हुआ दिखाई दिया जिसे पुलिस वालों ने अपने मोबाइल पर कैद कर लिया और पुलिस ने उसे वन विभाग के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिल कर भगाया। इसी तरह शिवालिक नगर पॉश कॉलोनी में रात को हिरन सांभर और बारहसिंघा का झुंड रात में घूमता हुआ दिखाई दिया।

> **हर की पैड़ी पर गंगा स्नान के लिए घुसा हाथी**
>
> बीएचईएल के पास भगत सिंह चौक में हाथी रेल पटरी पर चहलकदमी करता हुआ दिखाई दिया जिसे पुलिस वालों ने अपने मोबाइल पर कैद कर लिया और पुलिस ने उसे वन विभाग के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिल कर भगाया। इसी तरह शिवालिक नगर पॉश कॉलोनी में रात को हिरन सांभर और बारहसिंघा का झुंड रात में घूमता हुआ दिखाई दिया

हरिद्वार शहर में जंगली जानवरों का सड़को में चहलकदमी करना लगातार जारी है और वन विभाग इन जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने में नाकाम साबित हो रहा है।

हरिद्वार के वन प्रभाग जिला वन अधिकारी आकाश वर्मा का कहना है कि हाथी और जंगली जानवर हरिद्वार में आबादी क्षेत्र इससे पहले भी आते रहे हैं क्योंकि हरिद्वार का अधिकतर क्षेत्र राजाजी टाइगर रिजर्व से लगा हुआ है। बंदी होने के बाद लोग बाहर कम आ रहे हैं। इस वजह से जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में घुस रहे हैं। हमारे लिए भविष्य में चिंता की बात है कि बंदी खत्म होने के बाद जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में अधिक संख्या में घुसने की कोशिश करेंगे।

www.readwhere.com

जनसत्ता

संकट और एकजुटता

कोरोना विषाणु के संक्रमण को फैलने से रोकने और संक्रमितों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की कोशिशें निस्संदेह सराहनीय हैं। समय रहते इस दिशा में पूर्ण बंदी जैसा कठोर कदम उठाया गया, जिस पर राजनीतिक स्वार्थों को परे रख कर सभी राज्य सरकारों ने सहयोग का रुख अख्तियार किया। उसी का नतीजा है कि दूसरे देशों की तुलना में हमारे यहां इस विषाणु का प्रकोप अधिक नहीं फैलने पाया है। स्वाभाविक ही राज्य सरकारों के इस सहयोगात्मक रुख की प्रधानमंत्री ने तारीफ की और एकजुट होकर काम करने के लिए उन्हें साधुवाद दिया। कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए की जा रही कोशिशों के दौरान यह दूसरा मौका था, जब प्रधानमंत्री सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुखातिब थे। उन्होंने इस समस्या से पार पाने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर मुख्यमंत्रियों से जानकारी हासिल की और उन्हें देश के सामने एक साझा लक्ष्य के तहत काम करने की अपील की। इसमें उन्होंने कोरोना संक्रमितों की पहचान करने, उन्हें अलग-थलग कर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। पूर्ण बंदी के नौ दिन हो गए हैं, पर मामले अभी सामने आ रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री की चिंता समझी जा सकती है।

दरअसल, पूर्ण बंदी की घोषणा के बाद कई जगहों पर लोगों की लापरवाही और मनमानी देखी गई। सामाजिक दूरी बनाने की दरकार दरकिनार होती देखी गई। फिर हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर अपने घरों की तरफ लौटने लगे, जिससे दूर-दराज तक इस संक्रमण के फैलने की आशंका गहरी हो गई। हालांकि इनमें से बहुत सारे लोगों को जगह-जगह रोक लिया गया, पर फिर भी अनेक लोग अपने गांव पहुंच गए, जिससे संक्रमण का दायरा फैलने का भय बना हुआ है। फिर निजामुद्दीन के मरकज और दिल्ली की दूसरी मस्जिदों में बाहर से आकर बड़ी संख्या में ठहरे तबलीगी जमात के लोगों में से सैकड़ों के कोरोना संक्रमित पाए जाने, उनमें से लौट कर अपने घर गए कई लोगों के संक्रमण से मर जाने का खुलासा होने के बाद चिंता और गहरी हो गई है। इनमें से बहुत सारे लोग देश के विभिन्न हिस्सों में धर्म प्रचार के लिए गए थे। फिर जो लोग अपने घर वापस गए, उनके जरिए यह संक्रमण कितने लोगों तक पहुंचा होगा, इसकी पहचान करना अभी मुश्किल बना हुआ है। ऐसी लापरवाहियों और मनमानियों के चलते पैदा हो गए खतरे के मद्देनजर सरकारों से चौकसी की अपेक्षा बढ़ गई है। प्रधानमंत्री के संबोधन से मुख्यमंत्रियों को निस्संदेह बल मिला होगा।

यह अच्छी बात है कि इस संकट की घड़ी में सभी राज्य सरकारों ने एकजुटता दिखाते हुए अपने-अपने स्तर पर सक्रियता दिखाई और इस समस्या से पार पाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए। प्रवासी मजदूरों के घर लौटने जैसी स्थिति में जरूर उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकार के बीच तालमेल न बन पाने के कारण कुछ अव्यवस्था हुई थी, पर ज्यादातर मामलों में सहयोग का ही रुख देखा जा रहा है। ऐसे मौकों पर राजनीतिक स्वार्थ के बजाय एकजुटता का प्रदर्शन बेहतरी के प्रति आश्वस्त करता है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती कोरोना विषाणु को फैलने से रोकने की है, उस पर जितनी जल्दी काबू पाया जा सकेगा, उतनी ही जल्दी जिंदगी अपनी पटरी पर लौटेगी और रुके हुए कामकाज शुरू हो सकेंगे। अगली चुनौती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की होगी। यही एकजुटता बनी रही और समन्वित रणनीति बना कर आगे बढ़ने का संकल्प कायम रहा, तो उससे भी पार पाने का भरोसा बनता है।

सहयोग के बजाय

इस वक्त जब सारा देश कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करता देखा जा रहा है, कुछ लोगों का असहयोगात्मक और मनमानीभरा रवैया क्षुब्ध करने वाला है। कुछ जगहों पर देखा गया कि लोग इस संकट से पार पाने के प्रयास में जुटे चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों के साथ बदसलूकी की। सबसे स्तब्ध करने वाला व्यवहार तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए लोगों का रहा। उनमें से एक सौ सड़सठ लोगों को रेलवे के एक पृथकता केंद्र में रखा गया था। जमात में आए बहुत सारे लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं, इसलिए उसमें शामिल हुए सभी लोगों की जांच की जा रही है। उन्हें अलग-थलग रखा गया है। मगर दिल्ली में रेलवे के पृथकता केंद्र में रखे गए लोगों ने न सिर्फ सहयोग करने से इनकार कर दिया, बल्कि वहां तैनात चिकित्सा कर्मियों के साथ बदसलूकी भी की। उनके चिकित्सा कर्मियों पर थूकने तक की शिकायतें मिली हैं। ये लोग मनमानी करते हुए जहां-तहां घूमने लगे। इस पर प्रशासन को उन्हें दो टुकड़ियों में बांट कर अन्य केंद्रों में स्थांतरित करना पड़ा। इसी तरह बिहार के मधुबनी जिले से खबर मिली कि वहां कुछ लोग धार्मिक आयोजन कर रहे थे और जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कुछ पुलिस कर्मियों के घायल होने की भी सूचना है। ऐसी घटनाएं हैरान करने वाली हैं।

इस वक्त संक्रमण को फैलने से रोकना बड़ी चुनौती है। उसमें तेजी से जांच और उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यक चिकित्सा दल तैनात करना और प्रचुर मात्रा में जांच केंद्र स्थापित करना सरकारों के लिए मशक्कत भरा काम है। तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि इस महामारी से भयभीत होने की जरूरत नहीं है, वे हर हाल में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए अपनी सेहत की फिक्र न करते हुए और जोखिम भरे वातावरण में दिन-रात चिकित्सक जुटे हुए हैं। कई चिकित्सक खुद संक्रमित हो चुके हैं और उनके जरिए उनके परिजनों में भी विषाणु का प्रभाव पहुंच चुका है। इसलिए उनके योगदान की सराहना और उनके साथ यथासंभव सहयोग करने की अपेक्षा स्वाभाविक है। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सरकार और नागरिक जमात की तरफ से हर प्रोत्साहन देने की कोशिशें हो रही हैं। मगर कुछ लोग अगर उन्हें अपमानित करने, उनके साथ बदसलूकी करने का प्रयास करते देखे जा रहे हैं, तो उनकी निंदा होनी ही चाहिए।

चिकित्सकों के साथ सहयोग का रुख न होने और कुछ जगहों पर उनके साथ हुए दुर्व्यवहार को देखते हुए दिल्ली सरकार ने घोषणा कर दी थी कि जो लोग ऐसा करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लगता है, हमारे देश में कुछ लोगों को डंडे की भाषा की कुछ ऐसी आदत पड़ गई है कि उसके बिना उन्हें अपना नागरिक दायित्वबोध याद ही नहीं आता। चिकित्सकों और इस संकट से पार पाने में जुटे अन्य कर्मियों की सुरक्षा की चिंता और उनकी कर्तव्यपरायणता की सराहना न सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी है, बल्कि हर नागरिक को इसके लिए आगे आने की जरूरत है। यह कोरोना से लड़ाई का शुरुआती चरण है और इसमें कहीं-कहीं कुछ असुविधाएं नजर आ सकती हैं, पर उन पर किसी तरह का अभद्र व्यवहार करना इस वक्त नागरिक कर्तव्य नहीं माना जा सकता। सबके सहयोग से ही उन कमियों को भी दूर किया जा सकता है।

कल्पमेधा

अमीर और गरीब का अंतर कितना मामूली है। एक ही दिन की भूख और प्यास दोनों को बराबर बना देती है।
- खलील जिब्रान

बढ़ती आबादी, घटते संसाधन

रमेश चंद्र त्रिपाठी

जनसंख्या वृद्धि से मानव जाति की कठिनाइयां दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आबादी इतनी विकट समस्या उत्पन्न करती है कि वह मानव का आत्मगौरव तथा आत्मशक्ति भी नष्ट कर देती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक आदि सभी क्षेत्रों में अनेक समस्याएं खड़ी हो गई हैं। इस कारण न लोगों को पौष्टिक भोजन मिल पा रहा है और न रहने को शुद्ध जलवायु और समुचित रहवास।

अमेरिका के एक वैज्ञानिक मार्सटन बेट्स ने भविष्यवाणी की है, 'अगर अगली शताब्दी में विश्व की जनसंख्या वर्तमान गति से ही बढ़ती रही, तो विश्व के कुल जनसमूह का वजन पृथ्वी के वजन के बराबर हो जाएगा यानी पृथ्वी का भार दूना हो जाएगा।' जैसे-जैसे सनसंख्या बढ़ी, जटिलता बढ़ती गई और उसी अनुपात में स्वास्थ्य, आरोग्य, आजीविका, संरक्षण, खाद्य पदार्थ, निवास स्थान, शिक्षा, सामाजिकता, अपराध आदि समस्याएं भी बढ़ती गईं। भारत की जनसंख्या वृद्धि की भयावहता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि पूरे विश्व की भूमि का 2.4 प्रतिशत भाग हमारे देश का है, जबकि जनसंख्या सारे विश्व की जनसंख्या की सोलह प्रतिशत है। एक सर्वेक्षण के अनुसार बढ़ती जनसंख्या के लिए हमें प्रतिवर्ष एक लाख सताईस हजार नए स्कूल तथा तीन लाख पचहत्तर हजार नए शिक्षकों की आवश्यकता होगी। इनके रहने के लिए पच्चीस लाख नए घर, चालीस लाख नई नौकरियां और एक करोड़ पच्चीस लाख क्विंटल अतिरिक्त अन्न की आवश्यकता होगी। भारत की जनसंख्या एक अरब चालीस करोड़ के आंकड़े को पार करने वाली है। यानी विश्व के छह व्यक्यिों में एक भारतीय है। बढ़ती आबादी के कारण हमारे प्राकृतिक और कृत्रिम संसाधन जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में कम पड़ रहे हैं। भारत की जनसंख्या इंग्लैंड और फ्रांस की जनसंख्या की आठ गुना, जर्मनी की बारह गुना, आस्ट्रेलिया की इकसठ गुना और जापान की आठ गुना है।

भारत की कुल कृषि योग्य भूमि 16.6 करोड़ हेक्टेयर है, इसमें से 14.1 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर ही खेती होती है। इस जमीन की उपज से जनसंख्या को पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना संभव नहीं है। भारत में सौ एकड़ कृषि भूमि पर एक सौ पच्चीस व्यक्ति आश्रित हैं, जबकि अमेरिका में चालीस, कनाडा में बीस, आस्ट्रेलिया में पच्चीस और फ्रांस में अस्सी व्यक्ति आश्रित हैं। यानी खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारी स्थिति अत्यंत निराशाजनक है। कम खाद्यान्न कमजोर शारीरिक क्षमता वाले लोगों की संख्या बढ़ा रहा है। इसी कारण अल्पपोषित, गरीब और नागरिक सुविधाओं से वंचित व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है। परिणामस्वरूप बेरोजगार नौजवान, सड़कों पर घूमते भिखारी, फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले, भूमिहीन मजदूर अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणाम हैं। सन 2030 में एक व्यक्ति के हिस्से में 0.10 एकड़ कृषि योग्य भूमि आएगी। इतनी कम भूमि पर आश्रितों की संख्या बढ़ती गई तो आने वाले दिन अत्यंत कष्टप्रद होंगे।

'द पॉपुलेशन बम' नामक पुस्तक में एलरिक और फ्रेमलिन नामक वैज्ञानिकों ने लिखा है कि विश्व की जनसंख्या इसी तरह बढ़ती गई तो दो सौ वर्ष बाद धरती पर छह सौ लाख अरब लोग होंगे। एक वर्ग गज जमीन पर सौ लोग रहेंगे। ऐसी स्थिति में पृथ्वी पर सभी जगह दो हजार मंजिली इमारतें खड़ी करनी पड़ेंगी, तब लोगों के आवास की व्यवस्था संभव होगी। पर्यावरणविदों के अनुसार स्वस्थ पर्यावरण के लिए तैंतीस प्रतिशत भूमि पर वन होने चाहिए, जबकि भारत की कुल ग्यारह प्रतिशत भूमि पर वन हैं, जो किसी भी लिहाज से संतोषप्रद नहीं कहा जा सकता है।

इस मामले में राजनीतिक इच्छाशक्ति के महत्त्व का कम ही उल्लेख होता है। सरकारें जनसंख्या नियंत्रण के प्रति कभी गंभीरता नहीं दिखातीं और यह समस्या कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और नौकरशाही में उलझ कर रह जाती है। यद्यपि जनसंख्या की समस्या के प्रति भारत में सोच का कभी अभाव नहीं रहा। गर्भनिरोधकों के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए नगद राशि और अन्य उपहारों की व्यवस्था भी की गई। यह काम सरकारी तंत्र से करवाया गया। स्थानीय निकायों, जनप्रतिनिधियों या अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की इसमें कोई मदद नहीं ली गई। परिणामरूवरूप यह कार्यक्रम विफल हुआ। बंध्याकरण (नसबंदी) की कागजी खानापूर्ति हुई, प्रोत्साहन राशि अफसरों और सरकारी कमर्चारियों की जेबों में चली गई।

सन 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई, जिसमें परिवार नियोजन को प्रमुखता दी गई। उस दौरान ऐसी घटनाएं भी सामने आईं, जिनमें लक्ष्य पूरा करने के लिए अविवाहित नवयुवकों को भी पकड़ कर जबरन नसबंदी कर दी गई। परिणामस्वरूप पूरी योजना इतनी बदनाम हो गई कि देश का पूरा जनमानस परिवार नियोजन कार्यक्रमों के खिलाफ हो गया। आगे आने वाली सरकारों ने इसी कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम की जगह सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मी योजना प्रारंभ की, लेकिन यह योजना सरकार की गैर-जिम्मेदारी के कारण विफल रही।

जल संसाधन की दृष्टि से अनुमानतः प्रतिवर्ष औसतन चालीस करोड़ हेक्टेयर मीटर जल भारत में उपलब्ध है। चार महीनों के मानसून में तीस करोड़ हेक्टेयर मीटर वर्षा का जल जमा हो जाता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन और गरम हो रही धरती के कारण तीस करोड़ हेक्टेयर मीटर वर्षा कहीं पंद्रह करोड़ मीटर हेक्टेयर वर्षा पर न आकर सिमट जाए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंद्रह से बीस प्रतिशत लोगों को शुद्ध पेय जल उपलब्ध नहीं हो पाता है। अगर जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो पेय जल की बात तो दूर, सामान्य जल के लिए भी संघर्ष होगा। कारखानों का कचरा जल संपदा को भी अनुपयोगी बना रहा है। जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है। सरकारी नौकरियों की एक सीमा है और यह उन्हें ही मिलती है, जो कुशाग्र होते हैं। इतना ही नहीं, बढ़ी हुई आबादी के लिए अन्न जुटाना मुश्किल हो रहा है। जंगल काटे जा रहे हैं, पशुओं के चरने की जगह छीन कर खेती की जा रही है, फिर भी आवश्यकता भर अन्न पूरा नहीं होता। परिणामस्वरूप भुखमरी और बीमारी से एक बड़ी जनसंख्या काल के गाल में चली जाती है। ऐसी स्थिति में और अधिक आबादी बढ़ाना देश के लिए समस्याजनक ही होगा।

सभी विचारक और बुद्धिजीवी इस बात की बड़ी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं कि अगर देश में अर्थसंकट उत्पन्न नहीं करना है, तो तेजी से बढ़ती जनसंख्या को फौरन रोका जाए। दूसरे विद्वान आबादी नियंत्रण के लिए अनेक कृत्रिम उपाय सुझाते हैं। जो भी हो, इतना निश्चित है कि जनसंख्या वृद्धि से मानव जाति की कठिनाइयां दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आबादी इतनी विकट समस्या उत्पन्न करती है कि वह मानव का आत्मगौरव तथा आत्मशक्ति भी नष्ट कर देती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक आदि सभी क्षेत्रों में अनेक समस्याएं खड़ी हो गई हैं। इस कारण न लोगों को पौष्टिक भोजन मिल पा रहा है और न रहने को शुद्ध जलवायु और समुचित रहवास।

जिन देशों ने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता पाई है, वह राजनीतिक इच्छाशक्ति की बदौलत ही संभव हो पाया है। जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए चीन के प्रयासों से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। सन 1949 जनवादी क्रांति के बाद चीन एक अति पिछड़ा देश माना जाता था। पचास वर्ष बाद आज उसकी गिनती अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन के बाद सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्थाओं में की जाती है। इस देश ने जो उन्नति की है, उसमें सबसे ज्यादा योगदान उसकी जनसंख्या नियंत्रण नीतियों का रहा है। परिवार नियोजन की नीति के अंतर्गत विवाह की उम्र बढ़ाई गई, बच्चों के जन्म के बीच अंतराल बढ़ाया गया और बच्चों की संख्या एक तक सीमित रखी गई। सभी सरकारी अधिकारियों के लिए परिवार नियोजन अपनाना आवश्यक बना दिया गया। हर व्यक्ति को परिवार नियोजन के प्रति शिक्षित करने की व्यवस्था और आवश्यक सूचनाएं पहुंचाने की व्यवस्था गंभीरता से लागू की गईं। गर्भ निरोधक वस्तुओं और सुविधाओं को लोगों तक मुफ्त में पहुंचाया गया। लोगों का जीवन स्तर सुधारने का प्रयास किया गया। चीन द्वारा अपनाए गए इन कार्यक्रमों के कारण चौंसठ करोड़ बच्चों के जन्म को तीस वर्षों में रोका गया है। इन्हीं उपायों को अगर देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार भारत में भी लागू किया जाए, तो सफलता की आशा की जा सकती है।

किसान की परीक्षा

अतुल चतुर्वेदी

दुनिया मेरे आगे

हफ्ते भर पहले परीक्षाएं चल रही थीं, न केवल विद्यार्थियों, बल्कि किसानों और उनके धैर्य की भी। विद्यालय जाते-आते रास्ते भर सरसब्ज खेती के दृश्य दिखाई पड़ते हैं। दरअसल, कोटा से पचास किमी दूर यह क्षेत्र काश्तकारी के लिए जाना जाता है। जल की पर्याप्त उपलब्धता तथा उपजाऊ जमीन इसका प्रमुख कारण है। सरसों की फसल, जो कल तक अपना पीत सौंदर्य बिखेर रही थी, वह पक कर अब कटी हुई पड़ी है और खलिहानों में जाने की तैयारी हो रही है। खेतों में मजदूर लगे हुए हैं और सरसों के गट्ठर बांध कर डाल रहे हैं। पिछली बार यहां लहसुन की प्रचुर मात्रा में खेती की गई थी। कुछ किसानों को लहसुन के अच्छे दाम मिले, लेकिन शुरू में लहसुन के बाजार भाव ने उनकी कमर तोड़ दी और लागत का मूल्य भी नहीं मिल सका। कितनी परीक्षाएं लेती है कुदरत किसान की, मैं सोचता हूं। मेरे पास परीक्षा के प्रश्नपत्र होते हैं, जो कड़ी सुरक्षा में ले जाए जाते हैं, लेकिन किसान के पास ऐसी कोई सुरक्षा का बंदोबस्त है क्या? प्रकृति उसकी वरदायिनी है और वही उसकी कोपदायिनी। साथ में दिन-रात फसल की रक्षा के लिए खेतों में कांटेदार मेड़ बांधना, सिंचाई का प्रबंधन और महंगी होती बिजली की दरें तथा खाद के बढ़ते दाम से मुकाबला करना। बिजूका बना कर कीट-पतंगों, पंछियों, जंगली जानवरों से रक्षा अलग करनी पड़ती है।

इन दिनों प्रकृति अपने शबाब पर है। तरह-तरह के रंग बिरंगे परिधान ओढ़े खेत दिखाई देते हैं। कहीं लौकी के सफेद फूल हैं तो कहीं अलसी के नीले फूलों से अलग छटा बिखरी हुई है। 'नील परिधान बीच सुकुमार खिल रहा मृदुल अधखुला अंग'- प्रसाद की पंक्तियां मन में तैर जाती हैं। कहीं पर धनिया की फसल लहालहा रही है, लगता है जगत में व्याप्त हिंसा और अपराध के खिलाफ श्वेत वस्त्र धारण कर वह मौन और शांति का संदेश देना चाहती है। आगे बढ़ता हूं तो गेहूं के लहलहाते खेत हाथ हिला कर रुकने का आग्रह करते दिखाई देते हैं। मैं सोचता हूं कि ये भी हमारे विद्यार्थियों की तरह हैं। एक तरफ कक्षा बारह के विद्यार्थी, जो इस साल विद्यालय छोड़ कर चले जाएंगे, ये पीतमुखी हो रहे हैं। मानो गांव की स्मृतियों और धरोहर से जुदा होने का दुख इनके चेहरों पर उमड़ आया हो।

दूसरी ओर हरे हरे गेहूं के खेत मानों कक्षा दसवीं के विद्यार्थी, जिनकी परीक्षाओं के दौर अभी चल रहे हैं और इम्तिहान अभी बाकी हैं जीवन में। किसानों को लेकर हिंदी साहित्य में मैथिलीशरण गुप्त से लेकर निराला, केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन तक ने कलम चलाई है और उनके जीवन को रेखांकित करने का ईमानदार प्रयास किया है। हालांकि आज के जीवन संघर्षों में किसान हारा नहीं है, उसकी आस्थाएं और श्रम के प्रति समर्पण का भाव डगमगाया भी नहीं है। प्राण-पण से अपनी माटी को स्नेह करते हुए वह संपूर्ण मानव जाति के लिए अन्न उत्पादन में लगा हुआ है, लेकिन उसकी परीक्षाओं के दिन खत्म नहीं होते।

कभी असमय वर्षा का खतरा, तो कभी सूखे की चुनौती। अभी जब कुछ दिन पहले बारिश हुई और कुछ क्षेत्रों में ओला वृष्टि हुई, तो किसानों के मुखमंडल पर चिंता की गहरी लकीरें मैंने समझने की कोशिश की। उनकी फसलें तैयार खड़ी थीं और मौसम रंग दिखा रहा था। उनके चेहरों पर कुछ ऐसे भाव थे जैसे हमारे नौनिहाल कहीं दूर देश में संकटग्रस्त स्थिति में फंस गए हों और लाचार मां-बाप चुपचाप ताक रहे हों।

आगे बढ़ने पर चने की खेती दिखती है। उसके एक से डेढ़ फुट के पौधे और गुलाबी फूल एक निराली शोभा प्रकृति में फैलाते हैं। एक बुजर्ग किसान बताते हैं कि इस बार देखिए, आमों में बौर कैसे भर के आया है...। मैं पूछता हूं- तो? वे बताते हैं कि जिस वर्ष आम्र मंजिरयां बहुतायत में आती हैं उस साल फसल बढ़िया होती है। यह कह कर उनके अंदर का उल्लास शिशुवत बाहर झलक आता है। मुझे नागार्जुन की पंक्तियां सहसा स्मरण हो उठती हैं- 'वे हुलसित हैं, अपनी ही फसलों में डूब गए हैं, तुम हुलसित हो चितकबरी चांदनियों में खोए हो, उनको दुख है, नए आम की मंजरियों को पाला मार गया है...'। लेकिन इस बार वे सचमुच हुलसित हैं, आम की मंजरियों को पाला नहीं मारा है। जैसे मैं खुश होता हूं, जब मेरे स्कूल के बच्चे बेहतर परीक्षा परिणाम देते हैं।

उनके प्रश्नपत्र के बाद दंतुरित मुस्कान और चहकते वार्तालाप आने वाले भविष्य का मंजर बता देते हैं। ऐसे ही ये धरती पुत्र अपनी फसल रूपी शिशुओं के उम्दा प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, आह्लादित हैं... उन्हें भी उम्मीद है कि इस वर्ष उनके कर्ज कम हो जाएंगे, उनकी ललनाओं के हाथ पीले हो सकेंगे... घर की दीवारों पर पलस्तर हो सकेगा। इस परीक्षा में उन्हें भी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने की उम्मीद है।

ठोस पहल की जरूरत

भारत में बंदी के बाद से बड़ी संख्या में आंतरिक प्रवासी, जो दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, गुजरात जैसे राज्यों में कारखाना कर्मचारी, सफाई कर्मचारी, दैनिक मजदूर आदि के रूप में कार्यरत थे, उन्होंने अपने घर लौटने का फैसला कर लिया। बहुसंख्यक लोग पैदल ही अपने गंतव्य पर निकल चुके थे। यह पलायन विवाद का विषय बन गया, जब उत्तर प्रदेश की सीमा पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। फिर उत्तर प्रदेश सरकार और दिल्ली सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। पर देखा जाए तो गलती उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से हुई थी, क्योंकि उसने फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए कुछ बसें आनंद विहार से चलाई थी। यह खबर सब जगह फैल गई, और पलायन और तीव्र हो गया। दिल्ली सरकार ने भी हरियाणा और पंजाब से आ रहे लोगों को आनंद विहार तक पहुंचने से रोकने के लिए कठोर कदम नहीं उठाए, जैसा कि इस संकट की घड़ी में अपेक्षित था। हालांकि दिल्ली सरकार ने प्रवासियों के लिए भोजन और रहने का समुचित इंतजाम किया था, लेकिन इन प्रवासियों को समझाने और रोकने में उसे सफलता नहीं मिली। पर यह भी प्रश्न है कि जब दिल्ली पुलिस राज्य सरकार के अधीन नहीं आती, तो वह प्रवासियों को रोकने के लिए कदम कैसे उठा सकती थी। समग्रता से देखें तो इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी दिखी।

निश्चित तौर पर प्रारंभिक चरण में जिन क्षेत्रों में ये प्रवासी गए होंगे, वहां कोरोना के प्रसार की संभावना है। प्रारंभिक चरण में किसी भी राज्य सरकार द्वारा इन प्रवासियों की प्रारंभिक जांच नहीं कराई गई। भारत में आंतरिक प्रवासियों की संख्या करोड़ों में है, जिन्हें चिह्नित कर पृथक करना किसी भी राज्य सरकार के लिए मुश्किल है। ऐसे में समस्त नागरिकों का कर्तव्य बनता है कि अगर उनके गांव, कस्बे या नगर में कोई भी व्यक्ति अन्य प्रदेश से आया है, जिसने अपने आप को पृथक नहीं किया है, उसकी सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, जिससे समाज में इस संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके और हम स्वयं अपने और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

हमारी व्यवस्था में बहुसंख्यक गरीबों की तुलना में संपन्न लोगों को ही तरजीह दी जाती है। गरीब मजदूरों का नाम लेकर बड़े लोग अच्छे-अच्छे भाषण जरूर देते हैं, मगर असलियत में इनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता। वरना सैकड़ों किलोमीटर पैदल चल कर बरेली पहुंचे गुरबत के मारों को सड़क पर बैठा कर उन पर कीटनाशकों का छिड़काव कौन करता है। यह अमानवीय कृत्य उप्र प्रशासन ने किया। पूरे विश्व ने इसे देखा। पूरे विश्व से भारतीयों को हवाई जहाजों में भर कर भारत लाया गया। क्या उनके शरीर पर इस तरह का छिड़काव किया गया? नहीं। क्योंकि विदेशों में रहने वाले सुविधा संपन्न लोग हैं। पैदल यात्रा करने वाले शोषित वर्ग के हैं। इनका चाहे जितना शोषण होगा, कोई उफ तक नहीं करेगा। मीडिया भी कुछ नहीं बोलेगा। यह निहायत अमानवीय काम था।

● *जंग बहादुर सिंह, गोलपहाड़ी, जमशेदपुर*

असुरक्षा का दायरा

जिन मकान मालिकों ने डॉक्टरों को घर से निकालने की धमकी दी थी, उन पर दिल्ली प्रशासन ने कार्रवाई करने की चेतावनी जारी की थी। ऐसी चेतावनी उन मिल मालिकों को भी दी जाती, जिन्होंने मजदूरों को काम से निकाल दिया और वे बेघर होकर अपने गांव जाने को मजबूर हो गए। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि बंदी के दौरान कोई भी मिल मालिक अपने मजदूरों को न निकाले और उन्हें पूरा वेतन दे। अगर यह सावधानी रखी जाती तो बड़ी संख्या में मजदूरों के पलायन को रोका जा सकता था और कोरोना संक्रमण का भय भी नहीं होता।

● *नवीन थिरानी, नोहर*

चिंता की दर

कहते हैं जब मुसीबत आती है तो चारों तरफ से आती है। कोरोना लंबे समय तक हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता रहेगा, ऐसे में आर्थिक विकास की दर कैसे स्थिर रह सकती है? अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रख्यात शोध एजेंसियों के दावे और आईएनजी बैंक की रिपोर्ट के दावे को मानें तो भारत के आर्थिक विकास दर काफी गिर सकती है। बंदी बैंकिंग क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित करेगी। राजकोषीय घाटा भी काफी बढ़ सकता है। ये रिपोर्टें और दावे चिंता बढ़ाने वाले हैं। विकास दर बढ़ाने के तमाम विकल्पों पर अभी से गौर करना होगा, तभी हम संकट से उबर सकेंगे।

● *अमृतलाल मारू 'रवि', धार, मध्यप्रदेश*

क्यों नहीं सोचते

वैश्विक महामारी कोरोना को हराने के लिए हमारे यहां सशक्त कदम उठाए गए हैं। पर इस खामोशी ओर दहशत भरे माहौल में भी कुछ लोग फर्जी खबरें, खौफनाक ऑडियो-वीडियो आदि वायरल करने में पीछे नहीं। आखिर क्यों नहीं ये लोग कि वे भी समाज और देश का हिस्सा हैं। दहशत और खौफनाफ माहौल पैदा कर क्या इस माहमारी को रोकने में मदद मिलेगी। ये लोग क्यों नहीं सोचते कि उनकी इस नादानी से कितने लोगों की मानसिकता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा? क्यों नहीं सोचते कि कई कमजोर दिल वाले लोग अवसाद का शिकार हो सकते हैं। क्या समाज में रह कर ऐसा भयावह माहौल पैदा करना जरूरी है? नकारात्मक सोच वाले इन लोगों से फिर कैसे राष्ट्रभक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं? आज के दौर में आवश्यकता है समाज और देश में नई उर्जा और सकारात्मक संदेशों को एक-दूसरे तक पहुंचाने की। ऊर्जावान, ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी संदेशों की, ताकि वे पीड़ित और प्रभावित वर्ग के लिए संजीवन साबित हों। देश में सकारात्मक योगदान के भागीदार बनें, तभी हमारी संस्कृति, सभ्यता का सही रूप सामने आएगा।

● *योगेश जोशी, कंवर कॉलोनी, बड़वाह*

भय के बीच

टीबी से लेकर मलेरिया तक ने अपने-अपने वक्त में खौफ और गरीबी के नए-नए अध्याय लिखे हैं। कहते हैं, जिंदगी के रंगमंच से निकली 'शो मस्ट गो ऑन' की पीड़ा बुरे हालात पर जीत हासिल करने का हौसला देती है। कोरोना की दहशत ने जहां अमीर देशों को गरीबी के कगार पर खड़ा कर दिया है, वहीं गरीब देशों की गरीबी लोगों को निगलने के लिए बेताब है। जब तक दुनिया इस विषाणु के आतंक का अंदाजा लगा पाती, हम उसकी गिरफ्त में आ चुके थे। अचूक इलाज के तौर पर बंदी और सामाजिक दूरी का सहारा क्या लिया, रोजगार के सारे रास्ते बंद हो गए। भूख की ऐंठन ने गरीबों को पलायन के रास्तों पर ला खड़ा किया। गांव की तरफ बेतहाशा भागती भीड़ को मौत नहीं, भूख का डर सताने लगा। इस भय से सहमे करोड़ों लोगों को बाहर निकालना निश्चित रूप से बड़ी चुनौती है।

● *एमके मिश्रा, रातू, रांची, झारखंड*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

जनसत्ता
सबरंग
3 अप्रैल, 2020 7

नई फिल्म

- निशब्दम्
- *सरकार की सेवा में*
- केटीना

बॉक्स ऑफिस

फिल्म	कुल कमाई
अंग्रेजी मीडियम	9.36 करोड़
बागी 3	93.07 करोड़
थप्पड़	*30.05 करोड़*
शुभ मंगल ज्यादा सावधान	55.55 करोड़

1 अप्रैल तक की कमाई

जन्मदिन

प्रभु देवा	3 अप्रैल
विक्रांत मेस्सी	3 अप्रैल
लीसा रे	4 अप्रैल
स्वरा भास्कर	*9 अप्रैल*

कृपया घर में ही रहें : अक्षय कुमार

आरती सक्सेना

इन दिनों देश अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है और फिल्मों का प्रदर्शन भी इससे बच नहीं पाया है। अक्षय कुमार की फिल्म 'सूर्यवंशी' रिलीज के लिए तैयार है। लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए फिल्म की रिलीज टाल दी गई है। अक्षय इन दिनों अपने वीडियो के जरिए लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक कर रहे हैं। वे लोगों से घर में ही रहने की अपील कर रहे हैं।

सवाल : 28 सालों से फिल्मों में काम कर रहे हैं। आपकी फिल्में हिट हो रही हैं। आखिर सफलता का गुरुमंत्र क्या है?

● मैं जब फिल्मों में संघर्ष कर रहा था तब मैंने एक किताब पढ़ी थी। इसमें लिखा था कि अच्छा इंसान ही अच्छा अभिनेता बन सकता है। सहज अभिनय ही दर्शकों के दिलों को छूता है। इसमें धोखाधड़ी नहीं चलती। शायद मेरी सफलता की एक वजह यह भी हो।

सवाल : आपको कई स्टारों वाली फिल्मों में काम करना अच्छा लगता है या एक हीरो वाली फिल्म में?

● मल्टीस्टारर फिल्मों का अपना अलग मजा हैं। जब स्टार्स ज्यादा होते हैं तो सेट पर धमाल भी ज्यादा होता है। काम के साथ मनोरंजन भी हो जाता है। मगर मुझे उन फिल्मों में काम करना अच्छा लगता है, जिनमें कोई संदेश दिया गया हो। ऐसी फिल्में करने से मुझे संतुष्टि मिलती है।

सवाल : 'सूर्यवंशी' मल्टीस्टारर भी है और क्या इसमें कोई संदेश भी है?

● हां। 'सूर्यवंशी' बहुत अच्छी फिल्म हैं। इसमें संदेश और मनोरंजन दोनों है। ढेर सारे कलाकार होने के कारण शूटिंग में मजा आया। फिल्म में मेरे साथ अजय देवगन, कैटरीना कैफ और रणवीर सिंह भी हैं। रोहित शेट्टी की पिछली फिल्में 'सिम्बा' और 'सिंघम' की तरह यह भी धमाकेदार है। मुझे उम्मीद है दर्शक इसे पसंद करेंगे।

सवाल : क्या कोरोना फैलाव के कारण आपकी फिल्म का प्रदर्शन स्थगित हुआ है?

● हां। निमार्ता का फैसला सही है। जिस तरह से कोरोना का फैलाव हो रहा है उसे देखते हुए सिनेमाघरों में भीड़ इकट्ठी होना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए सिनेमाघर बंद किए गए हैं। मेरा मानना है कि जो होता है, अच्छे के लिए होता है। जान है तो जहान है। फिल्म तो कभी भी रिलीज हो सकती है। कोरोना के काबू होने और देश की स्थिति सामान्य होने के बाद फिल्म रिलीज हो जाएगी। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने को सुरक्षित रखें। कृपया घर में रहें।

सवाल : आप खुद भी लोगों को जागरूक कर रहे हैं...

● मुझे अपने देश से प्यार है। मुझे जब भी मौका मिलता है मैं लोगों की भलाई के लिए कुछ न कुछ करता हूं। हमारे नागरिक स्वस्थ और सचेत हों। मुझे लोगों की चिंता है। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो जरूरी निदेर्शों का पालन नहीं करते। उनकी लापरवाही औरों के लिए संकट खड़ा कर सकती है। मैं फिर अपील करता हूं कि समय समय पर जारी निदेर्शों का सख्ती से पालन करें। अपने घर में रहें। परिवार के लोग बच्चों और बुजुर्गों का खास खयाल रखें।

सवाल : आपने प्रधानमंत्री राहत कोष में 25 करोड़ रुपए भी दिए हैं। हमारे देश के समर्थ लोग भी संकट के समय आगे आकर मदद करें क्या आप ऐसी अपील करेंगे?

● समर्थ ही नहीं मैं सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि संकट के समय में लोगों की मदद करने के लिए आगे आएं। उनके सहयोग से देश मुसीबत से बचेगा। ट्वीट और भाषण अपनी जगह हैं। लोग एकजुट हो जाएं तो क्या नहीं हो सकता है। मैंने 25 करोड़ देकर कोई महान काम नहीं किया है। अपनी

मां के आशीर्वाद से भारत माता के लिए थोड़ा-सा योगदान है यह। वक्त बुरा है लेकिन लोगों के सहोयग से यह वक्त भी जल्द ही निकल जाएगा।

सवाल : मुंबई फिल्मजगत में हमेशा हीरो और हीरोइनों के मेहनताने में अंतर को लेकर विवाद होता है। यह माना जाता है कि यहां हीरोइनों को हीरो के मुकाबले कम मेहनताना मिलता है?

● काबीलियत और मेहनत के आधार पर पारिश्रमिक मिलना चाहिए। मैं इस बात को मानता हूं। हीरो-हीरोइन में भेद को नहीं मानता।

सवाल : फिल्मों में लेखकों के योगदान पर क्या कहेंगे?

● मेरी सफलता में लेखकों का योगदान रहा है, मैं इसे मानता हूं। अगर अच्छी कहानी नहीं होगी तो कलाकार भी कुछ नहीं कर पाएंगे। अगर आप ध्यान से विश्लेषण करेंगी तो पता चलेगा कि कलाकारों और फिल्म की सफलता में लेखकों का अहम योगदान होता है। अगर कहानी दमदार नहीं होगी तो सब कुछ बेकार हो जाएगा।

खबर कोना

कार्तिक आर्यन की फैन हुई कंगना

दीपिका पादुकोण के बाद अब कंगना रनौट ने कार्तिक आर्यन की जमकर तारीफ की है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान कंगना ने बॉलीवुड में मौजूद असली प्रतिभा के बारे में चर्चा करते हुए कार्तिक आर्यन का नाम लिया। कंगना ने कहा, 'प्रतिभाशाली लोग, जैसे प्यार का पंचनामा के अभिनेता कार्तिक आर्यन, मैंने उनकी फिल्में देखी नहीं हैं लेकिन वे बेहद प्रतिभावान हैं। जैसे कि अक्षय कुमार खिलाड़ी थे, उनका अपना चार्म है, उन्हें आमिर खान होने की जरूरत नहीं थी, वे अक्षय कुमार बने रहे और अब यह उनकी विरासत है। लोगों को अपने व्यक्तित्व को बरकरार रखना चाहिए। अगर कोई कार्तिक आर्यन की नकल करना चाहे तो नहीं कर सकता, है न? या गोविंदा की भी नकल नहीं कर सकता क्योंकि वे असली प्रतिभा के धनी हैं और मुझे ऐसे ओरिजिनल टैलेंट पसंद हैं।''प्यार का पंचनामा' से अपने फिल्मी करिअर की शुरुआत करने वाले कार्तिक आर्यन की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। आपको बता दें कि कुछ समय पहले दीपिका पादुकोण ने भी कार्तिक का गुणगान किया था।

अजय देवगन ने 51 लाख रुपए की मदद की

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने कोरोना वायरस संकट के बीच आज फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने (एफडब्ल्यूआइसी) इम्पलॉइज को 51 लाख रुपये की मदद दी। एफडब्ल्यूआइसी के चीफ एडवाइजर और फिल्ममेकर अशोक पंडित ने एक वीडियो संदेश के जरिए इस बात की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, 'डियर अजय देवगन 5 लाख सिने मजदूरों की भलाई के लिए एफडब्ल्यूआइसी को 51 लाख रुपये की सहायता देने के लिए हम आपका शुक्रिया अदा करते हैं। आपने हर बार खुद को साबित किया है, खास कर मुसिबत की घड़ी में कि आप हकीकत में एक सिंघम हैं। गॉड ब्लेस यू। अजय से पहले रोहित शेट्टी भी इस फेडरेशन को 51 लाख रुपये दान कर चुके हैं। उनके अलावा कई और सितारे भी इस मुश्किल घड़ी में मदद करने आगे आए हैं। सलमान खान ने भी एफडब्ल्यूआइसी से 25000 मजदूरों के बैंक अकाउंट नंबर मांगे हैं, ताकि सीधे उनके खाते में पैसे भेज सकें।

बेसन के लड्डू बनाती मलाइका

लॉकडाउन के चलते सभी सितारें घरों में रहने को मजबूर है। घरों में रहने के दौरान ये सितारें घर की सफाई तो डांस व कसरत की तस्वीरों या वीडियो को अपने सोशल नेटवर्किंग साइट पर प्रशंसकों के लिए साझा कर रहे हैं। इस बीच आइटम गर्ल मलाइका अरोड़ा का भी एक वीडियो बेहद लोकप्रिय हो रहा है। इस वीडियो में मलाइका लड्डू बनाती नजर आ रही हैं। दरअसल मलाइका को खाना बनाना बहुत पसंद है। लेकिन व्यस्ता के कारण वो खाना नहीं बना पाती थी। अब वह अपनी कुकिंग को पूरा समय दे रही हैं। मलाइका ने वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, 'खाना पकाओ, साफ-सफाई करो, वर्कआउट करो, पॉजिटिव रहो, सो जाओ, परिवार के साथ समय बिताओ, यही रिपीट करो, घर में ही रहो।' मलाइका इन दिनों घर पर खाना पकाने से लेकर हर वो काम कर रही हैं, जिससे वह खुद को व्यस्त रख सकें।

आलिया और रणबीर की 'शादी' का फोटो

बॉलीवुड गलियारों में लंबे समय से आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के प्यार के चर्चे हैं। कुछ समय से तो दोनों की शादी की खबरें भी काफी आ रही थीं। इसी बीच एक फोटो सामने आई है जिसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर दुल्हा-दुल्हन के लिबाज में दिख रहे हैं। बता दें कि विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्केच साझा किया है जिसमें आलिया और रणबीर दुल्हा-दुल्हिन के लिबाज में दिख रहे हैं। जब आलिया से शादी की खबरों पर सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था, 'मुझे नहीं पता अभी कौनसी अफवाह उड़ रही है। मुझे लगता है कि हर तीन हफ्तों में कोई न कोई नई तारीख सामने आ जाती है। मुझे ये बहुत मनोरंजक लगता है। इसमें मुझे सिर्फ मनोरंजन दिखता है।' इससे पहले आलिया के पापा महेश भट्ट ने दोनों की शादी की खबरों पर कहा था, 'हां दोनो प्यार में हैं।

यादों में बसी निम्मी

डा. दीप्ति गुप्ता

'आन', 'बरसात', और 'दीदार' जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकीं 1950 से 1960 के दशक की मशहूर अभिनेत्री नवाब बानो उर्फ निम्मी एक चुलबुली, नटखट, भोली-भाली लड़की के रूप में दर्शकों का मन मोहती रही! बाद में उनकी नम आंखों, दर्द भरी मुस्कान और भाव-भरी उदास आवाज पर दर्शक मर मिटे। देखते ही देखते उनकी डबडबाई आंसू छलकाती बड़ी-बड़ी खूबसूरत आंखें सबकी चहेती हो गई !

स्मृति शेष

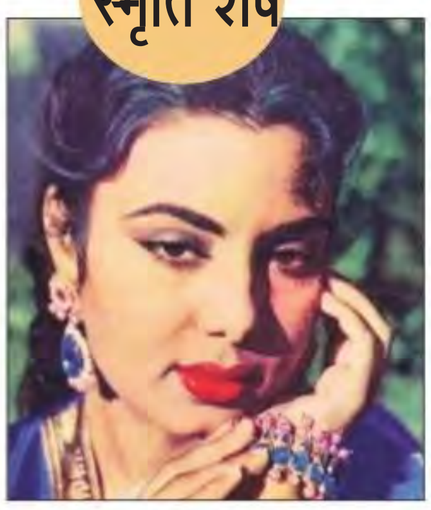

पहले उनके पिता अब्दुल हकीम फिल्मों में आए। फिर गायिका मां वहीदन, लेकिन वे कुछ ही समय काम कर पाईं। फिर ऐसी बीमार पड़ीं कि उबर नहीं पाईं। मां का इंतकाल हुआ तो निम्मी मुंबई से एबोताबाद (पाकिस्तान) नानी के यहां चली गईं। विभाजन हुआ तो वे वापस नानी के साथ मुंबई आ गईं। पिता ने दूसरी शादी कर ली, तब से उनसे भी अधिक संपर्क नहीं रहा।

मां के महबूब खान से अच्छे संबंध थे। उनकी फिल्म अंदाज की शूटिंग देखने निम्मी सेंट्रल स्टूडियो गई थीं, जहां महबूब साहब, राज कपूर, दिलीप कुमार और नरगिस उपस्थित थे। नरगिस की मां जद्दन बाई वहां बैठी थीं। उन्होंने कहा, 'बेटी, खड़ी क्यों हो, कुर्सी पर बैठ जाओ।' ब्रेक होने पर, राज कपूर जद्दन बाई से मिलने आए। उनसे हालचाल पूछ कर जाने लगे तो, एकाएक पलट कर बोले कि ये लड़की कौन है? जद्दन बाई ने बताया कि महबूब खान की जान पहचान की कोई लड़की है!

राज कपूर साहब के नाम पूछने पर निम्मी घबरा गई थी। नाम बताया तो मशहूर फिल्मकार ने पूछा, 'फिल्म में काम करोगी?' निम्मी नजरें झुकाए खड़ी रहीं। राज कपूर झपट कर कहीं से लाल रंग का कलावा लेकर आए और निम्मी से कहा, 'लो, इसे मेरी कलाई पर बांधो, आज से तुम मेरी बहन और मैं तुम्हारा भाई और हां, ये तुम्हारा इतना बड़ा व भारी नाम फिल्मों में नहीं चलने वाला। मैं तुम्हारा नाम निम्मी रख देता हूं। ठीक है? बुरा तो नहीं लगा?' निम्मी ने कहा, 'अच्छा है।'

इस तरह निम्मी 'बरसात' की सहनायिका बन गई। नानी छोटी उम्र में निम्मी के फिल्मों में काम करने के पक्ष में नहीं थी। लेकिन महबूब खान ने उन्हें राजी कर लिया। 'जिया बेकरार है...', 'बरसात में हमसे मिले तुम...' गाने 'बरसात' में निम्मी पर फिल्माए गए और वह रातों-रात दर्शकों की चहेती बन गईं। दिलीप साब के साथ 'उड़नखटोला', 'दीदार', 'दाग', 'अमर', 'आन' में निम्मी की जोड़ी बनी। 1952 में महबूब खान ने उन्हें 'आन' में महत्वपूर्ण भूमिका दी।

बहुत कम लोगों को पता है कि निम्मी गाती भी थीं! केदार शर्मा की बेदर्दी में उन्होंने अभिनय के साथ-साथ गाने भी गाए थे। निम्मी को इस बात का अफसोस रहा कि 1958 में उन्होंने बीआर चोपड़ा की 'साधना' ठुकरा दी थी। दूसरा अफसोस 1963 की 'मेरे महबूब' में मिलने वाली नायिका की भूमिका छोड़ बहन की भूमिका लेने का रहा! यह उनकी बड़ी भारी गलती थी!

इसके बाद उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया। निम्मी ने 1966 में मशहूर अफसानानिगार, पटकथा व संवाद लेखक अली रजा से शादी की!

वह जुहूतारा के खूबसूरत अपार्टमेंट में अकेली ही रहा करती थी। 25 मार्च को उनके इंतकाल की खबर मिली, सुनकर एकाएक आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। उनसे हुई बातचीत, मुलाकात किसी फिल्म के फ्लैश बैक की तरह आंखों के आगे चलने लगा। मगर अब निम्मी नहीं थीं, बस उनकी यादें थीं।

सेल्फी

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने लॉकडाउन के नौवें दिन अपनी मुस्कुराते हुए एक सेल्फी सोशल साइट पर साझा की।

परवीन बाबी (4 अप्रैल 1949-20 जनवरी, 2005)

खूबसूरत आगाज, दर्दनाक अंत

गणेशनंदन तिवारी

हमारी याद आएगी

कानून को टेंगे पर रखने और व्यवस्था के खिलाफ बगावत करने वाले एंग्री यंगमैन के साथ-साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए 70 के दशक में ऐसी ग्लैमरस अभिनेत्रियों की जरूरत थी जो बेपरवाह, बिंदास, बेधड़क हो। जो सामाजिक नियमों का राजमार्ग छोड़ आजाद खयाली की पगडंडी पकड़े और उसके साथ कंधे-से-कंधा मिला कर चलें। फिर चाहे जुर्म की दुनिया में ही चलना क्यों न हो। धांय-धांय गोलियां चला रिवॉल्वर की नली में फूंक मारते एंग्री यंगमैन के साथ दो आधुनिक खयाल अभिनेत्रियां परदे पर उतरीं। एक थीं लॉस एंजिलिस, अमेरिका में पढ़ी जीनत अमान। दूसरी थीं अंग्रेजी में बीए पास परवीन बाबी, जिनकी कल 71वीं जयंती है। परवीन का आगाज खूबसूरत था। बॉलीवुड की चोटी की हीरोइनों में शुमार परवीन शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचीं मगर मौत भूख से हुई। तीन दिनों तक तो किसी ने उनकी खैरखबर तक नहीं ली थी।

जूनागढ़ रिसायत से जुड़े वली मोहम्मद खान के यहां शादी के 14 सालों बाद 1949 में किसी संतान ने जन्म लिया था। बधाइयां गाईं, शहनाइयां बजाई गईं। आजादी के बाद रिसायतें छिन्नभिन्न हो गईं, मगर खान साब का रुतबा कम नहीं था। यह इकलौती संतान थी परवीन बाबी। परवीन ने अंग्रेजी में बीए किया। 1972 में मॉडलिंग की दुनिया में ऐसा तहलका मचाया कि चार सालों में 'टाइम' के मुखपृष्ठ पर जा विराजीं। 1973 में 'चरित्र' से फिल्मों में उतरीं परवीन ने इसके निमार्ता-निर्देशक बीआर इशारा को खूब चक्कर लगवाए। मगर एक दर्जन फिल्में बना चुके और 'चेतना' जैसी लीक तोड़ने वाली फिल्म बनाकर हंगामा मचाने वाले इशारा ऐसे चिपकू निकले कि परवीन से हां कहलवा कर ही माने।

तब बॉलीवुड में सामाजिक फिल्मों का दौर जा रहा था और एक्शन फिल्में छाने लगी थीं। एंग्री यंगमैन परदे पर उतर चुका था, जिसके नशे का खुमार फिल्म प्रेमियों पर मादक पदार्थ की तरह धीरे-धीरे चढ़ रहा था। इसमें ग्लैमर के तड़के की जरूरत थी और यह ग्लैमर परवीन ने मुहैया करवाया। उनकी छवि उसके अनुकूल थी। खुलेआम सिगरेट, शराब ही नहीं लिव-इन रिलेशनशिप उनकी जीवनशैली थी, जिसने बॉलीवुड के समझदार कारोबारियों को उनकी ओर आकर्षित किया। उन्होंने बाबी को एंग्री यंगमैन के साथ ऐसा जोड़ा कि एक दो नहीं 11 फिल्मों में गुस्सैल नायक और ग्लैमरस नायिका का साथ चला। जोड़ी फिट, गाने हिट, फिल्में सुपर हिट। शोहरत और दौलत बाबी के कदम चूम रही थी।

शोहरत ऐसी पतंग है जो हमेशा आसमान में नहीं रहती। परवीन को भी इसी नियति का सामना करना पड़ा। 30 जुलाई, 1983 में वह अचानक गायब हो गईं। भारत छोड़ दुनिया के देशों में घूमने लगीं। पता चला अमेरिका के जॉन एफ कैनेडी एअरपोर्ट पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि वह अपनी पहचान के दस्तावेज नहीं दिखा पाईं थीं। उन्हें ऐसे वार्ड में रखा गया जहां पहले से 30 मानसिक रोगी मौजूद थे। मगर इनके बीच भी इस बिंदास बाला को भारतीय काउंसल जनरल ने मुस्कराते देखा था।

नवंबर, 1989 में बाबी भारत लौटीं और उन्होंने तूफान खड़ा कर दिया। 11 फिल्मों में साथ काम करने वाले अमिताभ से उन्होंने जान का खतरा बताया। दुनिया के कई प्रमुख लोगों को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। मगर यह प्याली में तूफान जैसा था। उन्हें पैरानाइड स्क्रीजोफेनिया का मरीज बताया गया। बाबी ने खुद को कालूमल इस्टेट के एक फ्लैट में बंद कर लिया। वह मधुमेह की मरीज थीं। पांव में गैंगरीन हो गया था। इसी फ्लैट में तीन दिनों तक उनकी लाश पड़ी रही। ढेर सारे दोस्त थे, मगर किसी ने खैरखबर नहीं ली। पोस्टमार्स्टम में पता चला कि उनके पेट में अन्न का एक दाना नहीं है। ऐसा दर्दनाक अंत शायद ही किसी अभिनेत्री के हिस्से में आया होगा।

www.readwhere.com

पूर्ण बंदी पर सोनिया गांधी की टिप्पणी असंवेदनशील : नड्डा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 2 अप्रैल।

कोरोना विषाणु संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश में लगाई गई 21 दिन की पूर्ण बंदी पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की टिप्पणी को भाजपा ने असंवेदनशील करार दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कहना है कि बंदी पर सोनिया गांधी की टिप्पणी असंवेदनशील है। यह राजनीति का वक्त नहीं है बल्कि एकजुट होकर देश की सेवा करने का समय है।

भाजपा अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा कि आज जब संपूर्ण देश एकजुक होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना विषाणु संक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, उस समय कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से दिया गया बयान संवेदनहीन और अशोभनीय है। यह राजनीति करने का नहीं, देश की सेवा करने का समय है। हमें एकजुट होकर लड़ना है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार के प्रयासों की सराहना हो रही है। प्रधानमंत्री सभी राज्य सरकारों को साथ लेकर टीम इंडिया के रूप में इस लड़ाई को लड़ रहे हैं। कठिन समय में कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के रूप में काम करना चाहिए।

नौ हजार तबलीगी पृथक : गृह मंत्रालय

पेज 1 का बाकी

गई है, उनमें तबलीगी जमात के 1306 विदेशी सदस्य हैं और बाकी भारतीय हैं। विदेशियों में से 960 लोगों के वीजा रद्द कर उन्हें काली सूची में डाल दिया गया है।

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया कि अभी तक जिन नौ हजार तबलीगी जमात के कार्यकर्ताओं और उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान हुई है, उनमें 1306 विदेशी हैं और बाकी भारतीय हैं। गृह मंत्रालय ने राज्यों से संपर्क कर ये आंकड़े जुटाए हैं। इसी के साथ सरकार ने तबलीगी जमात के 960 विदेशी सदस्यों का वीजा रद्द कर दिया है।

निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के करीब 2000 कार्यकर्ता थे। इनमें करीब ढाई सौ विदेशी थे। इनमें 1,804 को पृथक किया गया है और 334 को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने यहां निजामुद्दीन क्षेत्र में तबलीगी जमात कार्यक्रम में शामिल होने के बाद विभिन्न मसजिदों में ठहरे 275 विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें पृथक किया है।

इन 275 विदेशी नागरिकों में इंडोनेशिया से 172, किर्गिस्तान से 36, बांग्लादेश से 21, मलेशिया से 12, अल्जीरिया से सात, अफगानिस्तान और अमेरिका से दो-दो और फ्रांस, बेल्जियम और इटली का एक-एक नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 84 लोग उत्तर पूर्वी दिल्ली में और 109 लोग मध्य दिल्ली जिले में ठहरे हुए थे।

असम के ग्वालपाड़ा में कोविड-19 के तीन नए मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि ये लोग दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में पिछले महीने तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। मंत्री ने बताया कि संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जा रहा है।

पूर्णबंदी से संक्रमण को रोकने में मिल सकती है मदद : अध्ययन

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

वैज्ञानिकों का मानना है कि देश में 21 दिन के बंदी की वजह से कोरोना वायरस के संभावित मामलों में बंद के 20वें दिन तक 83 फीसदी कमी लाने में मदद मिल सकती है। उत्तर प्रदेश के शिव नादर विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं के अध्ययन ने इस बंद को लेकर उम्मीद की किरण जगाई है क्योंकि लक्षण दिखने वाले लोगों को इस वजह से एक या दो दिन में ही अलग किया जा रहा है।

अध्ययन में यह बात भी कही गई है कि अगर बंद के रूप में हस्तक्षेप नहीं किया जाता तो संक्रमित लोगों की अनुमानित संख्या 2,70,360 तक पहुंच जाती और 5,407 लोगों की मौत हो जाती।

शिव नादर विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर समित भट्टाचार्य ने कहा, 'हम यह भी मानते हैं कि इससे 80 से 90 फीसदी लोग सामुदायिक दूरी में रह रहे हैं।' भट्टाचार्य ने कहा कि इस तरह की आशावादी स्थिति में हमने अनुमान लगाया है कि लॉकडाउन के पहले दिन से लेकर 20वें दिन तक में लक्षण दिखने वाले 83 फीसदी मामले कम हो सकते हैं। यानी इस तरह से संभावित 30,790 में से 3,500 लोग ही संक्रमित होंगे और 619 संभावित मौतों में से 105 ही मौत होंगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 1,965 तक पहुंच गई है जबकि मरने वालों की संख्या 50 है। अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि देश में बंद की वजह से संक्रमण का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचार होने की गति धीमी होगी और संक्रमण के मामले कम होंगे।

कोरोना संकट के बीच डॉक्टरों, पुलिस कर्मियों पर हमले

पेज 1 का बाकी

कि दक्षिणी 24 परगना और पश्चिमी मिदनापुर जिलों में त्वरित प्रतिक्रिया बलों ने जब लोगों को इकट्ठा होने से रोका तो उन पर पथराव किया गया।

अधिकारी के अनुसार बुधवार रात को दक्षिणी 24 परगना जिले के भंगोर इलाके में गश्त के दौरान कुछ युवाओं को जमा होने से रोका तब उन लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके और उन्हें धक्का भी दिया। इस घटना में चार कांस्टेबल और एक उप निरीक्षक घायल हो गए। साथ ही पुलिस का वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। एक अन्य घटना में पश्चिमी मिदनापुर जिले के गोलतोड़ क्षेत्र में लोगों को एक चाय की दुकान पर एक साथ इकट्ठा होने से मना करने पर पुलिस की एक टीम पर हमला कर दिया गया जिसमें एक उपनिरीक्षक और दो कांस्टेबल घायल हो गए।

बंगलुरु में महिला सामाजिक कार्यकर्ता और मुंबई में एक पुरुष कर्मी पर अलग-अलग घटनाओं में तब हमला किया जब वे दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात में शामिल होकर लौटे लोगों का पता लगाने के लिए सर्वे करने गए थे। यह जानकारी दोनों शहरों की पुलिस ने दी। राज्य की राजधानियों से आई खबरों के मुताबिक गुरुवार को 21 दिनों के लॉकडाउन (बंद) का पालन कराने और पृथक रखे गए लोगों को घर में ही रखने के दौरान पुलिस कर्मियों पर हमले किए गए। बंगलुरु में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर सर्वे करने गए थे जहां पर उनके साथ बदसलूकी की गई और कर्नाटक सरकार को ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी करनी पड़ी। वायरल हुए एक वीडियो संदेश में कृष्णवेणी नाम की आशा कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य कर्मियों का एक समूह शहर के हेगड़े नगर में गया था। वहां के स्थानीय निवासियों ने समूह के लोगों का घेराव किया, उनके मोबाइल छीन लिए और उनसे दुर्व्यवहार किया। महाराष्ट्र के शोलापुर में दिल्ली में आयोजित तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटे लोगों की सूचना देने पर एक व्यक्ति की कथित रूप से पिटाई करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि पिपरी गांव के 56 वर्षीय ग्रामसेवक ने तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने वाले सात लोगों की जानकारी दी थी और उनकी कोरोना वायरस की जांच कराने पर भी जोर दिया था।

कर्नाटक के मंगलुरु शहर की पुलिस ने बताया कि उसने बेलथांगडी तालुका के नयातारपू गांव में दो पुलिस कर्मियों और स्वास्थ्य कर्मी पर हमला करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

नोएडा : संक्रमित पाए गए लोगों की सोसाइटी सील

पेज 1 का बाकी

कर दिया है, जहां पर ये लोग रहते थे। जिला प्रशासन उन कालोनियों को सेनेटाइज कर रहा है।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित 10 मरीज मिले थे। इनमें सेक्टर 94 स्थित सुपरटेक सोसायटी में एक, ग्रेटर नोएडा स्थित पालम ओलंपिया गौर सिटी -2 सोसाइटी में 4, नोएडा के सेक्टर 22 स्थित चौड़ा गांव में 2, व नोएडा के सेक्टर 37 व सेक्टर 28 में तीन मरीज शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि उप-जिलाधिकारी दादरी राजीव राय ने एक अप्रैल से तीन अप्रैल तक तत्काल प्रभाव से इन सोसाइटी, गांवों व सेक्टरों को सील कर दिया है। उन्होंने बताया कि वहां पर जिला प्रशासन सेनेटाइजेशन का काम कर रहा है। सूचना अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित 48 मरीज मिले हैं। इनमें उपचार के बाद 6 मरीजों को घर भेज दिया गया है।

सूचना अधिकारी ने बताया कि बुधवार को जो 10 मरीज मिले हैं उनमें से आठ मरीज सीजफायर कंपनी में काम करने वाले लोगों के संपर्क की वजह से बीमार पड़े हैं, जबकि दो अन्य लोग विदेश से यात्रा की वजह से कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग अब तक 696 लोगों के नमूने ले चुका है। इनमें 445 लोगों की रिपोर्ट ठीक, और 48 लोगों की रिपोर्ट संक्रमित आई है। बुधवार को विभाग ने 70 नए कोरोना संक्रमितों के नमूने लिए, और जांच केंद्र से आई 34 रिपोर्ट में 10 ठीक व 24 संक्रमित मिले हैं।

जूम ऐप का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह

पेज 1 का बाकी

सूचनाओं को लीक किए जाने का खतरा भी बना रहता है। परामर्श में कहा गया है, 'कई संगठनों ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दी है। जूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम, सिस्को वेबएक्स जैसे ऑनलाइन संचार मंचों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठकों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कहा गया है, 'ऑनलाइन मंच (जूम) का असुरक्षित उपयोग साइबर अपराधियों को महत्त्वपूर्ण सूचनाओं और वार्तालाप जैसी संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने की अनुमति दे सकता है।' एजंसी ने जूम से होने वाली बैठकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। इनमें जूम सॉफ्टवेयर को अपडेट रखने को कहा गया है। इसके अलावा सभी बैठकों तथा वेबिनार्स के लिए हमेशा ऐसा पासवर्ड बनाने को कहा गया है जो मुश्किल हो और जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा सके। इसमें कहा गया है, 'यह विशेष तौर पर उन बैठकों के लिए जरूरी है जहां संवेदनशील सूचना पर चर्चा की जा रही हो।'

स्पेन में दस हजार से ज्यादा हुई मृतकों की संख्या

पेज 1 का बाकी

करें। साथ ही कुओमो ने चेताया कि उनके शहरों को भी न्यूयॉर्क जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है, जहां संक्रमण से करीब 16 हजार लोगों की जान जा सकती है। महामारी पर अपनी दैनिक प्रेसवार्ता में कुओमो ने गेट्स फाउंडेशन से जुड़े एक समूह के हवाले से दर्शाए गए मौत के अनुमानों के आंकड़ों की ओर ध्यान दिलाया। इन अनुमानों के मुताबिक, महामारी के समाप्त होने तक 93000 अमेरिकियों और 16000 न्यूयॉर्क वासियों की मौत हो जाएगी।

इस बीच, उत्तर कोरिया के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने दावा किया कि देश पूरी तरह से कोरोना विषाणु के संक्रमण से मुक्त है। पहले से ही अलग-थलग परमाणु संपन्न उत्तर कोरिया ने चीन में संक्रमण के मामले आने के तुरंत बाद जनवरी में अपनी सीमाएं बंद कर दी थी और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाए थे। उत्तर कोरिया के केंद्रीय आपात महामारी रोधी मुख्यालय के महामारी रोधी विभाग के निदेशक पाक म्योंग सु ने दावा किया कि देश के प्रयास पूरी तरह सफल रहे।

गुरुद्वारे में रुके 225 प्रवासियों के खिलाफ एफआइआर

पेज 1 का बाकी

इन्हीं लोगों के खिलाफ जानकारी छिपाने के कारण दिल्ली पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। इस मामले में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने प्रवासियों की मदद के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मदद करने की अपील कर चुके हैं।

मरकज मामले में नामजद आरोपियों को नोटिस

पेज 1 का बाकी

पूछताछ में शामिल होने के लिए अपने दफ्तर बुलाने के बजाय उनसे लिखित में जवाब मांगा है। इस मामले में फिलहाल कुल सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें मरकज प्रमुख मौलाना साद के अलावा यूनुस, मोहम्मद अशरफ, डॉक्टर जीशान, मुफ्ती शहजाद, मुर्सलीन सैफी और मोहम्मद सलमान शामिल हैं। मुख्य आरोपी मौलाना साद की तलाश की जा रही है।

पवार ने मुसलमानों से शब-ए-बारात पर घर में ही रहने का अनुरोध किया

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कोरोना वायरस के मद्देनजर गुरुवार को मुसलिम समुदाय से शब-ए-बारात पर घरों में रहकर इबादत करने का आग्रह किया। साथ में डॉ बीआर आंबेडकर की जयंती के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों को भी स्थगित करने का अनुरोध किया। पवार ने कहा कि गुरुवार को मनाई जा रही रामनवमी पूरे देश में हर साल धूमधाम से मनाई जाती है।

उन्होंने फेसबुक के जरिए किए गए संबोधन में कहा, 'दुर्भाग्य से, इस साल कोरोना विषाणु का खतरा है और हमें कुछ पाबंदियों का पालन करना है... लेकिन मुझे यकीन है कि लोग अपने घरों के अंदर भगवान राम को याद कर रहे होंगे।' पवार ने दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम पर कहा, 'यह कार्यक्रम करने से बचना चाहिए था, लेकिन ऐसे नहीं किया गया और शायद इसकी कीमत दूसरों को चुकानी पड़े।'

पवार ने कहा कि शब-ए-बारात (मगफिरत या गुनाहों की माफी की रात) आठ अप्रैल को है। इस रात को मुसलमान दुनिया से जा चुके अपने रिश्तेदारों को याद करते हैं और कब्रिस्तान जाते हैं। यह घर में रहकर मनाना चाहिए। निजामुद्दीन जैसी घटना ना हो, इसके लिए एहतियात बरतनी चाहिए।

चंडीगढ़ में बच्ची और दादी कोरोना से संक्रमित

पेज 1 का बाकी

की पुष्टि हुई है। इसी दंपति की 10 महीने की मासूम बच्ची और उसकी 59 वर्षीय दादी में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। पिछले दिनों तक चंडीगढ़ में कोरोना संक्रमण के 16 मामले थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 18 तक पहुंच गई है। यानी आज गुरुवार को ही यहां दो मरीजों में करोना संक्रमण की पुष्टि होने से हड़कम्प मच गया है। उधर, हरियाणा में भी एक कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हो गई जो प्रदेश में कोरोना से होने वाली पहली मौत है। यह शख्स दरअसल चंडीगढ़ के समीपवर्ती अंबाला छावनी का रहने वाला था और इसके साथ ही आज गुरुवार को हरियाणा में 6 नए कोरोना संक्रमित मरीज सामने आने के बाद प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 35 तक पहुंच गई जिनमें से 5 तो दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी मरकज से लौटने वाले लोग भी हैं। छावनी में लक्कड़ बाजार वासी इस 67 वर्षीय बुजुर्ग को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद इलाज के लिए चंडीगढ़ के पीजीआइएमईआर में भर्ती कराया गया था जहां बुधवार देर रात उनकी मौत हो गई।

राज्यों ने केंद्र से मांगा आर्थिक पैकेज व बकाये का भुगतान

पेज 1 का बाकी

मुआवजे के मद में बकाया हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ईके पलानीसामी ने राज्य में टेस्टिंग किट, मास्क और वेंटिलेटर खरीदने के लिए तीन हजार करोड़ रुपए तुरंत जारी करने की मांग की। साथ ही कहा कि राज्य को टेस्टिंग किट की आपूर्ति बढ़ाई जाए। उन्होंने राज्य के लिए केंद्र से अतिरिक्त नौ हजार करोड़ रुपए जारी करने की मांग की। कई राज्यों ने फंड की कमी से टेस्टिंग किट, मास्क और वेंटिलेटर की कमी की बात उठाई।

इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है कि राज्य सरकारें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण स्कीम को लागू करें। साथ ही इस बात का ध्यान दें कि पलायन ना हो और गरीबों को पैसा और राशन मिलता रहे। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए अगले कुछ सप्ताह तक लोगों की जांच करने, संक्रमितों का पता लगाने, उन्हें अलग थलग रखने जैसे उपायों पर ध्यान देने को कहा ताकि जीवन का नुकसान कम से कम हो। उन्होंने पूर्ण बंदी खत्म होने के बाद सड़कों पर लोगों की आवाजाही 'क्रमबद्ध ढंग' से सुनिश्चित करने के बारे में राज्यों से साझा रणनीति बनाने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए युद्धस्तर पर काम करना, वायरस के ज्यादा संक्रमण प्रभावित क्षेत्र (हॉटस्पॉट) की पहचान करना एवं उन्हें घेरे में लेना और वायरस को फैलने से रोकना अत-यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परीक्षण के लिए मुख्यतः मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से ही डेटा लिया जाना चाहिए। इससे जिला, राज्य और केंद्र के डेटा में एकरूपता सुनिश्चित होगी। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बैंकों में भीड़ से बचने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत लाभार्थियों को धनराशि क्रमिक रूप ही से जारी की जाए। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्रियों ने संकट के इस समय में नेतृत्व करने, मार्गदर्शन और आवश-यक सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

दारूल उलूम देवबंद का फतवा, घरों में नमाज पढ़ना जायज

पेज 1 का बाकी

इस्लाम, वकार अली और नोमान सीतापुरी- ने दारूल उलूम के चांसलर मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी के सवाल पर सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक फतवा जारी किया है। इस्लाम और इतिहास के जानकार एवं दारूल उलूम के तंजीम और तरक्की विभाग के प्रभारी अशरफ उस्मानी ने

बताया कि संस्था के मोहतमिम (रेक्टर) मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपनी ही संस्था के एक फतवा विभाग से यह सवाल पूछा था कि जब मुल्क में महामारी फैली हो और कानूनी तौर पर सुरक्षित दूरी बनाए रखना जरूरी हो तो ऐसी सूरत में जुमे की नमाज पढ़ने का इस्लामी आदेश क्या है। जवाब में पांचों मुफ्तियों ने सर्वसम्मति से यह फतवा जारी किया है कि कानून के पालन के लिए मस्जिदों के बजाए जुमे की नमाज घरों पर जौहर की नमाज अदा की जाए। उस्मानी ने स्पष्ट किया कि मुसलमानों पर पांच नमाजें फर्ज हैं। जिनमें एक दिन जुमे की नमाज इस तरह फर्ज है कि वह केवल जमात के साथ मस्जिद में ही पढ़ी जानी अनिवार्य है। जुमे की जगह गैरजरूरी तौर पर जौहर की नमाज नहीं पढ़ी जा सकती। इसीलिए मुसलमानों के लिए इस फतवे की बड़ी अहमियत है कि जुमे जैसा फर्ज छोडकर दारूल उलूम देवबंद ने घरों में नमाज पढ़ने को जायज करार दिया है।

अशरफ उस्मानी ने यह भी कहा कि दारूल उलूम देवबंद की स्थापना के 150 सालों के दौरान ऐसा मौका देश में कभी नहीं आया है। जब लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने को मजबूर होना पड़ रहा है। दारूल उलूम की परंपरा रही है कि विपदा के समय यह संस्था देश कानून और समाज के साथ खड़ी रही है। उस्मानी ने कहा कि पिछले जुमे को भी दारूल उलूम के मोहतमिम यह अपील जारी कर चुके थे। लेकिन वह फतवा नहीं था। अब अंतिम फैसले के तहत दारूल इफ्ता की पांच सदस्यीय पीठ का अंतिम निर्णय के तौर पर फतवा जारी हो चुका है।

मरकज से आए दो मरीजों की मौत

पेज 1 का बाकी

12 होगा। इस समय दिल्ली में 219 कोरोना संक्रमण के मामले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो बातें चिंताजनक हैं, एक यह कि क्या कोरोना आम लोगों में फैल रहा है और कितनी मौत हुई। दो मौत के बाद इस बीमारी से दिल्ली में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर चार हो गया है। पिछले कुछ दिन से 29 मरीज का आंकड़ा है। इसका मतलब दिल्ली में संक्रमण ठहरा हुआ है, फैल नहीं रहा है।

उन्होंने कहा कि निजामुद्दीन मरकज से जो लोग आए हैं, केवल वे ही गंभीर हैं, बाकी सब स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि 2346 लोगों को मरकज से निकाला गया था, इनमें से 1810 क्वारंटाइन हैं और 536 अस्पताल में हैं। इनमें अस्पताल में एक मरीज वेंटिलेटर पर और पांच मरीज ऑक्सीजन पर हैं।

24 घंटे में संक्रमण के 328 मामले, 12 लोगों की मौत

पेज 1 का बाकी

हो गए जबकि इस महामारी से अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। संक्रमित लोगों में 55 विदेशी हैं। पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 328 नए मामले सामने आए हैं और 12 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह नौ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक अभी 1,764 लोगों का इलाज जारी है जबकि 150 ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि देश में कोरोना संक्रमण के लगभग 400 ऐसे मामलों का पता चला है कि जिनका संबंध तबलीगी जमात के इज्तिमे (धार्मिक कार्यक्रम) से हो सकता है। मंत्रालय ने संकेत दिया कि वायरस की जांच और इससे संक्रमित लोगों का पता लगाने का काम तेज कर दिया गया है, लिहाजा संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं।

मंत्रालय के मुताबिक मौत के नए नौ मामलों में चार महाराष्ट्र, तीन मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश व पंजाब से एक-एक मामला शामिल है। संक्रमण से सबसे अधिक महाराष्ट्र में 13 लोगों की जान गई। इसके बाद गुजरात में छह, मध्य प्रदेश में छह, पंजाब में चार, कर्नाटक में तीन, तेलंगाना में तीन, पश्चिम बंगाल में तीन, दिल्ली में दो, जम्मू-कश्मीर में दो, उत्तर प्रदेश में दो और केरल में दो मौतें हुई हैं, जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से एक-एक मौत की पुष्टि हो चुकी है।

देश में सबसे अधिक मामले 335 मामले महाराष्ट्र से सामने आए हैं। केरल में 265 और उसके बाद तमिलनाडु में 234 मामले हैं।

अंत्येष्टि में अपनों तक का नहीं मिल रहा साथ

पेज 1 का बाकी

इसका असर झेलना पड़ रहा है।' वीरराघवन के पिता की हाल ही में मृत्यु हो गई थी। लेकिन अंत्येष्टि में उनके परिवार का कोई सदस्य शामिल नहीं हो सका।

पंजाब के लुधियाना शहर के श्मशान घाट (मुक्ति धाम) के संरक्षक राकेश कपूर के मुताबिक वहां जनाजे में पहुंचने वाले लोगों की संख्या 100 से घट कर महज 20 रह गई है। हरियाणा में भी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। राज्य के गोरखपुर गांव निवासी सुखबीर सिंह के चाचा की हाल ही में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा कि परिवार ने सभी दिशानिर्देशों का पालन किया। उन्होंने कहा, 'किसी अपने को खोने के बाद दोस्तों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों से इस मुश्किल घड़ी में जो ढांढ़स मिलता है वह पाबंदियों के चलते इन दिनों नहीं मिल पा रहा है।'

मुंबई के सबसे बड़े कब्रिस्तान की देखरेख करने वाले जुमा मस्जिद ट्रस्ट के न्यासी शोएब खातिब ने कहा कि हर माह बड़ा कब्रिस्तान में करीब 120 शव लाए जाते हैं। खातिब ने कहा, 'हमने ऐसे तीन स्थानों की पहचान की है जहां सिर्फ कोरोना विषाणु से संक्रमित शवों को ही दफनाया जा रहा है। 15 साल तक उस कब्र को कोई नहीं छुएगा।' केरल की पालयम जुमा मस्जिद ने भी किसी मृतक की अंत्येष्टि के दौरान उपस्थित होने वाले परिवार के सदस्यों की संख्या में कटौती कर दी है। तेलंगाना में यह संख्या अधिकतम 20 रखी गई है।

दिल्ली में सातवां डॉक्टर संक्रमण की चपेट में

पेज 1 का बाकी

गया है। बाद में इनको एम्स के ट्रोमा सेंटर स्थित कोरोना सेंटर में भेजा जा सकता है।

एम्स के चिकित्सा अधीक्षक डा. डीके शर्मा ने कहा है कि अभी तक हमें चिकित्सक में संक्रमण का स्रोत पता नहीं तल पाया है। ये डाक्टर नान क्लीनिकल विभाग के होने की वजह से मरीज नहीं देखते। इनको संक्रमण कहां से हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है। चूंकि वे साधारण मरीजों के भी सीधे संपर्क में नहीं हैं, इसलिए इस संक्रमण का स्रोत जानना अहम है, वर्ना इनके सामुदायिक संक्रमण की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

बताया जा रहा है कि संक्रमित डाक्टर भी निजामुद्दीन मरकज के कार्यक्रम में गए थे। हालांकि डाक्टर ने इस बात से साफ इनकार कर दिया है।

अस्पताल के मीडिया प्रोटोकाल विभाग के मुताबिक अब डाक्टर के परिवार के बाकी सदस्यों की भी जांच की जाएगी। विभाग को बंद कर दिया गया है और उसे संक्रमण रहित करने की प्रक्रिया चल रही है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक इस बीच डाक्टर ने एम्स फिजियोलाजी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में आफिस में ही पार्टी की थी। इसमें पांच-छह और सीनियर रेजीडेंट भी शामिल हुए थे। उन सभी को क्वारंटाइन में जाने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही एम्स की ओर से किराए पर चलाई जा रही मेहरौली रूट नंबर 13 की डीटीसी की बस से आने जाने वाले सभी कर्मचारियों का भी पता लगाया जाएगा। ये डाक्टर इसी बस से पिछले दो तीन दिन से आ जा रहे हैं। यह पता लगाया जाना है कि इतने दिनों में इस बस में किन-किन व कितने लोगों ने सफर किया ताकि उनकी निगरानी की जा सके।

संक्रमण की इस नई घटना को मिला कर दिल्ली के सफदरजंग, कैंसर संस्थान व पटेल चेस्ट अस्पताल व दो मोहल्ला क्लीनिक सहित दिल्ली में अब तक कुल सात डाक्टर कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इसके बावजूद डाक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा के पर्याप्त साधन नहीं मिल रहे हैं।

एम्स आरडीए के महासचिव डा श्रीनिवास राजकुमार ने कहा है कि हम लगातार सरकार व एम्स प्रशासन से सुरक्षा उपाय मुस्तैद करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक कई मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हमें सुरक्षित मास्क वगैरह चाहिए। पर हमें जितना चाहिए उससे काफी कम में काम चलाना पड़ रहा है। लेकिन मास्क भी कई जगह रजिस्टर में एंट्री करने व लाक खुलवाने के बाद मिल रहा है। अब जिस समय मरीज देखना है, उस समय मास्क लेने की औपचारिकता पूरी करने में समय व्यर्थ हो रहा है।

उमर शेख की फांसी सात साल की कैद में तब्दील

पेज 1 का बाकी

के बीच संबंध की पड़ताल करने के लिए एक स्टोरी के सिलसिले में वहां गए थे। शेख को फरवरी 2002 में लाहौर से गिरफ्तार किया गया था और पांच महीने बाद आतंकवाद रोधी अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी।

इसके तीन साल पहले 1999 में, इंडियन एअरलाइंस के एक अपहृत किए गए विमान में सवार करीब 150 यात्रियों को छोड़ने के एवज में शेख, जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर और मुश्ताक अहमद जरगर को भारत ने छोड़ा था और सुरक्षित अफगानिस्तान पहुंचाया था। सिंध हाई कोर्ट ने आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) द्वारा शेख को सुनाई गई मौत की सजा को पलट दिया और तीन अन्य दोषियों फहद नसीम, सलमान साकिब और शेख आदिल को बरी कर दिया। न्यायाधीश मोहम्मद करीम खान आगा की अगुआई वाले दो सदस्यीय पीठ ने दोषियों की 18 साल पहले दाखिल की गई अपीलों पर यह फैसला सुनाया।

पीठ ने राज्य की उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें तीनों सह आरोपियों की सजा की अवधि को आजीवन कारावास में बदलने की अपील की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 46 वर्षीय शेख की सात साल की जेल की सजा उसके जेल में बिताए गए समय से गिनी जाएगी। वह पिछले 18 साल से जेल में है। मामले में दलीलें पेश करते हुए याचियों के वकीलों ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनके मुवक्किलों के खिलाफ मामला साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है और अभियोजन पक्ष के अधिकतर गवाह पुलिसकर्मी थे, जिनकी गवाही पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष नसीम और आदिल के इकबालिया बयान दोषपूर्ण थे और स्वैच्छिक नहीं थे।

उनका यह भी कहना था कि नसीम से लैपटाप की बरामदगी की तारीख 11 फरवरी 2002 दिखाई गई थी जबकि कंप्यूटर विशेषज्ञ रोनाल्ड जोसेफ ने अपनी गवाही में कहा था कि उन्हें जांच के लिए कंप्यूटर चार फरवरी को दिया गया था और उन्होंने छह दिन तक लैपटाप की जांच की थी।

उप महाभियोजक सलीम अख्तर ने निचली अदालत के फैसले का समर्थन करते हुए कहा था कि अभियोजन ने याचियों के खिलाफ पूरा मामला साबित कर दिया है और इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं बची है। लिहाजा इनकी याचिकाओं को खारिज किया जाए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2014 में एटीसी ने सह आरोपी कारी हाशिम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। उसी साल शेख ने कथित रूप से जेल में आत्महत्या करने की कोशिश की थी।

www readwhere com

खबर कोना

उत्तर कोरिया का दावा, वह कोरोना संक्रमण से मुक्त

सियोल, 2 अप्रैल (एएफपी)।

उत्तर कोरिया के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने दावा किया कि देश पूरी तरह से कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त है। उत्तर कोरिया ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब दुनियाभर में संक्रमण के मामले करीब दस लाख पहुंच गए हैं। पहले से ही अलग-थलग परमाणु संपन्न उत्तर कोरिया ने चीन में संक्रमण के मामले आने के तुरंत बाद जनवरी में अपनी सीमाएं बंद कर दी थी और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाए थे। उत्तर कोरिया के केंद्रीय आपात महामारी रोधी मुख्यालय के महामारी रोधी विभाग के निदेशक पाक म्योंग सु ने दावा किया कि देश के प्रयास पूरी तरह सफल रहे।

उत्तर कोरिया ने फांसी पर चढ़ाने की दी थी धमकी : छात्र

सियोल, 2 अप्रैल (एएफपी)।

उत्तर कोरिया में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद पिछले साल निर्वासित किए गए ऑस्ट्रेलिया के छात्र ने कहा कि उसे फांसी पर चढ़ाए जाने की धमकी दी गई थी। अलेक सिग्ले पर आरोप लगाए गए थे कि उसने इंस्टाग्राम पर एक खिलौना टैंक की तस्वीर पोस्ट की थी और इसे लेकर जांचकर्ताओं ने कहा था कि वह सैन्य जासूसी कर रहा था। कोरियाई भाषा के अच्छे जानकार सिग्ले ने उत्तर कोरिया में बिताए दिनों के बारे में लेख लिखे और इन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। सिग्ले (30) प्योंगयांग में किम इल सुंग विश्वविद्यालय में आधुनिक कोरियाई साहित्य की पढ़ाई कर रहा था। वह जून में लापता हो गया था जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद पैदा हो गया था। उसे विश्वविद्यालय में गिरफ्तार किया गया था। हर दिन उससे जबरदस्ती अपराधों की स्वीकारोक्ति लिखवाई जाती। उसने बताया कि यदि वह आरोपों से इनकार करता तो मुझ पर चिल्लाना शुरू कर देते, मुझे याद दिलाते कि अगर मैं ऐसा नहीं करूंगा तो मुझे फांसी पर चढ़ा दिया जाएगा।

कोरोना के कारण स्थगित हुआ सीओपी26 सम्मेलन

लंदन, 2 अप्रैल (एएफपी)।

संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन पर होने वाला सम्मेलन सीओपी26 कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए स्थगित कर दिया गया है। ब्रिटेन की सरकार ने यह जानकारी दी। सीओपी26 नवंबर में स्कॉटलैंड के शहर ग्लासगो में होने वाला था। यह सम्मेलन अब 2021 में होगा और उसकी तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि कोविड-19 के पूरे विश्व पर पड़े प्रभाव को देखते हुए सीओपी26 का नवंबर, 2020 में आयोजन करना संभव नहीं है। बढ़ते वैश्विक तापमान को रोकने के उपायों पर चर्चा करने के लिए यह दस दिन का सम्मेलन होता है जिसमें दुनियाभर के 200 नेताओं समेत करीब 30,000 लोग शामिल होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव पेट्रिशिया एस्पिनोसा ने कहा कि कार्यक्रम को स्थगित करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था लेकिन महामारी के कारण जलवायु परिवर्तन की चुनौती की तरफ से हमारा ध्यान भटकना नहीं चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना के टीके का परीक्षण शुरू

मेलबर्न, 2 अप्रैल (भाषा)।

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने गुरुवार को कहा कि वे कोविड-19 के दो संभावित टीकों का परीक्षण कर रहे हैं जो प्रयोगशाला परीक्षणों में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के वैज्ञानिकों ने कहा कि वे यह परीक्षण कर रहे हैं कि कोविड-19 का टीका कितना प्रभावशाली है। वे बचाव के लिहाज से टीका देने के लिए इंजेक्शन लगाने या नाक के स्प्रे जैसे बेहतर तरीके भी खोज रहे हैं। ऑस्ट्रेलियन एनिमल हैल्थ लेबोरेटरी के निदेशक प्रो. ट्रेवर ड्रू ने कहा कि हम जनवरी से सार्स सीओवी-2 का अध्ययन कर रहे हैं। परीक्षण में तीन महीने लग सकते हैं।

अंटार्कटिका में नौ करोड़ साल पहले था वर्षा वन

लंदन, 2 अप्रैल (भाषा)।

अनुसंधानकताओं ने दक्षिणी ध्रुव के निकट नौ करोड़ साल पहले वर्षावन होने का पता लगाया है। यह खोज इशारा करता है कि उस समय जलवायु काफी गर्म था व कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा वातावरण में अब तक जितना सोचा गया था उससे कहीं ज्यादा थी। लंदन के इम्पीरियल कॉलेज और अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव के 900 किमी. के भीतर वन की मिट्टी का पता लगाया जो 14.5 करोड़ से 6.6 करोड़ साल पहले की है। नेचर जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक इन्होंने मिट्टी से संरक्षित जड़ों, परागकण और बीजाणु का विश्लेषण करने पर पाया कि चाकमय (क्रिटेशस) कल्प के बारे में जितना सोचा गया था उससे कहीं ज्यादा गर्म था।

'हरे संकेत' से चल रही चीन में जिंदगी

स्मार्टफोन से नागरिकों की निगरानी, कार्यालयों और दुकानों में लौट रहे लोग

वुहान, 2 अप्रैल (एपी)।

चीन में कोरोना विषाणु के प्रकोप के बाद की जिंदगी स्मार्टफोन के एक ग्रीन सिंबल (संकेत) से चलने लगी है। हरा संकेत एक ऐसा 'स्वास्थ्य कोड' है जो बताता है कि यह व्यक्ति संक्रमण के लक्षण से मुक्त है।

यह संकेत किसी सबवे में जाने, किसी होटल में प्रवेश या वुहान में दाखिल होने के लिए जरूरी है। वुहान इस विषाणु का केंद्र रहा है और यहां दिसंबर में यह महामारी फैल गई थी।

इस स्वास्थ्य कोड का बनना इसलिए संभव हो पाया क्योंकि चीन में लगभग सभी लोगों के पास स्मार्टफोन है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पास अपने नागरिकों की निगरानी और उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए लोगों की जानकारियों का 'बड़ा डाटा' है।

कपड़े का उत्पादन करने वाली कंपनी की एक प्रबंधक वु शेंगहोंग ने बुधवार को वुहान सबवे स्टेशन पर अपना स्मार्टफोन निकाला और वहां लगे एक पोस्टर के बार कोड को अपने फोन से स्कैन किया। इससे उनका पहचान पत्र संख्या और हरा संकेत आ गया। इसके बाद सबवे पर मास्क और चश्मा पहने एक गार्ड ने उन्हें आगे जाने की इजाजत दी।

अगर यह कोड लाल आता तो गार्ड को इसकी जानकारी मिल जाती कि या तो वह संक्रमित हैं या उन्हें बुखार और अन्य लक्षण हैं। वहीं येलो कोड यह बताता कि वह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आई हैं और दो सप्ताह का पृथक समय नहीं बिताया है। इसके बाद उन्हें किसी अस्पताल या घर में पृथक रखा जाता।

51 वर्षीय वु ने कहा कि 'लाल या पीले कोड' वाले लोग निश्चित रूप से घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह सुरक्षित महसूस करती हैं। चीनी अधिकारी इस कोड के जरिए संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ाए बगैर चीन की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना चाहते हैं। लोग फैक्टरियों, कार्यालयों और दुकानों में काम पर लौट रहे हैं।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने मंगलवार को विज्ञान पत्रिका 'साइंस' में प्रकाशित 'डिजिटल कॉन्टेक्ट ट्रेसिग यानी डिजिटलीकरण के माध्यम से संपर्कों को पता लगाना' रिपोर्ट में कहा है कि इस चीन के तरीके को अन्य सरकारों को भी अंगीकार करना करना चाहिए।

यहां ट्रेनों में तय दूरी बनाए रखने के संकेत लगे हुए हैं और ट्रेन से उतरने के बाद भी फिर से स्कैन करना होता है।

मौतों के मामले में चीन ने गुमराह किया : सांसद सासे

चीन के आंकड़ों पर ट्रंप को संदेह

वाशिंगटन, 2 अप्रैल (एएफपी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस पर चीन के आधिकारिक आंकडों पर संदेह जताया है।

दरअसल अमेरिका के सांसदों ने खुफिया रिपोर्ट के आधार पर चीन पर इस पूरे मामले की सच्चाई को छिपाने का आरोप लगाया जिसके बाद ट्रंप ने यह प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि हमें कैसे पता चलेगा कि आंकड़े सटीक हैं। संख्या कम प्रतीत होती है। हालांकि उन्होंने कहा कि चीन के साथ अमेरिका के संबंध अच्छे हैं और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनसे निकट संबंध हैं।

रिपब्लिकन सांसदों ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए नाराजगी जताई थी कि बेजिंग ने वुहान से शुरू हुए संक्रमण और उससे होने वाली मौतों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह किया। ब्लूमबर्ग ने यह रिपोर्ट अमेरिकी खुफिया विभाग के हवाले से प्रकाशित की है।

जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार चीन ने बुधवार तक संक्रमण के कुल 82,361 मामले और 3,316 लोगों की मौत के आंकडें जारी किए थे। रिपब्लिकन सांसद बेन सासे ने चीन के इन आंकडों को बकवास बताया है। उन्होंने कहा कि चीन की तुलना में अमेरिका में संक्रमण से ज्यादा मौतें होने का दावा गलत है। इसी रिपोर्ट पर प्रतिनिधि सभा में विदेश मामलों की समिति में शीर्ष रिपब्लिक सांसद माइकल मैकॉल ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में चीन भरोसेमंद सहयोगी नहीं है। मैकॉल ने कहा कि इंसान से इंसान में संक्रमण फैलने के बारे में उन्होंने पूरी दुनिया से झूठ बोला, सच्चाई बताने वाले चिकित्सकों और पत्रकारों को खामोश किया और अब वे संक्रमितों से संबंधित सही आंकडे छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। कई सांसदों ने विदेश मंत्रालय से इस मामले की जांच कराने की मांग की है।

सांसदों ने जांच की मांग की

- रिपब्लिकन सांसदों ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए नाराजगी जताई थी कि बेजिंग ने वुहान से शुरू हुए संक्रमण और उससे होने वाली मौतों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह किया। ब्लूमबर्ग ने यह रिपोर्ट अमेरिकी खुफिया विभाग के हवाले से प्रकाशित की है।
- प्रतिनिधि सभा में विदेश मामलों की समिति में शीर्ष रिपब्लिक सांसद माइकल मैकॉल ने कहा कि इंसान से इंसान में संक्रमण फैलने के बारे में उन्होंने पूरी दुनिया से झूठ बोला, सच्चाई बताने वाले चिकित्सकों और पत्रकारों को खामोश किया और अब वे संक्रमितों से संबंधित सही आंकडे छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

'कोरोना पर सुरक्षा परिषद की पहली बैठक अगले हफ्ते या इससे पहले'

संयुक्त राष्ट्र, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस महामारी पर चर्चा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक अगले हफ्ते या उससे भी पहले हो सकती है। इस संक्रमण की चपेट में आकर दुनियाभर में 42,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व निकाय की इस शीर्ष संस्था के वर्तमान अध्यक्ष डोमिनिकन गणराज्य के राजदूत जोस सिंगर ने यह जानकारी दी।

अप्रैल के महीने के लिए अध्यक्षता डोमिनिकन गणराज्य के पास है। पिछले महीने यह चीन के पास थी। दुनियाभर में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के बावजूद पिछले महीने चीन की अध्यक्षता में सुरक्षा परिषद ने महामारी के बारे में कोई चर्चा नहीं की।

संयुक्त राष्ट्र में डोमिनिक गणराज्य के विशेष दूत और अप्रैल के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष सिंगर ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि हम सभी जानते हैं कि कोविड-19 मुख्य विषय होगा और हम इस पर काम कर रहे हैं। पांच से छह राजदूतों ने इस बैठक के लिए अनुरोध किया था और हम यह करेंगे या तो अगले हफ्ते या इससे पहले।

अमेरिका में कोरोना से छह सप्ताह की बच्ची की मौत

न्यूयॉर्क, 2 अप्रैल (एएफपी)।

अमेरिका में कोरोना वायरस से छह सप्ताह की बच्ची की मौत हो गई है। इस जानलेवा संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों में उसकी उम्र सबसे कम थी। कनेक्टिकट राज्य के गवर्नर नेड लैमंट ने गुरुवार को कहा कि इस विषाणु से कोई भी सुरक्षित नहीं है।

हार्टफोर्ड कूरैंट अखबार ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि नवजात को जब अस्पताल लाया गया था तो उसमें कोई हरकत नहीं हो रही थी और उसे फिर बचाया नहीं जा सका। पोस्टमार्टम से बच्ची के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। कनेक्टिकट में कोविड-19 से मरने वाली संभवतः कम उम्र की बच्ची है। बच्ची की उम्र सात माह से भी कम थी। और यह चेतावनी है कि इस विषाणु से कोई भी सुरक्षित नहीं है। यह बहुत ही दुखदायी घटना है। हमारा मानना है कि यह कोविड-19 के कारण सबसे कम उम्र के बच्चे की मौत का मामला है।

फंसे नागरिकों को वापस लाने के प्रयास कर रहा अमेरिका, भारत से मिल रही है मदद : अधिकारी

वाशिंगटन, 2 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए भारत में जारी 21 दिन के लॉकडाउन के चलते वहां फंसे अपने नागरिकों को वापस लाने का काम अमेरिका ने शुरू कर दिया है। उन्होंने इस महत्त्वपूर्ण अभियान में भारत सरकार के सहयोग की सराहना भी की।

अमेरिका दुनियाभर से अपने नागरिकों को देश वापस लाने के लगातार प्रयास कर रहा है। अभी तक 60 से अधिक देशों से 350 से अधिक विमानों में वह 30,000 से अधिक अमेरिकी नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। दूतावास संबंधी मामलों के लिए प्रधान उपसहायक विदेश मंत्री ईयान ब्राउनली ने कहा कि हमने भारत से बुधवार को अपने नागरिकों को वापस लाने का काम शुरू किया। एक विमान में 170 अमेरिकी नागरिकों को वापस लाया गया। हम आने वाले दिनों में नई दिल्ली और मुंबई से विमान सेवा शुरू करेंगे, जिसकी शुरुआत इस सप्ताह अंत से हो सकती है। उन्होंने बताया कि 80 से अधिक उड़ानें निर्धारित की जा चुकी हैं या उनकी योजना बनाई जा रही है। उन्होंने अफ्रीका में हवाईक्षेत्र बंद होने के कारण अमेरिका के समक्ष पेश हो रही दिक्कतों का उल्लेख भी किया। अभियान से जुड़े उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी विलियम वाल्टर्स ने बताया कि अफ्रीका में, महाद्वीप के 57 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से 30 से अधिक पर या तो प्रतिबंध है या वहां संचालन बंद हैं ।

होटल में थूका, कोरोना-कोरोना चिल्लाया, हुई दो माह की जेल

सिंगापुर, 2 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय मूल के सिंगापुरी व्यक्ति को कोरोना, कोरोना चिल्लाने और चांगी हवाई अड्डे पर होटल के फर्श पर थूकने को लेकर गुरुवार को दो माह जेल की सजा सुनाई गई। कोरोना वायरस प्रकोप से संबंधित मामले में देश में सजा देने का यह अपनी तरह का पहला मामला है।

द स्ट्रेट टाइम्स के मुताबिक जसविंदर सिंह मेहर सिंह (52) को तीन मार्च को लापरवाही भरा कृत्य करने और सार्वजनिक उपद्रव करने का दोषी करार दिया गया। मेहर सिंह ने क्राउन प्लाजा चांगी हवाई अड्डे होटल के अजुर रेस्त्रां में भोजनालय बंद होने की बात से नाराज होने पर प्लेट को तोड़ दिया और फर्श पर थूक दिया। इतना ही नहीं, सिंह ने फर्श पर दो बार और थूका और कोरोना कोरोना चिल्लाया। सिंह इससे पहले भी उत्पीड़न और अन्य मामलों में जेल जा चुका है।

'आत्मरक्षा में कदम उठाता है ईरान'

अमेरिकी बलों पर हमला तो कीमत चुकाएगा ईरान : ट्रंप

तेहरान, 2 अप्रैल (एएफपी)।

ईरान ने गुरुवार को कहा कि वह कोई भी कदम सिर्फ आत्मरक्षा में उठाता है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी थी कि यदि ईरान या ईरान समर्थित समूह इराक में अमेरिकी बलों या प्रतिष्ठानों पर हमला करते हैं तो वे अमेरिका की ओर से कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने ट्वीट किया कि अमेरिका जो झूठ बोलता है, धोखाधड़ी करता है और हत्याओं को अंजाम देता है, उसके विपरित ईरान केवल आत्मरक्षा में ही कार्रवाई करता है। युद्ध भड़काने वालों की बातों से गुमराह नहीं हों। ईरान कोई जंग शुरू नहीं करता है लेकिन जो यह करता है, वह उसे सबक सिखाता है। ट्रंप के ऐतिहासिक परमाणु समझौते से 2018 में अलग होने और ईरान पर फिर से पाबंदियां लगाने के बाद से दोनों मुल्कों में तनाव बढ़ा हुआ है। जनवरी में अमेरिकी हमले में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की बगदाद हवाई अड्डे के बाहर मौत के बाद से अमेरिका और ईरान में और तनाव बढ़ गया है। इसके बाद ईरान ने इराक में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर जवाबी गोलाबारी की।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी है कि यदि ईरान या ईरान समर्थित समूह इराक में अमेरिकी बलों या प्रतिष्ठानों पर हमला करते हैं तो वे अमेरिका की ओर से कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

अमेरिकी हमले में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की बगदाद हवाई अड्डे के बाहर मौत के बाद से अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ गया है।

ट्रंप ने वाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्हें खुफिया जानकारी मिली है कि ईरान हवाई हमले की योजना बना रहा है। हालांकि उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इससे पहले ट्रम्प ने ट्वीट किया था कि जानकारी के अनुसार ईरान या उनके समर्थक इराक में अमेरिकी बलों या उनके प्रतिष्ठानों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।

संघीय, प्रांतीय सरकारों के बीच समन्वय करेगी पाक सेना

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस की महामारी से निपटने के लिए पाकिस्तान की सेना संघीय और प्रांतीय सरकारों के बीच समन्वय करेगी। महामारी पर लगाम कसने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद देश में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और 2200 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं।

सेना ने बुधवार को घोषणा की है कि सेना की वायु रक्षा कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हमूद उज जमां खान को राष्ट्रीय कमान व अभियान केंद्र (एनसीओसी) का संयोजक बनाया गया है। यह केंद्र राष्ट्रीय कोर समिति की कार्यान्वयन इकाई होगी। राष्ट्रीय कोर समिति कोविड-19 के खिलाफ सरकार की प्रमुख एजंसी है जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री इमरान खान कर रहे हैं और इसमें सभी प्रांतों, गिलगिट बाल्टीस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के प्रतिनिधि शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि बीमारी से अभी तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 107 ठीक हुए और नौ की स्थिति नाजुक है।

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्री संक्रमित, मोसाद प्रमुख और एनएसए भी रहेंगे पृथक

यरुशलम, 2 अप्रैल (भाषा)।

इजराइल के स्वास्थ्य मंत्री याकोव लित्जमैन को कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद पृथक रखा गया है। इसके बाद उनके संपर्क में आने वाले मोसाद प्रमुख योस्सी कोहेन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मीर बेन शब्बात समेत सभी शीर्ष अधिकारियों को पृथक कर दिया गया है।

एक शीर्ष सहायक के संक्रमित पाए जाने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी पृथक रह रहे थे लेकिन वे अभी तक जांच में संक्रमित नहीं पाए गए।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बयान में बताया कि लित्जमैन और उनकी पत्नी पृथक रह रहे हैं, वे ठीक हैं और उनका इलाज चल रहा है। पिछले दो हफ्तों में मंत्री के संपर्क में आने वाले लोगों से भी पृथक रहने का अनुरोध किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि मंत्रालय के कार्यालय में सलाहकारों, सहायकों और सचिवालय कर्मियों की टीम घर से काम करती रहेगी और जरूरत पड़ने पर मंत्री के साथ टेलीफोन पर लगातार संवाद बनाए रखेगी जो अपने घर से इस संकट से निपट रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि मंत्री को बीमारी के संपर्क में आने के बाद कोरोना वायरस के हल्के लक्षण हैं। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि वह इस संक्रामक रोग की चपेट में कैसे आए।

मंत्रालय के उप महानिदेशक डॉ. इतामार ग्रोटो ने बताया कि उनमें कुछ लक्षण दिखाई दिए हैं लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं है। ग्रोटो ने कहा कि लित्जमैन बीमार होने के बावजूद घर से काम कर पाएंगे।

इजराइल के दैनिक अखबार हारेत्ज के अनुसार मोसाद प्रमुख कोहेन और एनएसए शब्बात दोनों पृथक रहेंगे। कोरोना से इजराइल में गुरुवार तड़के मरने वालों की संख्या 31 पर पहुंच गई। अभी तक 6,211 इजराइली संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 107 की हालत गंभीर है। एक इजराइली पर्यटक की इटली में मौत हो गई है। अभी तक संक्रमित पाए जाने के बाद 241 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

विकसित देशों की स्वास्थ्य सेवाओं का भी बुरा हाल | संकट | मरीजों का इलाज करने के लिए वेंटिलेटर की मांग बढ़ी

चिकित्सा उपकरणों की मांग बढ़ी, कुछ देशों में बेरोजगारी बढ़ी

वाशिंगटन, 2 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में मास्क, गाउन और दस्ताने समेत जरूरी चिकित्सा सामान का आपात जखीरा समाप्त होने की कगार पर है।

न्यूयार्क टाइम्स ने वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से अपनी खबर में बुधवार को बताया कि संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) ने 1.16 करोड़ से अधिक एन-95 मास्क, 52 लाख चेहरा ढकने के उपकरण, 2.2 करोड़ दस्ताने और 7,140 वेंटिलेटर दिए थे और यह भंडार अब समाप्ति की ओर है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के हवाले से खबर में कहा गया है कि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का एक छोटा हिस्सा था जिसे संघीय सरकार के आपात चिकित्सा कर्मियों के लिए बचाया जा रहा है।

इसमें कहा गया कि संघीय सरकार ने मास्क, गाउन और दस्ताने जैसे सुरक्षात्मक चिकित्सा आपूर्ति के अपने आपात भंडार को लगभग खाली कर दिया है। राज्य के गवर्नरों द्वारा अस्पताल कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरणों के लिए लगातार गुहार लगाई जा रही है।

ट्रंप प्रशासन ने वेंटिलेटर सहित इन सामानों की आपूर्ति के लिए निजी क्षेत्र को भी शामिल किया है जो कोरोना वायरस मरीजों के इलाज में बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा कि हमारे चिकित्सकों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को महत्त्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति करने, खरीदने, वितरित करने के लिए, मेरा प्रशासन अमेरिकी विनिर्माण, आपूर्ति संस्थाओं और हर उद्योग का सहयोग ले रहा है। उन्होंने कहा कि ओहायो के कार्डिनल हेल्थ ने रणनीतिक राष्ट्रीय भंडार में 22 लाख गाउन दान किए हैं। ये आपूर्ति जल्द ही देश भर में वितरित की जाएगी। हमारे पास दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले बड़े कार्गो विमान हैं। ट्रंप ने कहा कि 11 कंपनियों की मदद से हजारों वेंटिलेटर बनाए जा रहे हैं। हम जल्द ही जरूरत से ज्यादा वेंटिलेटर रखने वाले हैं।

कम लागत वाले वेंटिलेटर बनाने के लिए भारतीय इंजीनियरों का उत्साह बढ़ाते हुए अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि यह आविष्कार सफल हो सकता है। इसलिए बड़े पैमाने पर इन्हें बनाया जा सकता है। महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण घातक कोरोना वायरस से कई लोगों की जान बचा सकते हैं। दक्षिण और मध्य एशिया के कार्यवाहक सहायक सचिव एलिस जी वेल्स ने ट्वीट किया कि हम भारतीय इंजीनियरों का उत्साह बढ़ा रहे हैं क्योंकि वे कम लागत वाले वेंटिलेटर बनाने की दौड़ में है।

जांच में जबरदस्त तेजी लाई जाएगी : ब्रिटेन

लंदन, 2 अप्रैल (एएफपी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोरोना वायरस की जांच का दायरा व्यापक न कर पाने को लेकर अपनी सरकार की बढ़ती निंदा के बीच गुरुवार को कहा कि देश में वायरस की जांच में जबरदस्त तेजी लाई जाएगी।

जॉनसन ने 27 मार्च को एलान किया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और उन्होंने डॉउनिंग स्ट्रीट में खुद को अलग रख रखा है। बुधवार रात उन्होंने डॉउनिंग स्ट्रीट से ऑनलाइन वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि जांच धीमी चल रही है।

स्पेन में तीन लाख से अधिक बेरोजगार पंजीकृत

मैड्रिड, 2 अप्रैल (एएफपी)।

स्पेन में मार्च में 302,265 लोगों ने खुद को बेरोजगार के तौर पर पंजीकृत करवाया है। श्रम मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बताया जा रहा है कि यूरोप की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले स्पेन में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी एक महीने में इतनी बड़ी तादाद में लोगों ने खुद को बेरोजगार के तौर पर पंजीकृत कराया हो। स्पेन में कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिये 14 मार्च से राष्ट्रव्यापी बंद लागू है।

www.readwhere.com

एक्सिस बैंक का ग्राहकों को तीन महीने किस्त टालने का विकल्प

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने अपने ग्राहकों को कर्ज की किस्तें चुकाने में कठिनाई होने की दशा में तीन महीनों के लिए ऋण स्थगन का विकल्प दिया हैं, यानी इस दौरान उनके बैंक खातों से ईएमआइ नहीं ली जाएगी। कई अन्य बैंक भी ग्राहकों से इस तरह की पेशकश कर चुके हैं।

एक्सिस बैंक ने ट्वीट किया, कोविड-19 नियामक पैकेज पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के मद्देनजर हम आपको ऋण स्थगन का विकल्प दे रहे हैं। बैंक ने कहा है कि ग्राहक एक मार्च 2020 से 31 मई 2020 के बीच विभिन्न सावधि ऋणों, क्रेडिट कार्ड के बकाया किस्तों और ब्याज के भुगतान को टाल सकते हैं।

इसी तरह की पेशकश निजी क्षेत्र के

> बैंक ने अपनी वेबसाइट पर ऋण स्थगन के नियम और शर्तों के बारे में कहा, यदि आपकी तत्काल आमदनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है या आप कोविड-19 महामारी से उत्पन्न वित्तीय बाधाओं का सामना कर रहे हैं तो ऋण स्थगन के विकल्प का लाभ उठा सकते हैं

एचडीएफसी बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक भी कर चुके हैं।

एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर ऋण स्थगन के नियम और शर्तों के बारे में विस्तार से कहा, यदि आपकी तत्काल आमदनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है या आप कोविड-19 महामारी से उत्पन्न वित्तीय बाधाओं का सामना कर रहे हैं तो ऋण स्थगन के विकल्प का लाभ उठाया जा सकता है। इसके साथ ही बैंक ने अपने ग्राहकों को स्पष्ट किया कि यह केवल एक ऋण स्थगन का विकल्प है और कोई रियायत या छूट नहीं है, क्योंकि इस अवधि के लिए ब्याज देना पड़ेगा।

बैंक ने कहा कि ऋण स्थगन की अवधि खत्म होने के बाद जून 2020 से पुनर्भुगतान फिर से शुरू हो जाएगा।

बैंक ने कहा है कि जिन ग्राहकों कई आमदनी पर प्रभावित नहीं हुई है या जो किस्त चुका सकते हैं और ऋण स्थगन की सुविधा नहीं चाहते हैं वे एक ईमेल भेज कर या बैंक की किसी भी शाखा में जाकर इस बारे में बता सकते हैं। साथ ही बैंक कहा है कि यदि किसी ग्राहक की तरफ से कोई लिखित सूचना नहीं मिलती है तो माना जाएगा कि उसने ऋण स्थगन का विकल्प चुना है।

अमेरिकी दखल की उम्मीद से कच्चे तेल में तेजी

सिंगापुर, 2 अप्रैल (एएफपी)।

सऊदी अरब और रूस से बीच कच्चे तेल पर जारी कीमत युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिकी हस्तक्षेप की उम्मीदों से एशियाई बाजारों में गुरुवार को इसकी कीमतों में तेजी देखने को मिली।

हालांकि, विश्लेषकों ने कहा कि कारोबार बंद होने की वजह से मांग में कमी बनी हुई है, जिससे बाजार प्रभावित रहा। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए हवाई यात्राओं पर पाबंदी के साथ ही बढ़ाई गई सामाजिक दूरी के चलते कच्चे तेल की मांग घटी है। एशियाई बाजारों में दोपहर के कारोबार के दौरान अमेरिकी मानक वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 7.14 फीसद बढ़ कर 21.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

एचडीएफसी समूह ने 150 करोड़ देने की घोषणा की

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

वित्तीय सेवा प्रदाता एचडीएफसी समूह ने कोरोना वायरस के खिलाफ जारी अभियान में प्रधानमंत्री राहत कोष (पीएम-केयर्स फंड) में 150 करोड़ रुपए देने की गुरुवार को घोषणा की।

एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारीक ने एक बयान में कहा, 'यह हम सभी के लिए अनिश्चित और प्रयास करने वाला दौर है। पीएम केयर्स फंड में हमारा योगदान केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सशस्त्र बलों, अर्द्धसैनिकों, पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मियों आदि की सराहना के लिए है।'

कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान की मदद के लिए 28 मार्च को पीएम-केयर्स फंड गठित किया गया है।

आरआइएनएल का 6.16 करोड़ का योगदान

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरआइएनएल ने कहा है कि वह कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने के लिए बनाए गए पीएम-केयर्स कोष में 6.16 करोड़ रुपए का योगदान कर रही है।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआइएनएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पी के रथ ने कहा कि 6.16 करोड़ रुपए में से 1.16 करोड़ रुपए पहले ही कोष में जमा किए जा चुके हैं।

इसके अलावा कंपनी आंध्र प्रदेश में अपने संयंत्र के आसपास रहने वाले लोगों को भोजन के पैकेट, मास्क और हैंड सैनिटाइजर जैसे जरूरी सामान उपलब्ध करा रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो सकती है एक फीसद की कमी : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, 2 अप्रैल (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था 2020 में करीब एक फीसद तक घट सकती है, जबकि पहले इसमें 2.5 फीसद की वृद्धि का अनुमान था। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि पर्याप्त वित्तीय राहत का इंतजाम किए बिना आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिबंध बढ़ाया जाता है, तो ये गिरावट और अधिक हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के एक विश्लेशण में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बाधित कर रही है। पिछले महीने के दौरान लगभग सौ देशों के राष्ट्रीय सीमाओं को बंद करने से लोगों की आवाजाही और पर्यटन में एक डरावना ठहराव आ गया है।

डीईएसए ने कहा, इन देशों में लाखों श्रमिकों को अपनी नौकरी खोने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। सरकारें अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मंदी में जाने से रोकने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेजों पर विचार कर रही हैं। सबसे खराब स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था

> डीईएसए : अर्थव्यवस्थाओं को मंदी में जाने से रोकने सरकारे प्रोत्साहन पैकेजों पर विचार कर रही हैं। सबसे खराब स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2020 में 0.9 फीसद तक गिरावट दर्ज कर सकती है। हालात संभल गए तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में 1.2 फीसद तक की वृद्धि दर्ज होगी सकती कर सकती है।

2020 में 0.9 फीसद तक गिरावट दर्ज कर सकती है। इसके साथ ही अगर हालात संभल गए तो भी इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था 1.2 फीसद तक की वृद्धि दर्ज कर सकती है। लेकिन ऐसा तभी होगा जबकि निजी खपत में मामूली गिरावट हो और निवेश, निर्यात तथा सरकारी खर्च में वृद्धि हो।

संस्था ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2009 में 1.7 फीसद घटी थी। डीईएसए ने कहा है कि यदि सरकारों आम लोगों को आर्थिक सहायता और उपभोक्ता खर्च बढ़ाने में मदद करने में विफल रही तो ये नुकसान और भी अधिक हो सकता है।

टीवीएस मोटर की बिक्री मार्च में 55 फीसद गिरी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

टीवीएस मोटर कंपनी ने गुरुवार को बताया कि मार्च महीने में उसकी कुल बिक्री 55.5 फीसद की गिरावट के साथ 1,44,739 इकाई रह गई। मुख्य रूप से दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने मार्च 2019 में 3,25,323 इकाइयों की बिक्री की थी।

बयान में कहा गया कि देश भर में कोविड-19 की रोकथाम के लिए किए गए बंद के कारण मार्च में कंपनी के उत्पादन और बिक्री पर भारी असर पड़ा है। महीने के दौरान कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,33,988 इकाई रही, जो मार्च 2019 में 3,10,885 इकाइयों की हुई बिक्री की तुलना में 56.9 फीसद कम है।

मार्च 2019 में 2,47,694 इकाइयों की तुलना में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 94,103 इकाई रही जो 62 फीसद की गिरावट को दर्शाता है। मार्च 2019 में 76,405 इकाइयों के निर्यात की तुलना में इस बार कुल निर्यात पिछले महीने 34.3 फीसद घट कर 50,197 इकाई रह गया।

संकट बढ़ने की आशंका से एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख जारी

हांगकांग, 2 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए संकट के गहराने की आशंका में एशियाई शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट का रुख जारी रहा। इस महामारी के आर्थिक असर को रोकने के लिए दुनिया भर की सरकारों द्वारा दिए गए अरबों-खरबों रुपए के राहत पैकेज के दो सप्ताह बाद कारोबारियों का ध्यान एक बार फिर महामारी के दीर्घकालिक प्रभाव पर लौट आया है।

कई देशों ने कहा है कि वे बंदी को आगे बढ़ाएंगे, जबकि इससे पहले ही दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हैं। इस खबरों के चलते एशियाई बाजारों में बिकवाली बढ़ी और सुबह के कारोबार में टोक्यो 0.8 फीसद, हांगकांग 0.5 फीसद और सिडनी दो फीसद से अधिक गिरा। इसी तरह शंघाई में 0.1 फीसद, सिंगापुर में एक फीसद, जबकि मनीला और वेलिंगटन में दो फीसद की गिरावट आई। हालांकि सोल में 0.6 फीसद की तेजी देखने को मिली।

एशिया प्रशांत की 20 फीसद गैर वित्तीय कंपनियां जोखिम में

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

एशिया प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) की सिर्फ 20 फीसद गैर वित्तीय कंपनियां को कोरोना वायरस संकट की वजह से ऊंचे जोखिम की स्थिति से जूझना पड़ सकता है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने गुरुवार को यह अनुमान लगाया है।

मूडीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी की वजह से इन 20 फीसद कंपनियों को ऊंचे जोखिम का सामना करना पड़ेगा क्योंकि ये उपभोक्ता मांग में बदलाव और वैश्विक स्तर पर यात्रा अंकुश की दृष्टि से संवेदनशील हैं। वहीं 36 फीसद कंपनियां ऐसी हैं जिनके समक्ष काफी कम जोखिम है जबकि 27 फीसद को पुनर्वित्तपोषण के जोखिम से जूझना पड़ सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि छह ऐसे क्षेत्रों की पहचान की गई है जो कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इनमें एअरलाइंस, वाहन ओईएमएस और वाहल कलपुर्जा आपूर्ति, तेल एवं गैस उत्पादक, गेमिग, वैश्विक पोत परिवहन, गैर-जरूरी खुदरा क्षेत्र और होटल शामिल हैं।

रिपोर्ट कहती है कि 20 फीसद अत्यधिक

मूडीज की रिपोर्ट

रिपोर्ट में कहा गया है कि छह ऐसे क्षेत्रों की पहचान की गई है जो कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इनमें एअरलाइंस, वाहन ओईएमएस और वाहल कलपुर्जा आपूर्ति, तेल एवं गैस उत्पादक, गेमिग, वैश्विक पोत परिवहन, गैर-जरूरी खुदरा क्षेत्र और होटल शामिल हैं।

जोखिम वाली कंपनियों में से 67 फीसद का परिदृश्य नकारात्मक है। इन कंपनियों की साख कम करने के लिए समीक्षा हो रही है। इनकी नकदी की स्थिति कमजोर है।

इस रिपोर्ट में एशिया प्रशांत क्षेत्र की 483 कंपनियों को रेटिंग दी गई है। मूडीज का कहना है कि ऊंचे जोखिम का मतलब है कि इनकी ऋण की गुणवत्ता कमजोर पड़ सकती है या मौजूदा वृहद आर्थिक स्थिति तथा कच्चे तेल की कीमतों के अनुमान के बीच इनकी रेटिंग घट सकती है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कर्मचारी एक दिन का वेतन देंगे

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

रेल मंत्रालय के अधीन आने वाली संस्था रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के कर्मचारियों ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए सरकार के प्रयासों को मजबूती देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में एक दिन का वेतन देने का फैसला किया है।

प्राधिकरण की यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल को लेकर रेल भूमि विकास प्राधिकरण के वाइस-चेयरमैन वेद प्रकाश डुडेजा ने बताया, 'कोविड-19 महामारी के कारण देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों के प्रयासों की हम सराहना करते हैं। एक जिम्मेदार संगठन के रूप में हम सरकार के साथ खड़े हैं।' प्रधिकरण ने कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए सरकार के किए जा प्रयासों को मजबूती देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में अपने सभी कर्मचारियों के एक दिन का वेतन का योगदान करने का निर्णय किया है।

> आरएलडीए के सभी कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से बैठकें कर रहे हैं

बंदी की शुरुआत के बाद से ही आरएलडीए कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा है। आरएलडीए के सभी कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से बैठकें कर रहे हैं ताकि निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) रेल मंत्रालय के अधीन आने वाला एक सांविधिक प्राधिकरण है। इसकी स्थापना गैर-भाड़ा उपायों द्वारा राजस्व अर्जन के उद्देशय से रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास करने के लिये रेल अधिनियम 1989 मे संशोधन कर हुई थी। वर्तमान में, भारतीय रेलवे के पास पूरे देश में लगभग 43,000 हेक्टेयर खाली भूमि है।

सेबी ने प्रस्तावों पर सुझाव देने की समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

बाजार नियामक सेबी ने दो पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआइपी) के बीच छह महीने का अंतर और किसी सूचीबद्ध होल्डिग कंपनी के साथ विलय की स्थिति में एक कंपनी की सूचीबद्धता समाप्त करने के संदर्भ में नियमों में प्रस्तावित ढील पर सार्वजनिक टिप्पणी अथवा सुझाव दिए जाने की समयसीमा बढ़ा कर 30 अप्रैल कर दी है।

इससे पहले, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इन दोनों प्रस्तावों पर 15 अप्रैल तक टिप्पणी देने को कहा था। इसके अलावा सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा दी जाने वाली ई-वोटिग सुविधा के प्रस्ताव के साथ प्रवर्तक इकाइयों को कर्ज या किसी प्रकार की गारंटी देने से पहले शेयरधारकों से मंजूरी लेने के प्रस्ताव पर टिप्पणी देने की समयसीमा भी बढ़ा कर 30 अप्रैल कर दी गई है।

इन दोनों प्रस्तावों पर टिप्पणी 31 मार्च तक मांगी गई थी।

नियामक ने 31 मार्च को एक रिपोर्ट में कहा, 'कोरोना वायरस महामारी के कारण समयसीमा बढ़ाने के बारे में मिले आग्रह को देखते हुए विभिन्न परिचर्चा पत्रों पर टिप्पणी लेने की समयसीमा बढ़ाने का निर्णय किया गया है....ये सुझाव अब 30 अप्रैल 2020 तक दिए जा सकते हैं।' क्यूआइपी के संदर्भ में सूचीबद्ध कंपनियों के तत्काल कोष की जरूरत की स्थिति में कुछ निश्चित शर्तों को पूरा करने पर पात्र संस्थागत निवेशकों को दो बार सार्वजनिक निर्गम जारी किये जाने के बीच छह महीने के अनिवार्य अंतर की जरूरत के प्रावधान में ढील देने का प्रस्ताव है।

मौजूदा निययों के तहत सूचीबद्ध कंपनियां पहले पात्र संस्थागत नियोजन के छह महीने के अंतर पर ही दूसरा क्यूआइपी जारी कर सकती हैं।

सूचीबद्धता समाप्त करने के संदर्भ में पूंजी बाजार नियामक ने सूचीबद्ध कंपनियों को उस परिस्थिति में नियमों के अनुपालन से छूट देने का प्रस्ताव किया है जब उनका किसी दूसरी सूचीबद्ध होल्डिंग कंपनी में विलय होता है और उस अनुषंगी इकाई के शेयरधारकों को मूल कंपनी के शेयर प्राप्त हो जाते हैं।

यह उन मामलों में लागू होगा जहां एक सूचीबद्ध होल्डिंग कंपनी अपनी सूचीबद्ध अनुषंगी का विलय कर रहे हैं और अनुषंगी इकाई सूचीबद्धता नियमों का अनुकरण किए बिना ही अपनी सूचीबद्धता समाप्त करना चाहती है।

इसके अलावा सेबी ने पिछले महीने शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और आसान बनाने के लिए दो व्यवस्था का प्रस्ताव किया था।

प्रस्ताव के तहत शेयरधारक ईएसपी (ई-वोटिंग सेवा प्रदाताओं) ई-वोटिंग लिंक तक पहुंच सकेंगे और इसके लिए उन्हें प्रक्रिया में भाग लेने के लिये किसी और प्रकार से सत्यापन की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा डीमैट खाताधारकों को अलग ईएसपी पोर्टल के जरिये वोट देने की अनुमति देने का प्रस्ताव है और इसके लिए उन्हें ईएसपीए पर फिर से पंजीकरण की जरूरत नहीं होगी।

फिलहाल कई इकाइयां ई-वोटिंग सुविधा सूचीबद्ध इकाइयों को उपलब्ध कराती हैं और शेयरधारकों को पंजीकृत होना होता है और विभिन्न 'यूजर आईडी' तथा 'पासवर्ड' को बनाए रखना होता है।

इसके अलावा सेबी ने अपने मसौदा पत्र में यह भी प्रस्ताव किया है कि सूचीबद्ध इकाइयों को प्रवर्तक इकाई समेत किसी को भी कर्ज या गारंटी देती हैं तो उन्हें इस बार में पहले शेयरधारकों से उसकी मंजूरी लेनी होगी।

शुद्धिपत्र-बिक्री सूचना

दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 के अंतर्गत परिसम्पत्तियों की बिक्री

श्री ओम बायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में)

कृपया श्री ओम बायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में) की खाता में बिक्री सूचना देखें जो 16 मार्च, 2020 को द फाइनांसियल एक्सप्रैस एवं जनसत्ता में प्रकाशित हुई थी। महामारी तथा नोवल कोरोना वायरस (कोविड 19) के प्रसार तथा देश में राष्ट्रीय लॉकडाउन/कफ्यू को देखते हुए परिसम्पत्तियों की बिक्री इस अभूतपूर्व स्थिति के कारण स्थगित की जा रही है। अब, बोली जमा करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल, 2020 से परिवर्तित कर 19 मई, 2020 के 5.00 बजे अप. तक कर दी गई गई है। ई-नीलामी की तिथि एवं समय 21 मई, 2020 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक कर दी गई है।

अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगे।

बृजेन्दर सिंह देसवाल

श्री ओम बायर्स प्राईवेट लिमिटेड (परिसमापन में) के परिसमापक

फोनः 9811414181

ईमेल: liquidation.shreeomwires@gmail.com, brijender@deswal.com

पैनासोनिक एवीसी नेटवर्क्स इंडिया कम्पनी लिमिटेड

सीआईएन : U74899DL1996PLC077330

पंजी. कार्यालय : डी-13/4, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-।।, नई दिल्ली-110020

डाक मतदान और ई-वोटिंग का परिणाम

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 110 के साथ पठित तदधीन विरचित कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 और 22 के अनुसरण में डाक मतदान सूचना दिनांकित 24 फरवरी, 2020 में विनिर्दिष्ट विशेष प्रस्ताव के लिए डाक मतदान तथा ई-वोटिंग के माध्यम से कम्पनी के सदस्यों से अनुमोदन की याचना की गई थी।

कम्पनी के निदेशक मंडल ने मैसर्स अभिषेक लाम्बा ऐण्ड एसोसिएट्स, कम्पनी सेक्रेटरीज, के श्री अभिषेक लाम्बा को डाक मतदान तथा ई-वोटिंग प्रक्रिया का संचालन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से करने के लिए संवीक्षक नियुक्त किया था। संवीक्षक ने 30 मार्च, 2020 (अप. 05.00 बजे तक) प्राप्त सभी डाक मतपत्रों तथा ई-वोटिंग परिणामों की संवीक्षा कर अपनी रिपोर्ट दिनांक 31 मार्च, 2020 को प्रस्तुत कर दी है। संवीक्षक की रिपोर्ट पर आधारित डाक मतदान तथा ई-वोटिंग के परिणाम निम्नानुसार हैं :

प्रस्ताव	कम्पनी की शेयर पूंजी का न्यूनीकरण			
	शेयरों की संख्या (डाक मतदान द्वारा)	शेयरों की संख्या (ई-वोटिंग द्वारा)	शेयरों की कुल संख्या	कुल शुद्ध वैध मतों का % (प्रतिशत में)
प्राप्त मतों की कुल संख्या	3,955	4,80,14,287	4,80,18,242	-
घटाएं : अवैध मत	200	100	300	-
शुद्ध वैध मत	3,755	4,80,14,187	4,80,17,942	100
प्रस्ताव के पक्ष में मत	3,403	4,76,29,191	476,32,594	99.20
प्रस्ताव के विरोध में मत	352	3,84,996	3,85,348	0.80

डाक मतदान (ई-वोटिंग सहित) के परिणाम के अनुसार उपरिवर्णित प्रस्ताव आवश्यक बहुमत द्वारा पारित किया गया है। डाक मतदान का परिणाम संवीक्षक की रिपोर्ट के साथ कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय और कार्पोरेट कार्यालय में सूचना पट पर तथा स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्रा. लि. की वेबसाइट www.skylinetra.com पर तथा नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की वेबसाइट नामतः www.evoting.nsdl.com पर भी प्रदर्शित की गई है।

बोर्ड के आदेश द्वारा

कृते **पैनासोनिक एवीसी नेटवर्क्स इंडिया कम्पनी लिमिटेड**

हस्ता./-

इस्सहिन किनुगावा (Isshin Kinugawa)

प्रबंध निदेशक

डीआईएन : 07785797

पता : फ्लैट नंबर सी-643, प्रथम तल, न्यू फ्रेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली-110025

स्थान : दिल्ली

दिनांक : 02-04-2020

मूडीज ने भारतीय बैंकों का परिदृश्य नकारात्मक किया

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने गुरुवार को भारतीय बैंकों के परिदृश्य को स्थिर से बदल कर नकारात्मक कर दिया है। मूडीज ने कहा है कि कोरोना महामारी के चलते आर्थिक गतिविधियों के बाधित हो जाने के कारण बैंकों की परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में गिरावट होने का अनुमान है।

मूडीज ने कहा कि ये गिरावट कॉरपोरेट, छोटे एवं मझोले उद्योग और खुदरा खंड में होगी, और इसका असर बैंकों के मुनाफे और पूंजी पर पड़ेगा। मूडीज ने कहा, 'हमने भारतीय बैंकिग प्रणाली के परिदृश्य को स्थिर से बदल कर नकारात्मक कर दिया है। कोरोना वायरस महामारी से आर्थिक गतिविधियों के बाधित होने से भारत की आर्थिक वृद्धि में कमी होगी।' मूडीज ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों में तेज गिरावट और बेरोजगारी बढ़ने से आम आदमी और कॉरपोरेट की माली हालत खराब होगी, जिसके चलते बैंकों पर दबाव बढ़ेगा। इसमें कहा गया है कि गैर बैंकिग वित्तीय कंपनियों में दिवालियापन के बढ़ते दबावों से बैंकों की परिसंपत्तियों की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी, क्योंकि बैंकों ने इन्हें काफी पैसा दे रखा है। मूडीज ने कहा है कि इससे मुनाफे और ऋण वृद्धि में कमी आने का अनुमान है।

आनंद महिंद्रा ने लिखा कर्मचारियों को पत्र

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कोरोना विषाणु को अब तक की सबसे भयावह आपदाओं में एक बताते हुए गुरुवार को सभी कर्मचारियों से कहा कि वे लॉकडाउन (बंद) में निजी व पेशेवर तौर पर खुद को भविष्य के लिए तैयार करें।

उन्होंने समूह के दो लाख से अधिक कर्मचारियों को एक पत्र के माध्यम से कहा कि यह ऐसी आपदा है, जो पहले कभी नहीं देखी गई। उन्होंने पत्र में पिछली आर्थिक मंदी के दौरान दिए गए अपने सुझाव को भी दोहराया। उन्होंने पिछली मंदी के दौरान कर्मचारियों को बताया था कि संकट के समय को किस तरह से खुद को नए सिरे से तैयार करने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

उन्होंने अभी उपलब्ध समय को नए विचारों और नवोन्मेष में निवेश करने का सुझाव दिया। उन्होंने भविष्य के लिए बड़े सपने तैयार करने तथा संकट के समाप्त हो जाने के बाद महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाने में संकट के मौजूदा समय का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया।

महिंद्रा ने कहा कि यह कामकाज के लिहाज से सामान्य समय नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे संकट से जूझ रहे हैं जो पहले कभी नहीं आया। हम सभी अपने परिजनों, अपने कारोबार, अपनी अर्थव्यवस्था और अपने देश के प्रति चिंतित हैं। इसके बाद भी हम सभी वह कर रहे हैं, जो किया जा सकता है और संकट से दवाब में आए बिना इसके साथ जीना सीख रहे हैं।'

महिंद्रा ने कहा कि इन परिस्थितियों ने हमें एक ऐसी मोहलत दी है, जिसका इस्तेमाल अच्छे के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'घर में बंद होने से हमें यह मालूम हुआ है कि हम किस तरह से पर्यावरण पर अनावश्यक बोझ डाल रहे थे। मैंने मुंबई को कभी इतना खूबसूरत नहीं देखा, जैसा अभी बंद के दौरान दिख रहा है...आसमान नीला है, हवा साफ है, सड़कों पर गंदगी नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'क्या हमें यह सब सीखने के लिये इस तरह के संकट की जरूरत है? क्या संकट के निपट जाने के बाद भी हम इस तरह से नहीं रह सकते हैं? क्या हम पर्यावरण का बेहतर तरीके से इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं? क्या हम कम यात्रा कर कार्बन उत्सर्जन कम नहीं कर सकते हैं? क्या हम बेहतर तरीके से काम करने तथा काम और जीवन का संतुलन बनाने के लिए दूर से ही बैठक व संवाद करने के तरीके पर अमल नहीं कर सकते हैं? सबसे महत्त्वपूर्ण, क्या हम जीवन जीने के व्यक्तिगत और पेशेवर रवैये को नए सिरे से तैयार नहीं कर सकते हैं?'

www.readwhere.com

कांग्रेस, भाजपा सामुदायिक रसोई में बनवा रहे हैं जरूरतमंदों का भोजन

दोनों दलों के कार्यकर्ता भोजन उपलब्ध करवाने के लिए उतरे मैदान में

भोपाल, 2 अप्रैल (भाषा)।

भोपाल में मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का राजीव गांधी हॉल जो लगभग 15 माह पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ के चयन का गवाह था, कोरोना वायरस के चलते बंद के कारण फिलहाल गरीब और जरुरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए एक बड़े रसोई घर में तब्दील हो गया है।

मध्य प्रदेश

कोविड-19 संक्रमण तेजी से फैल रहा है और इसे रोकने के लिए सरकार द्वारा लागू किए गए देशव्यापी बंद को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस अपने स्तर पर जरुरतमंदों की मदद के लिए मैदान में उतर आई है। यहां कांग्रेस जहां अपने प्रदेश मुख्यालय का उपयोग सामुदायिक भोजन पैकेट के निर्माण के लिए एक बड़े रसोई घर के तौर पर कर रही है तो भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से भोजन के पैकेट और कच्ची खाद्य सामग्री के वितरण में लगी हुई है।

कांग्रेस कार्यालय में रसोई घर का जिम्मा संभाल रहे प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल ने बताया, 'कोरोना वायरस के मद्देनजर बंद ने दैनिक कमाई पर निर्भर रहने वाले लोगों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। यहां तक कि कई लोगों के पास धन होने के बाद भी वस्तुएं उपलब्ध नहीं होने के कारण वे खरीद नहीं पा रहे हैं। ऐसे सभी जरुरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए हमने यहां रसोई स्थापित की है।' उन्होंने बताया, 'यहां बनने वाले भोजन के पैकेट पार्टी कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के लोगों के जरिए जरूरतमंदों को बांटे जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य 15 अप्रैल तक रसोई चलाना है और वर्तमान में हम 25000 भोजन के पैकेट रोज तैयार कर रहे हैं।'

वहीं दूसरी ओर भाजपा ने प्रदेश भर में अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के विशाल नेटवर्क को भोजन और खाद्य सामग्री के वितरण का काम सौंपा है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने बताया, 'बंद की घोषणा के बाद हमने जरुरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए प्रदेश में कई स्तरों पर व्यवस्था की है। हमारे कार्यकर्ता अपने घर पर भोजन बनवाकर पैकेट बंटवा रहे हैं। वहीं भाजपा नेताओं द्वारा सामुदायिक रसोई भी स्थापित की गई है। इसके अलावा भाजपा नेताओं द्वारा लोगों को कच्ची खाद्य सामग्री के पैकेट भी बांटे जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारा लक्ष्य प्रदेश के लगभग नौ लाख श्रमिकों को भोजन वितरण और अन्य कार्यों में लोगों की मदद करना है।

अग्रवाल ने कहा, 'भाजपा कार्यकर्ता हर दिन लगभग 25-30 लाख लोगों तक पहुंच रहे हैं और हमारा लक्ष्य 45 लाख लोगों तक रोज पहुंचने का है। हम स्थानीय प्रशासन, पुलिस और सामाजिक संगठनों के मदद से भोजन के पैकेट वितरित करवा रहे हैं।' प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश के उन लोगों का भी पता लगा रहे हैं जो अन्य राज्यों में फंसे हुए हैं। हम अन्य राज्यों की पार्टी इकाइयों के साथ समन्वय कर ऐसे लोगों की हर संभव सहायता कर रहे हैं।'

राष्ट्रीय बंदी के बीच रामनवमी पर गुरुवार को जम्मू में श्रद्धालु जवारे (साख) का विसर्जन करते हुए।

तेलंगाना पुलिस को तीन दिन में आए 6.41 लाख फोन

हैदराबाद, 2 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए देशव्यापी बंद के बीच तेलंगाना पुलिस को पिछले तीन दिनों में 100 नंबर पर 6.41 लाख कॉल आए हैं।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि डायल 100 कर्मियों के लिए बुधवार को तनाव मुक्त करने वाले सत्र का आयोजन किया गया ताकि उनमें स्थिति से निपटने के लिए उत्साह भरा रहे। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि डायल 100 कर्मियों के तनाव के स्तर की कल्पना करें। इन्हें तीन दिन में लोगों ने बंद के बीच 6,41,955 बार फोन किए। इस स्थिति को देखते हुए इन्हें तनाव मुक्त करने के लिए एक सत्र का आयोजन किया गया ताकि इनका उत्साह बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हाल ही में कहा था कि लोग स्वास्थ्य आपात स्थिति में सहायता के लिए डायल 100 नंबर का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया था कि राज्य में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होना चाहिए जो बिना भोजन के रहे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद पुलिसकर्मी स्वयंसेवियों के साथ मिलकर खाद्य पदार्थ और जरूरी सामान राज्य में बांट रहे हैं। तेलंगाना के कई हिस्सों से श्रमिकों को पैदल ही अपने पैतृक नगर की ओर चलते हुए देखा गया था लेकिन उन्हें रोककर यह समझाया गया कि राज्य में ही उनके खाने, रहने और जरूरी सामान की व्यवस्था होगी।

महाराष्ट्र सरकार खून के नमूनों के आधार पर तेजी से करेगी कोरोना संक्रमण की जांच

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा, केंद्र सरकार ने दी जांच की अनुमति

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने गुरुवार को बताया कि केंद्र सरकार ने खून के नमूने का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण की जांच करने की अनुमति दे दी है ताकि संक्रमितों का पता लगाया जा सके।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लार के बजाय खून के नमूने के आधार पर तेजी से जांच करेगी जिससे पांच मिनट में पता चलेगा कि व्यक्ति में बीमारी के प्रति रोग प्रतिरोधी कण विकसित हुए हैं या नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना वायरस को लेकर हुई बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में टोपे ने बताया कि महाराष्ट्र के आश्रय गृहों में करीब तीन लाख 25 हजार प्रवासी श्रमिक रह रहे हैं।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ वीडियो कॉफ्रेंस में टोपे और राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख भी शामिल हुए। टोपे ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने हमें सूचित किया कि राज्य अब कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों का शीघ्र पता लगाने के लिए त्वरित परीक्षण तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। हम कोरोना वायरस के संक्रमण का पता लगाने के लिए खून के नमूने का इस्तेमाल करेंगे।' उन्होंने कहा, 'राज्य में बड़े पैमाने पर जांच शुरू की जाएगी। खून का नमूना लेने के पांच मिनट के भीतर सरकार को पता चल जाएगा कि व्यक्ति के शरीर में कोई प्रतिरोधक कण (एंटीबॉडी) विकसित हुआ है या नहीं यह वायरस की मौजूदगी को इंगित करेगा।' टोपे ने बताया, 'इससे पहले केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर जांच की अनुमति नहीं दी थी।' उन्होंने कहा, 'मोदी ने महाराष्ट्र सरकार से लॉकडाउन के मद्देनजर प्रवासी कामगारों की देखभाल करने को कहा।' टोपे ने कहा, 'राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न आश्रय गृहों में तीन लाख 25 हजार प्रवासी मजदूर रह रहे हैं। मोदी ने कहा कि न केवल उनके खाने की व्यवस्था की जाए बल्कि टीवी आदि का भी प्रबंध करें ताकि उनका मनोरंजन हो और वे आश्रय गृह छोड़कर नहीं जाएं।'

उन्होंने बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात के मरकज में महाराष्ट्र के 1,400 लोग शामिल होकर वापस लौटे थे जिनमें से 1,300 का पता लगा लिया गया है। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने जीएसटी के बकाया 16,000 करोड़ रुपए जारी करने का अनुरोध किया।

गुजरात : प्रवासी मजदूरों का पता लगाने की जिम्मेदारी शिक्षकों को सौंपी

अहमदाबाद, 2 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात सरकार ने कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर लॉकडाउन के इस अभूतपूर्व दौर में प्रवासी कामगारों का पता लगाने और उन्हें निशुल्क राशन मुहैया कराने का काम प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों को सौंपा है।

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को गांवों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के लिए बुधवार को बुलाया गया ताकि वहां प्रवासी कामगारों का पता लगाया जा सके तथा संबंधित अधिकारियों को उनकी जानकारी दी जा सके। कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिए लागू किए गए बंद से मानवीय संकट खड़ा हो गया है क्योंकि इससे प्रवासी मजदूरों की नौकरियां चली गईं और वे परिवहन की कोई सुविधा न होने पर पैदल ही अपने-अपने गंतव्यों की ओर चल पड़े।

हालांकि सरकार उनकी आवाजाही को अभी के लिए रोकने के वास्ते कदम उठा रही है। शिक्षकों का एक समूह बुधवार को यहां अमदाबाद-राजकोट राजमार्ग के समीप चाचरावाडी वासना गांव के हर घर में गया। गांव का सर्वेक्षण करने के बाद शिक्षकों ने पाया कि देश के विभिन्न हिस्सों से वहां प्रवासी मजदूरों के 14 परिवार रह रहे हैं तथा उनके पास गुजरात का राशन कार्ड नहीं है।

चाचरावाडी वासना में सरकारी प्राथमिक स्कूल के एक शिक्षक ने कहा, 'हमने जिन गरीब परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है उनका पता लगाने के लिए हर घर में सर्वेक्षण किया। गांव में ऐसे 14 परिवारों की पहचान की गई और हमने उच्च अधिकारियों को सूचना दे दी है।'

गुजरात सरकार ने एलान किया है कि वह उन गरीब परिवारों को एक महीने का मुफ्त राशन देगी जिनकी आमदनी बंद के कारण प्रभावित हुई है। प्रति व्यक्ति दिए जाने वाले राशन में 3.5 किलोग्राम गेहूं, 1.5 किग्रा चावल और एक-एक किलो दालें, चीनी और नमक शामिल होगा। मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने कहा कि 40 करोड़ रुपए की निधि आबंटित की गई है जिसके जरिए प्रवासी मजदूरों को भोजन एवं आवास मुहैया कराया जाएगा ताकि वे राज्य को छोड़कर न जाएं।

मदरसे में रह रहे नौ मौलानाओं पर मामला दर्ज

श्रावस्ती (उप्र), 2 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटकर नेपाल सीमा के एक मदरसे में छिपे नौ मौलानाओं के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उन्हें वहीं पृथक रखा है।

श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने गुरुवार को बताया कि तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटे लोगों की खोज की गई और वे बुधवार को मल्हीपुर थानांतर्गत जमुनहा के मंतूरी मदरसे में मिले।

उन्होंने बताया कि ये सभी लोग 13 मार्च को यहां पहुंचे थे। यहां पहुंच कर ये सभी जमुनहा की एक मस्जिद में भी रुके थे। लेकिन इन्होंने न तो अपनी स्वास्थ्य की जांच कराई और न ही अपने आने की सूचना प्रशासन को दी।

एसपी ने बताया कि इन नौ मौलवियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर इनकी स्वास्थ्य जांच कराई गई है तथा इन्हें मदरसे में ही पृथक रखा गया है। उन्होंने बताया कि बीते फरवरी माह से यहां डब्ल्यूएचओ की निगरानी में विदेशी पर्यटकों की स्वास्थ्य जांच कराई जा रही है। फरवरी माह से अब तक 700 विदेशी पर्यटकों सहित जिले में आए करीब 900 विदेशियों की स्वास्थ्य जांच कराई गई है। अभी तक जिले में कोरोना संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है।

बाहर से आए लोगों की सूची में नाम डाला, नाराज जवान ने महिला को मारी गोली

जवान गिरफ्तार, महिला की मौत

मैनपुरी (उप्र), 2 अप्रैल (भाषा)।

मैनपुरी जिले के कुर्रा इलाके के अलीपुर गांव में सेना के एक जवान ने एक महिला को कथित तौर पर गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

दरअसल महिला के रिश्तेदार ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए बाहर से आए लोगों की सूची में सैनिक और उसके परिवार का नाम शामिल किया था।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को सेना का जवान शैलेंद्र अपने भाई विजेंद्र और दो अन्य के साथ हथियारों के साथ विनय यादव और राजगर सेवक के घर में घुस गया और हंगामा करने लगा। इन लोगों ने कोलकाता से लौटे शैलेंद्र और उसके परिवार का नाम बाहर से आए लोगों की सूची में डाल दिया था, जिससे वह नाराज था।

जब शैलेंद्र और उसके साथी विनय के साथ मारपीट करने लगे तो विनय का भाई दिनेश, भाभी संध्या (36) और उसका रिश्तेदार समोद विनय को बचाने के लिए पहुंचे लेकिन इस दौरान शैलेंद्र ने अपनी रायफल से गोली चला दी, जिससे संध्या की गोली लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पांडेय ने बताया कि कुररा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर शैलेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। विनय यादव ग्राम पंचायत अधिकारी के निर्देश पर उन लोगों की सूची बना रहा था जो कि अन्य जिलों से गांव वापस आए हैं।

निजामुद्दीन जैसा कार्यक्रम मुंबई के पास आयोजित होने से रोका था : देशमुख

मुंबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

महाराष्ट्र सरकार ने सक्रियता दिखाते हुए मंगलवार को मुंबई के पास आयोजित होने वाले दिल्ली के निजामुद्दीन जैसे धार्मिक आयोजन को समय रहते रद्द करवा दिया था।

सरकार ने इस कार्यक्रम को शुरुआत में दी गई अनुमति को वापस ले लिया था। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुंबई के बाहरी क्षेत्र वसई में आयोजित होने वाले दो दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन की शुरुआत में अनुमति दी गई थी, जिसे बाद में गृह विभाग ने निरस्त कर दिया था।

बयान में देशमुख के हवाले से कहा गया कि 'शमीम शिक्षा और समाज कल्याण' नाम के संगठन ने पश्चिमी वसई के दिवानमन गांव में 14-15 मार्च को तबलीगी इज्तिमा आयोजित करने की विभाग से अनुमति मांगी थी। इसमें करीब 50 हजार श्रद्धालुओं के एकत्र होने की सूचना दी गई थी।

पुलिस ने पांच फरवरी को आयोजन की अनुमति दे दी थी लेकिन इस बीच कोरोना विषाणु के मामले सामने के बाद कार्यक्रम की अनमति पर पुनर्विचार किया और इतनी बड़ी संख्या में लोग एकत्र होने पर संक्रमण फैलने के खतरे के मद्देनजर छह मार्च को आयोजकों को इसे रद्द करने का आदेश दिया गया। साथ ही आयोजकों को सख्त चेतावनी दी गई कि वायरस के प्रसार को देखते हुए किसी भी सूरत में आयोजन नहीं हो अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में कोरोना संक्रमण के 11 नए मामले मिले

बीमार संक्रमित बुजुर्ग की मौत

जयपुर, 2 अप्रैल (भाषा)।

राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के 11 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से सात जयपुर शहर के रामगंज क्षेत्र से हैं। राज्य में अभी तक 131 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इस बीच कोविड-19 के मरीज 85 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई है।

राज्य में संक्रमित कुल लोगों में से 14 निजामुद्दीन मरकज में आयोजित तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। नए मामलों में एक जोधपुर का है। वहीं झुंझुनू, भरतपुर व धौलपुर में एक-एक नया मामला आया है, और ये सभी लोग तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

राज्य के कुल 131 पॉजिटिव मामलों में 18 वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें ईरान से लाकर यहां रखा गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) रोहित कुमार सिंह ने बताया, 'राजधानी जयपुर के रामगंज इलाके में गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के सात नए मामले सामने आए हैं। सभी इलाके में संक्रमित पाए गए पहले व्यक्ति के संपर्क में थे।' इस बीच जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती कोरोना वायरस से संक्रमित बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है, वह पहले से बीमार थे। अलवर निवासी 85 वर्षीय सोहनलाल को 31 मार्च को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मस्तिष्काघात व लकवे से पीड़ित थे।

'कोरोना इलाज' की डीएसपी की चेतावनी का वीडियो वायरल

हैदराबाद, 2 अप्रैल (भाषा)।

तेलंगाना के वानापर्थी जिले में एक पुलिस अधिकारी द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को 'कांटे और कील लगे डंडों से इलाज' करने की चेतावनी देने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

> 'उल्लंघन करने वाले को वानापर्थी में ले जाया जाएगा और वहां हम उनका 'कोरोना का एक नया इलाज' करेंगे, जिसमें कांटों और कील लगे डंडे का उपयोग किया जाएगा।'

वीडियो में, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रैंक के एक अधिकारी, एक गांव में लोगों के एक समूह को चेतावनी देते हुए दिखाई दे रहे हैं। वे कह रहे हैं कि क्षेत्र निरीक्षकों और उप-निरीक्षकों से गांवों में छापा मारने के लिए कहा गया है और छापे के दौरान किसी को भी ताश खेलते हुए, क्रिकेट खेलते हुए या शराब पार्टी करते हुए पकड़े जाने पर उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

चेतावनी में कहा गया, 'ऐसे उल्लंघन करने वाले को वानापर्थी में ले जाया जाएगा और वहां हम उनका 'कोरोना का एक नया इलाज' करेंगे, जिसमें कांटों और कील लगे डंडे का उपयोग किया जाएगा।' वीडियो में यह चेतावनी दे रहे हैं 'अगर यह डंडा पड़ा तो, व्यक्ति दो महीने तक बिस्तर से उठ नहीं पाएगा।'

डीएसपी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'मैं सरपंच और गांव के बुजुर्गों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने गांव के युवाओं को इस तरह के इलाज के बारे में बताएं। अब आपको यह तय करना है कि ऐसा इलाज कराना है या घर पर रहना है और वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना है। मैं केवल आपको यह सूचना देने के लिए आया था। मैं चाहता हूं कि आप ग्रामीणों में जागरूकता पैदा करें।' हालांकि इसको लेकर पूछे जाने पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वानापर्थी पुलिस ने ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है।

इस बीच, तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी स्थित निजामुद्दीन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले तेलंगाना के 300 लोगों की कोरोना वायरस की जांच अभी की जानी है। सरकार इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले उनके परिवार के सदस्यों और उनके संपर्क में आए लोगों से जांच का आग्रह कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

फॉर्म नं. यूआरसी-2 अध्याय XXI के भाग I के तहत पंजीकरण के बारे में सूचना देने वाला विज्ञापन

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374 (बी) और कंपनीज़ (पंजीकृत करने के लिए अधिकृत) नियमों, 2014 के नियम 4 (1) के अनुवर्ती]

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उप-धारा (2) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी द्वारा कानपुर (उत्तर प्रदेश) के रजिस्ट्रार को आवेदन किया गया है, जिसमें वेल्थ नाईट्स वेंचर्स एंड इंश्योरेंस मार्केटिंग एलएलपी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI भाग I के तहत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप पंजीकृत हो सकती है।
2. कंपनी के प्रमुख उद्देश्य नीचे अनुसार हैं: अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा को छोड़कर इंश्योरेंस और पेंशन फंडिंग।
3. प्रस्तावित कंपनी के मसौदा ज्ञापन और एसोसिएशन के आर्टिकल की प्रति का निरीक्षण कार्यालय स्थित यूजीएफ-2, ए-ब्लॉक, ओमैक्स एनआरआई सिटी सेंटर माल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यूपी-201308, भारत में किया जा सकता है।
4. एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिनों के भीतर कानपुर (उत्तर प्रदेश) के रजिस्ट्रार को लिखित रूप से आपत्ति दर्ज करा सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में भेजनी है।

दिनांक 03 अप्रैल, 2020
आवेदकों के नाम
1. देवेन्द्र सिंह
2. नवीन कुमार

SBI

कार्यनीतिक प्रशिक्षण इकाई, कॉर्पोरेट सेंटर, स्टेट बैंक भवन,
16वीं मंजिल, मादाम कामा रोड, मुंबई - 400021

प्रस्ताव हेतु निवेदन

भारतीय स्टेट बैंक ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए ऑनलाइन एसेसमेन्ट सेन्टर तथा डेव्लपमेन्ट जर्नी आयोजित करने हेतु कंसलटेन्ट की नियुक्ति के लिए एक प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) जारी किया है. अधिक जानकारी के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi** पर 'प्रोक्योरमेन्ट न्यूज' देखें.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 03.04.2020

हस्ताक्षर
उप महाप्रबंधक
(कार्यनीतिक प्रशिक्षण इकाई)

स्काईहाई इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)

पंजीकृत कार्यालय: गोमती प्लाजा, दूसरा तल, विकास खण्ड-1, गोमती नगर लखनऊ-यूपी 226010
U70102UP2013PTC057259
रिजोल्यूशन प्रोफेशनल: अमित अग्रवाल
रिजोल्यूशन प्रोफेशनल का पता: एच-63, विजय चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092
ई-मेल आईडी : cirp.skyhigh@gmail.com ; amitagcs@gmail.com
सम्पर्क नं. 011-43019279
मोबाइल नं.: 91-9899989085 (श्री शशांक बजाज)

नीलामी

दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड, 2016 के अंतर्गत परिसम्पत्तियों की बिक्री
नीलामी की तिथि एवं समय : 18 अप्रैल, 2020 को अप. 2-00 बजे से अप. 3-00 बजे आईएसटी तक स्थान: मरिना सूट्स, सेल्स ऑफिस, पार्क टाउन, एनएच-24, गाजियाबाद, यूपी (प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिए सूचना

माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 2 मार्च 2020 द्वारा नियुक्त रिजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा **स्काईहाई इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (सीआईआरपी के अधीन)** के स्वामित्वाधीन परिसम्पत्तियों की बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीलामी के माध्यम से की जाएगी।

परिसम्पत्ति	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि
1. चल परिसम्पत्तियां जैसे टीएमटी रिबार एवं बार (सरिया) लगभग 45 टन 2. सीमेंट बैग लगभग 2500 3. एक जेसीबी मशीन (बैक लोडर)	राशि. 25,00,000	राशि. 2,50,000

नीलामी द्वारा बिक्री के लिए नियम एवं शर्तें निम्नानुसार हैं:

1. नीलामी के माध्यम से सामान की बिक्री "जैसा है जहां है", जो है जैसा है" और जो है जहां है" आधार पर की जाएगी और कथित सामान **मरिना सूट्स, पार्क टाउन, एनएच-24, गाजियाबाद, यूपी** में पड़ा है।
2. इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पूर्व अपने स्वयं के व्यय एवं अपनी संतुष्टि के लिए सम्पत्तियों का निरीक्षण करना चाहिए। संभावित बोलीदाताओं द्वारा उपरोक्त वर्णित सम्पत्तियों का निरीक्षण श्री शशांक बजाज का फोन नं. +91 9899989085 से पहले सम्पर्क करके समय लेकर साइट पर किया जा सकता है।
3. इच्छुक बोलीदाताओं को ईएमडी राशि के रूप में **स्काईहाई इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्रा. लि. के नाम पर किसी अनुसूचित बैंक पर देय डीडी** के माध्यम से धरोहर जमा राशि (ईएमडी) राशि जमा करनी होगी।
4. इच्छुक बोलीदाताओं को नीलामी के भाग लेने के लिए **डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ईएमडी जमा** का प्रमाण एवं अनुरोध पत्र सहित (1) पहचान पत्र (2) वर्तमान पते का प्रमाण (3) पैन कार्ड (4) वैध ई-मेल आईडी (5) लैंडलाइन एवं मोबाइल नम्बर की स्व-सत्यापित प्रतियां जमा करनी होंगी।
   ये दस्तावेज नीचे दिये गये पते पर रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के कार्यालय में भौतिक रूप से या ई-मेल द्वारा 17 अप्रैल 2020 को सायं 5.00 बजे तक पहुंच जाने चाहिए।
5. नीलामी में भागीदारी के लिए योग्य बोलीदाताओं को न्यूनतम आरक्षित मूल्य के बराबर बोली लगानी होगी और इसे रु. 1 लाख या इस राशि के गुणांक में न्यूनतम बढ़ोतरी राशि के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है।
6. सफल बोलीदाताओं की ईएमडी राशि बिक्री प्रक्रिया के भाग के रूप में रखी जाएगी और असफल बोलीदाताओं की ईएमडी राशि को लौटा दिया जाएगा। ईएमडी राशि पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। आरपी द्वारा सफल बोलीदाता के पक्ष में आशय पत्र (एलओआई) जारी किया जाएगा और सफल बोलीदाता को रिजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा एलओआई जारी करने की तिथि से 5 दिनों के भीतर शेष राशि (सफल बोली राशि ईएमडी घटाकर + **सफल बोली राशि पर 18 प्रतिशत जीएसटी) जमा करनी होगी। एलओआई में वर्णित समय सीमा के भीतर सफल बोलीदाता द्वारा शेष राशि जमा नहीं किये जाने पर सफल बोलीदाता द्वारा जमा की गई सम्पूर्ण जमा राशि (ईएमडी प्लस अन्य राशि) को जब्त कर लिया जाएगा।**
7. सफल बोलीदाता को नीलामी में रखी गई सम्पत्तियों के संबंध में लागू स्टैम्प ड्यूटी/ट्रांसफर चार्ज, शुल्क आदि एवं अन्य सभी सांविधिक/गैर-सांविधिक बकाया, कर, दर, असेसमेंट चार्ज, शुल्क आदि वहन करना होगा।
8. सम्पूर्ण बिक्री राशि भुगतान करने के बाद सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री प्रमाणपत्र/समझौता पत्र जारी किया जाएगा और यह अन्य नाम से जारी नहीं किया जाएगा।
9. रिजोल्यूशन प्रोफेशनल के पास बिना कोई कारण बताए किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने या किसी भी चरण में नीलामी को स्थगित करने/आगे बढ़ाने/निरस्त करने या सम्पत्ति के किसी भी भाग को हटाने का अधिकार है।
10. बिक्री दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड, 2016 और उसके अधीन बनाए गए विनियमों के प्रावधानों के अधीन होगी।

हस्ता./-
अमित अग्रवाल
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-02/IP-N00185/2017-18/10456
एच-63, विजय चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092
कृते स्काईहाई इन्फ्राप्रोजेक्ट्स (प्रा.) लिमिटेड
(3 अप्रैल, 2020)

www.readwhere.com

खबर कोना

मैं अपना दो साल का वेतन पीएम केअर्स फंड में दान कर रहा हूं। आपको भी आगे आना चाहिए।

गंभीर पीएम केयर्स फंड में दो साल का वेतन देंगे

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने गौतम गंभीर ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए सांसद के तौर पर अपना दो साल का वेतन आपात स्थिति प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केअर्स फंड) में देने का फैसला किया।पूर्वी दिल्ली से भाजपा के लोकसभा सांसद ने अपने ट्विटर पेज पर लोगों से इस महामारी से बचाव के लिए योगदान देने की अपील की। गंभीर ने कहा, लोग पूछते हैं कि उनका देश उनके लिए क्या कर सकता है। असली सवाल तो यह है कि आप अपने देश के लिए क्या कर सकते हैं। मैं अपना दो साल का वेतन पीएम केअर्स फंड में दान कर रहा हूं। आपको भी आगे आना चाहिए। गंभीर ने इससे पहले अपना एक माह का वेतन और सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम कोष से एक करोड़ रुपए देने का फैसला किया था। कोविड-19 के कारण देश में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि लगभग 2000 लोग

एशियाई कप 2027 की मेजबानी का दावा करने की समयसीमा बढ़ी

हांगकांग , 2 अप्रैल (एएफपी)।

एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण पैदा हुए संकट को देखते हुए गुरुवार को एशियाई कप 2027 की मेजबानी का दावा करने की समयसीमा बढ़ा दी। एएफसी ने बयान में कहा कि अब मेजबानी का दावा 30 जून तक किया जा सकता है। पहले यह समयसीमा 31 मार्च तक थी। इसमें कहा गया है, यह फैसला कोविड-19 महामारी के कारण वर्तमान स्थिति को देखते हुए लिया गया है। इससे हमारे सदस्य संघों को अपनी तैयारियों के लिये पर्याप्त समय मिल जाएगा। चीन 2023 में अगले एशियाई कप की मेजबानी करेगा लेकिन 2027 के टूर्नामेंट के आयोजन के लिए अभी तक केवल सऊदी अरब ने दावा पेश किया है।एशियाई कप 2023 के लिए क्वालीफायर्स कोरोना वायरस से प्रभावित हैं। इस महामारी के कारण दुनिया भर की खेल प्रतियोगिताएं ठप पड़ी हैं। विश्व कप 2022 के मेजबान कतर ने 2019 में एशियाई कप जीता था।

इटली में लॉकडाउन की अवधि बढ़ी, अभ्यास नहीं कर पाएंगे खिलाड़ी

रोम, 2 अप्रैल (एएफपी)।

इटली के खिलाड़ी आगे भी साथ में अभ्यास नहीं कर पाएंगे क्योंकि प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंटे ने देश में लॉकडाउन की अवधि 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है। कोरोना वायरस महामारी के कारण इटली में मार्च के शुरू से ही तीन अप्रैल तक सभी खेल गतिविधियां रोक दी गई थी। कोंटे ने बुधवार को राष्ट्र के नाम संदेश में कहा कि लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी गई है और इसमें अभ्यास सत्र भी शामिल हैं। कोंटे ने कहा, सार्वजनिक और निजी स्थलों पर खेल प्रतियोगिताओं को निलंबित किया जाता है। सभी तरह के खेलों में पेशेवर और गैर पेशेवर खिलाड़ियों के लिये अभ्यास सत्र भी निलंबित किये जाते हैं।

डकवर्थ लुईस के कारण चर्चित रहे लुईस का निधन

लंदन, 2 अप्रैल (एएफपी)।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में बारिश से प्रभावित मैचों के लिए डकवर्थ-लुईस-स्टर्न विधि तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले टोनी लुईस का निधन हो गया है। वे 78 साल के थे।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान में कहा, ईसीबी को टोनी लुईस के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख है।

बोर्ड ने कहा, टोनी ने अपने साथी गणितिज्ञ फ्रैंक डकवर्थ के साथ मिलकर डकवर्थ लुईस विधि तैयार की थी जिसे 1997 में पेश किया गया और आइसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने 1999 में आधिकारिक तौर पर इसे अपनाया।

ईसीबी ने कहा, इस विधि को 2014 में डकवर्थ-लुईस-स्टर्न विधि नाम दिया गया। यह गणितीय फार्मूला अब भी दुनिया भर में बारिश से प्रभावित सीमित ओवरों के क्रिकेट मैचों में उपयोग किया जाता है। लुईस क्रिकेटर नहीं थे लेकिन उन्हें क्रिकेट और गणित में अपने योगदान के लिए 2010 में ब्रिटिश साम्राज्य के विशिष्ट सम्मान एमबीई से सम्मानित किया गया था।

आईसीसी ने लुईस के निधन पर शोक जताया

दुबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने गुरुवार को गणितज्ञ टोनी लुईस के निधन पर शोक जताया जिन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में बारिश से प्रभावित मैचों के लिए डकवर्थ-लुईस-स्टर्न विधि तैयार करने में अहम भूमिका निभाई।

लुईस का बुधवार को निधन हो गया। वह 78 साल के थे। आइसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक ज्योफ अलार्डिस ने कहा, क्रिकेट में टोनी का योगदान काफी बड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दोबारा लक्ष्य निर्धारित करने की मौजूदा प्रणाली दो दशक से भी अधिक समय पहले उनके और फ्रैंक (डकवर्थ) द्वारा विकसित प्रणाली पर आधारित है। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में भी क्रिकेट के खेल के प्रति उनके योगदान को याद किया जाएगा और हमें उनके परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना जाहिर करते हैं।

लुईस ने शेफील्ड विश्वविद्यालय से गणित और संख्यिकी में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की और आक्सफोर्ड ब्रूक्स विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए जहां वह क्वांटिटेटिव रिसर्च मेथड्स के लेक्चरर थे। लुईस को क्रिकेट और गणित में योगदान के लिए 2010 में ब्रिटिश साम्राज्य के विशिष्ट सम्मान एमबीई से सम्मानित किया गया था।

आइओसी प्रमुख बाक ने मोदी का आभार जताया

लुसाने, 2 अप्रैल (भाषा)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के अध्यक्ष थामस बाक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तोक्यो ओलंपिक के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण इन खेलों का आयोजन अब 2021 में होगा।

एक अप्रैल को भेजे गए पत्र में बाक ने कहा कि हाल में जी 20 नेताओं के सम्मेलन के दौरान तोक्यो ओलंपिक का समर्थन करने के लिए वे प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं। कोविड-19 महामारी के कारण यह सम्मेलन वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए हुआ था।

एक अप्रैल को भेजे गए पत्र में बाक ने कहा कि हाल में जी 20 नेताओं के सम्मेलन के दौरान तोक्यो ओलंपिक का समर्थन करने के लिए वे प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं।

बाक ने अपने पत्र में लिखा, जी 20 नेताओं के सम्मेलन में व्यक्त तोक्यो ओलंपिक खेल 2020 को दिए गए आपके समर्थन के लिए मेरा तहेदिल से आभार स्वीकार करें। जी 20 नेताओं की पिछले साल ओसाका में हुई बैठक में ही ओलंपिक खेलों की एकजुटता में भूमिका व्यक्त की गई थी। कोविड-19 के बाद में इन खेलों को 2021 तक टाल दिया था।

अमेरिकी ओपन 31 अगस्त से ही होगा

न्यूयार्क, 2 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण विम्बलडन रद्द हो गया और फ्रेंच ओपन स्थगित कर दिया गया लेकिन अमेरिकी ओपन के आयोजकों ने कहा है कि यह ग्रैंड स्लैम अपने तय समय 31 अगस्त से यहां शुरू होगा। कोविड-19 महामारी के कारण विम्बलडन के आयोजकों ने बुधवार को 29 जून से शुरू होने वाले सबसे पुराने ग्रैंडस्लैम को रद्द कर दिया।

कोरोना वायरस महामारी के न्यूयार्क में बढ़ने के बाद यहां के नेशनल टेनिस सेंटर के इंडोर कोर्ट का इस्तेमाल अस्थायी अस्पताल की सुविधा के लिए किया जा रहा है। अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) ने कहार कि वह स्थिति पर नजर बनाए रखेगा और जरूरत के मुताबिक बदलाव करेगा।

यूएसटीए के बयान के मुताबिक, मौजूदा समय में यूएसटीए की योजना यूएस ओपन को निर्धारित समय पर कराने की है। हम टूनार्मेंट की तैयारी का काम जारी रखेंगे। बयान के मुताबिक, यूएसटीए कोविड-19 महामारी के कारण तेजी से बदलते स्थिति की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है और किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना करने की योजना बना रहा है।

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले न्यूयार्कमें ही सामने आए हैं जिसके बाद अमेरिकी ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम को अस्थायी अस्पताल में बदल दिया गया है जबकि लुइ आर्मस्ट्राग स्टेडियम में बीमार लोगों, स्वयंसेवकों और स्कूली छात्रों के लिए खाना तैयार हो रहा है।

यूएसटीए के बयान के मुताबिक, मौजूदा समय में यूएसटीए की योजना यूएस ओपन को निर्धारित समय पर कराने की है। हम टूनार्मेंट की तैयारी का काम जारी रखेंगे।

यूएसटीए आगे की कोई भी योजना बनाने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह का पालन करेगा। यूएसटीए ने कहा, हम यूएसटीए के चिकित्सा सलाहकार समूह के साथ-साथ सरकारी और सुरक्षा अधिकारियों पर भरोसा करते हैं। उसने कहा, हम किसी भी स्थिति में यूएस ओपन के बारे में कोई भी फैसला खिलाड़ियों, प्रशंसकों और टूनार्मेंट के हितधारकों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखकर करेंगे।

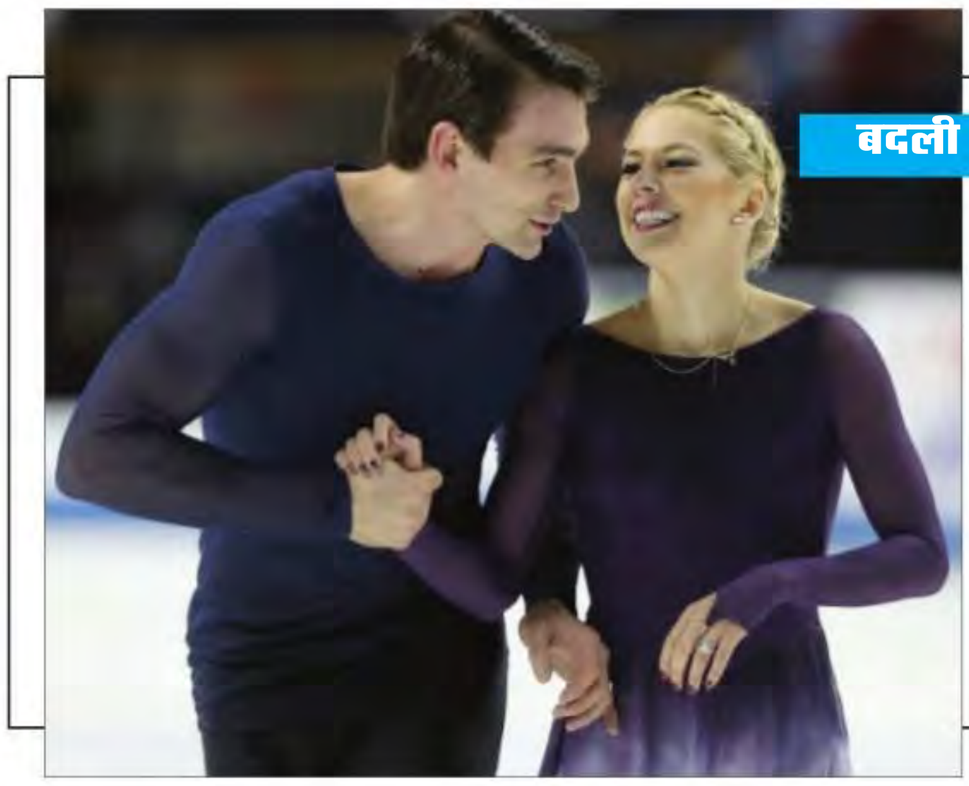

बदली जोड़ी

शीतकालीन ओलंपिक 2018 में फिगर स्केटिंग की कांस्य पदक विजेता एलेक्सा केनिरिम के पति क्रिस के रिटायर होने के बाद वे अब ब्रैंडन फ्रेजियर के संग जोड़ी बनाएंगी और अंतरराष्ट्रीय खेल जीवन आगे बढ़ाएंगी।

भारत में 90 लाख लोगों ने देखा महिला टी20 विश्व कप का फाइनल

दुबई, 2 अप्रैल (भाषा)।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए आइसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल को भारत में 90 लाख से अधिक लोगों ने देखा जो कि टीवी और डिजीटल प्लेटफार्म पर दर्शकों की संख्या का नया रेकार्ड है।

भारत हालांकि इस मैच में आस्ट्रेलिया से हार गया था जिसे देखने के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर 86,174 दर्शक उपास्थत थे।

तोक्यो ओलंपिक स्थगित होने से खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति गड़बड़ाई

लुसाने, 2 अप्रैल (एएफपी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के स्थगित और खेल गतिविधियां ठप होने से अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है।

कई ऐसे खेल हैं जो ओलंपिक का हिस्सा हैं और अपनी कमाई के लिये अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से हर चार साल में मिलने वाली धनराशि पर निर्भर हैं। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अधिकारी ने कहा, स्थिति तनावपूर्ण और निराशाजनक है। मूल्यांकन किया जाएगा लेकिन कई की नौकरियां खतरे में हैं। तोक्यो ओलंपिक में 28 अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को उपस्थित होना था और उन्हें आईओसी से पर्याप्त धनराशि मिलनी थी। लेकिन खेलों के 2021 तक स्थगित होने से उन्हें अभी यह धनराशि नहीं मिल पाएगी।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक ग्रीष्म खेलों के संघ के महासंघ (एएसओआइएफ) के ***महासचिव एंड्रयू रेयान*** ने कहा, हमारे कई अंतरराष्ट्रीय महासंघ हैं जिनके पास पर्याप्त धनराशि जमा है लेकिन अन्य महासंघ अलग तरह के व्यावसायिक ढांचे पर चलते हैं। उनकी आय का स्रोत प्रमुख खेल प्रतियोगिताएं हैं जो कि निलंबित हैं। अगर उनके पास पर्याप्त धनराशि जमा नहीं होगी तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय महासंघों में धन वितरण के लिए एएसओआइएफ ही जिम्मेदार होता है। तोक्यो खेलों में शामिल किए गए कराते, सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, क्लाइंबिंग तथा बेसबाल-सॉफ्टबाल यह धनराशि पाने के पात्र नहीं हैं।

कोविड-19 महामारी की मार

ईसीबी को हो सकता है 30 करोड़ पौंड का नुकसान

लंदन, 2 अप्रैल (भाषा)।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रमुख टॉम हैरिसन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण अगर आगामी सत्र में क्रिकेट नहीं खेला जाता है तो ईसीबी को 30 करोड़ पौंड से अधिक का नुकसान हो सकता है।

हैरिसन ईसीबी के उन कर्मचारियों में शामिल हैं जो इस संकट से पार पाने के लिए अपने वेतन में कटौती कर रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार एक अन्य घटनाक्रम में इंग्लैंड के केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी ईसीबी के वेतन में 20 प्रतिशत कटौती के प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते हैं। बोर्ड महामारी के कारण पैदा हुई चुनौतियों से पार पाने के लिए इस तरह की योजना बना रहा है।

ईसीबी ने मंगलवार को वर्तमान संकट से निपटने के लिए छह करोड़ दस लाख पौंड के पैकेज की घोषणा की थी। पेशेवर क्रिकेटर्स संघ (पीसीए) प्रमुख टोनी आइरिस को भेजे गए पत्र में हैरिसन ने महामारी से पड़ने वाले लंबी अवधि के प्रभावों को लेकर चिंता जताई है। अपने इस पत्र में हैरिसन ने दावा किया वह कम से कम आगामी तीन महीने तक अपने वेतन में 25 फ्टीसद की कटौती कर रहे हैं। हैरिसन ने लिखा है, खेलों के लिए अभी यह महामारी सबसे बड़ी चुनौती है हालांकि क्रिकेट पर इसके संपूर्ण प्रभाव का अभी पता नहीं है लेकिन यह स्पष्ट है कि यह बेहद महत्त्वपूर्ण होगा।

हैरिसन ने कहा, हम केवल खेल पर कुल वित्तीय प्रभाव का अनुमान लगा सकते है जो कि कुछ समय तक स्पष्ट नहीं होगा। लेकिन अनुमानों के अनुसार पूरा क्रिकेट सत्र गंवाने पर इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट को 30 करोड़ पौंड से भी अधिक का नुकसान होगा।

ईसीबी की जमा पूंजी 2016-16 में सात करोड़ 30 लाख पौंड थी जो 2018-19 में घटकर एक करोड़ दस लाख पौंड रह गई थी। ऐसे में अगर इस सत्र में क्रिकेट नहीं खेला जाता है तो ईसीबी के वित्तीय कोष पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

इंग्लैंड ने कोविड-19 महामारी के कारण 28 मई तक सभी तरह की पेशेवर क्रिकेट स्थगित कर रखी है। इस बीमारी के कारण विश्व भर में अभी तक 40,000 लोगों की मौत हुई है। इस साल काउंटी सत्र को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

बैडमिंटन खिलाड़ी प्रणय ने कहा स्थिति है निराशाजनक | **विचार** | **फिर भी उम्मीद है कि डेढ़ महीने चीजें सामान्य हो जाएंगी**

वित्तीय व मानसिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं खिलाड़ी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (भाषा)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय कोविड-19 महामारी के कारण भावनात्मक व वित्तीय रूप से प्रभावित हैं और उनका मानना है कि अगर डेढ़ महीने में चीजें बेहतर नहीं हुई तो पहले से ही निराशाजनक स्थिति और बदतर हो सकती है।

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण दुनिया भर में 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कई देशों में लाकडाउन की स्थिति है और दुनिया भर में बैडमिंटन सहित खेल गतिविधियां रुकी हुई हैं। इससे दुनिया भर में वित्तीय और मानसिक परेशानी भी पैदा हुई है।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणय ने कहा, किसी भी कंपनी के लिए यह अच्छा समय नहीं है, लाकडाउन के कारण उनकी कमाई नहीं हो रही है और सभी कुछ प्रायोजकों पर निर्भर करता है इसलिए यहां इसका खेलों पर असर पड़ा है।

उन्होंने कहा, प्रायोजकों ने अन्य खेलों में भी निवेश किया है। इसलिए मुझे पता है कि चीजें बैडमिंटन और कुल मिलाकर सभी खेलों के लिए निराशाजनक है। प्रणय ने कहा, कुछ जगहों से कम राजस्व आ रहा है। फिर भी मैं उम्मीद करता हूं कि चीजें डेढ़ महीने में सामान्य हो जाएंगी। सेरेना विलियम्स और दिग्गज तैराक माइकल फेल्प्स ने इस लाकडाउन के खिलाड़ियों के मानसिक हालात पर असर के बारे में बात की है। प्रणय ने कहा, कई खिलाड़ी खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्लूएफ) ने 17 मार्च की विश्व रैंकिंग को ही बरकरार रखने का फैसला किया है। प्रणय ने इस कदम का स्वागत किया लेकिन साथ ही कहा कि वैश्विक संस्था को अधिक सक्रिय रुख अपनाने की जरूरत है और खिलाड़ियों के हितों की प्राथमिकता तय करनी होगी।

'महामारी के प्रभाव से उबारने में खेल की बड़ी भूमिका'

लंदन, 2 अप्रैल (भाषा)।

इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि खेल विश्व को कोविड-19 के प्रभाव से उबारने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। मोर्गन ने कहा, खेल दुनिया को आगे बढ़ाने और लोगों का चीजों के प्रति नजरिया बदलने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, अलग थलग रहने से दिमाग निष्क्रिय हो जाता है। खेलों से दिमाग को सक्रिय बनाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो मुझे लगता है यह महत्वपूर्ण कदम होगा। जब तक स्थिति नियंत्रण में नहीं आती इंग्लैंड के क्रिकेटर इंतजार करने के लिये तैयार हैं और इस संकट से पार पाने के लिए जो भी संभव हो वह कर रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 137 *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना- एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com